वर्ष 68 ▸▸ अंक 341 ▸▸ पृष्ठ 12
भोपाल, सोमवार 08 सितंबर, 2025
आश्विन कृष्ण पक्ष 01, विक्रम संवत् 2082
महानगर ▸▸ मूल्य 5 रुपए

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

> जो लोग थोड़ी-सी अस्थायी सुरक्षा पाने के लिए अपनी मौलिक स्वतंत्रता छोड़ सकते हैं, वे न तो स्वतंत्रता के योग्य हैं और न ही सुरक्षा के।
> - बेंजामिन फ्रैंकलिन

ब्लड मूनः चंद्रमा ने 82 मिनट में दिखाई अपनी कलाएं, धीरे-धीरे हटा चंद्रग्रहण

दुनिया की करीब 85 फीसदी आबादी ने देखी यह शानदार खगोलीय घटना

रविवार देर रात दिल्ली और कोलकाता जैसे प्रमुख शहरों में पूरा चंद्रमा (फुल मून) रात में 11.38 बजे दिखाई दिया। यह क्षण 'कॉर्न मून' के रूप में भी जाना जाता है।

नई दिल्ली, जेएनएन। साल 2025 का दूसरा और आखिरी चंद्रग्रहण रविवार रात देखने को मिला। रात 9.56 बजे शुरू हुआ यह ग्रहण कुल 3 घंटे 28 मिनट तक चला। रात 11 बजे से 12.23 बजे तक 82 मिनट तक चंद्रमा पूर्ण रूप से पृथ्वी की छाया में ढका रहा और लाल-नारंगी रंग का दिखाई दिया, जिसे खगोल विज्ञान में 'ब्लड मून' कहा जाता है। भारत में यह नजारा तमिलनाडु से सबसे पहले दिखाई दिया और इसके बाद दिल्ली, कोलकाता, जयपुर, रांची, प्रयागराज और तिरुवनंतपुरम तक देशभर से लोगों ने इसे देखा। यह 2018 के बाद पहली बार है जब भारत के हर हिस्से से पूर्ण चंद्रग्रहण देखा जा रहा है। खगोलविदों के अनुसार, इस बार का चंद्रग्रहण 2022 के बाद का सबसे लंबा पूर्ण ग्रहण था। एशिया और ऑस्ट्रेलिया में यह नजारा सबसे देर तक दिखाई दिया। दुनिया की करीब 85 फीसदी आबादी ने इस शानदार खगोलीय घटना को देखा।

आठ साल बाद एशिया कप पर भारत का कब्जा

दिलप्रीत और सुखजीत चमके

भारत ने राजगीर (बिहार) में खेले गए एशिया कप हॉकी 2025 फाइनल में दक्षिण कोरिया को 4-1 से हराकर खिताब अपने नाम किया और अगले साल होने वाले हॉकी विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया। भारत की ओर से सुखजीत सिंह, अमित रोहिदास और दिलप्रीत सिंह (2 गोल) ने शानदार प्रदर्शन किए। दक्षिण कोरिया की तरफ से सोन डेन ने एकमात्र गोल दागा। आठ साल बाद भारत ने एशिया कप जीता है और यह उसका चौथा खिताब है।

(विस्तृत खबर पेज-6 पर)

विंध्य में सीएम बोले- संसाधनों के अभाव का बहाना बनाती रहीं विपक्षी सरकारें

बहुती प्रपात का एमपीटी करेगा विकास

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि कांग्रेस ने कभी भी न तो जनता के हितों की बात की और न ही प्रदेश के विकास के बारे में सोचा। कांग्रेस सहित अन्य दलों की सरकारें विकास के लिए सदैव संसाधनों के अभाव का बहाना बनाती रहीं। जबकि देश भर में भाजपा की सरकारों ने विकास के लिए कभी भी संसाधानों की कमी नहीं होने दी।

मुख्यमंत्री रविवार को विंध्य क्षेत्र के मऊगंज जिले के देवतालाब में विकास कार्यों की सौगात देने के बाद आमजन को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रदेश के किसी भी क्षेत्र में विकास और जनकल्याण के लिए कभी भी संसाधनों की कमी नहीं होने दी है। यही कारण है कि सभी जिलों का विकास तेजी से हो रहा है। सीएम ने कहा कि खेत में किसान और सीमा पर जवान दोनों का सम्मान हमारी सरकार के लिए सर्वोपरि है। किसान सम्मान निधि तथा अन्य प्रोत्साहन गतिविधियों के माध्यम से राज्य सरकार किसान कल्याण के लिए निरंतर प्रयत्नशील है। पर्याप्त सिंचाई और बिजली की उपलब्धता प्रदेश के सभी क्षेत्रों में सुनिश्चित की जा रही है।

इस मौके पर उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में प्रदेश ने 2 साल से कम समय में जो विकास किया है वह ऐतिहासिक है। उन्होंने विकास योजनाओं के लिए धन की कोई कमी नहीं आने दी। क्षेत्र में सड़क, नहर और माइक्रो इरिगेशन परियोजना से विकास का मार्ग प्रशस्त हुआ है। मुख्यमंत्री ने रीवा में इंडस्ट्रियल कॉन्क्लेव और पर्यटन कान्क्लेव का आयोजन कर पूरे विंध्य में विकास के नए द्वार खोले हैं।

बहुती जल प्रपात का अवलोकन

सीएम ने मऊगंज प्रवास पर बहुती जल प्रपात का अवलोकन किया। इस मौके पर उन्होंने घोषणा की कि बहुती जल प्रपात को पर्यटन विभाग विकसित करेगा और इसे भव्य पर्यटक स्थल का रूप दिया जाएगा। इसी तरह देवतालाब मंदिर में शिवलोक का निर्माण कराया जाएगा। देवतालाब, बनारस और प्रयागराज धार्मिक क्षेत्र का अनूठा त्रिकोण है। जिसका विकास किया जाएगा।

मददः छग के बाढ़ पीड़ितों को प्रदेश देगा 5 करोड़ रुपए

मध्यप्रदेश सरकार ने पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ के अतिवृष्टि और बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए पहल की है। सरकार ने छग को 5 करोड़ रुपए की राशि के साथ एक ट्रेन राहत सामग्री भेजने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने छत्तीसगढ़ में अतिवृष्टि और बाढ़ से निर्मित स्थिति के संदर्भ में कहा है कि पड़ोसी राज्य की मदद करना हमारा दायित्व है। छत्तीसगढ़ में दंतेवाड़ा सहित कई क्षेत्रों में बाढ़ से बहुत क्षति हुई है। सीएम ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को आश्वस्त किया कि मध्यप्रदेश सरकार सदैव उनके साथ है। मध्यप्रदेश की ओर से भविष्य में भी छत्तीसगढ़ को आवश्यकतानुसार सहायता और राहत उपलब्ध कराई जाएगी।

अदालत का आदेश

अदाणी के खिलाफ न छापें अप्रमाणित खबरें

नई दिल्ली, जेएनएन। दिल्ली की एक अदालत ने शनिवार को अदाणी समूह के खिलाफ प्रकाशित होने वाली कथित मानहानिपूर्ण और अप्रमाणित खबरों पर रोक लगा दी। रोहिणी कोर्ट के स्पेशल सिविल जज अनुज कुमार सिंह ने यह अंतरिम आदेश अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड की याचिका पर सुनाया। अदालत ने पत्रकारों और दो वेबसाइटों को निर्देश दिया कि वे अदाणी समूह के बारे में बिना प्रमाणित रिपोर्ट प्रकाशित या प्रसारित न करें। जिन पत्रकारों पर यह रोक लगी है, उनमें परंजॉय गुहा ठाकुरता, रवी नायर, अबीर दासगुप्ता, अयस्कांत दास और आयुष जोशी शामिल हैं।

अंदर के पन्नों पर

▸▸ डॉ आराधना वर्मा बनी मिसेज इंडिया डेजल ... (पेज-05)

▸▸ क्षिप्रा में डूबी कार में मिले टीआई व एसआई के शव ... (पेज-07)

▸▸ आर्यना सबालेंका ने 100 वीं जीत के साथ जीता चौथा... (पेज-10)

▸▸ दुनिया में जो सबसे ज्यादा ट्रबल फैला रहे, उन्हें शांति ...(पेज-11)

तबाही का मानसूनः हिमाचल सबसे ज्यादा प्रभावित, 366 मौतें, 4.07 लाख करोड़ का नुकसान

देशभर में बारिश-बाढ़ से 9 लाख करोड़ से ज्यादा का नुकसान, 600 से ज्यादा मौतें

नई दिल्ली, जेएनएन। देशभर में इस मानसून सीजन ने जनजीवन और अर्थव्यवस्था को गहरा झटका दिया है। देशभर में इस साल अब तक बारिश-बाढ़ से 600 से ज्यादा मौतें हो चुकी हैं, वहीं कुल नुकसान का अनुमान करीब 9.03 लाख करोड़ रुपए लगाया जा रहा है। यह तबाही 9 राज्यों में फैली, जहां सड़कों, पुलों, गांवों, शहरों और लाखों हेक्टेयर फसल पर सबसे ज्यादा असर पड़ा। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र सबसे ज्यादा प्रभावित राज्यों में रहे। इसके अलावा मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भी भारी तबाही हुई है।

सबसे ज्यादा असर हिमाचल प्रदेश पर पड़ा, जहां 24 जुलाई से 7 अगस्त के बीच बारिश, बाढ़ और लैंडस्लाइड जैसी घटनाओं में 366 लोगों की जान गई और 4.07 लाख करोड़ की संपत्ति का नुकसान हुआ। शिमला (116 फीसदी) और कुल्लू (113 फीसदी) जैसे पहाड़ी जिलों में सामान्य से दोगुनी बारिश हुई। पंजाब में भी सभी 23 जिले अब भी बाढ़ से प्रभावित हैं। यहां 46 लोगों की मौत और 1.75 लाख हेक्टेयर फसलें बर्बाद हो चुकी हैं। लुधियाना का ससराली बांध टूटने का खतरा मंडरा रहा है। वहीं, उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले के नौगांव में शनिवार शाम को बादल फटने से बाजार और घरों में पानी-मलबा घुस गया। कई गाड़ियां बह गईं। सिरमौर (हिमाचल) में पूरा पहाड़ नदी में समा गया, हालांकि वहां बस्ती नहीं थी।

कश्मीर घाटी में बाढ़ और भूस्खलन से सड़क संपर्क बाधित हुआ है। रामबन और उधमपुर जिलों में कई मकान ढह गए। यहां भी अब तक सैकड़ों करोड़ का नुकसान दर्ज किया गया है।

देशभर में बारिश-बाढ़ से नुकसान का अनुमान

राज्य	मौत	अनुमानित नुकसान (रुपए में)	विशेष प्रभाव
हिमाचल प्रदेश	366	4,07,000 करोड़	सड़कें, पुल, घर, पर्यटन ढांचा ध्वस्त
पंजाब	46	13,289 करोड़	1.75 लाख हेक्टेयर फसल बर्बाद
उत्तराखंड	30+	95,000 करोड़	बादल फटने से बाजार, गांव तबाह
राजस्थान	20+	91,000 करोड़	हाईवे-162 बहा, गांव डूबे
उत्तर प्रदेश	40+	91,500 करोड़	यमुना-घाघरा उफान, गांव डूबे
गुजरात	5+	92,000 करोड़	साबरमती-विश्वामित्री खतरे पर
जम्मू-कश्मीर	15+	9800 करोड़	भूस्खलन, मकान ढहे
महाराष्ट्र	50+	93,000 करोड़	गन्ना, कपास, मछली पालन तबाह
गोवा	75	9500 करोड़	तटीय इलाकों में तबाही

यूपी-गुजरात में नदियां उफान परः उत्तर प्रदेश के मथुरा में यमुना नदी शहर से 1 किमी दूर तक फैल गई और वृंदावन परिक्रमा मार्ग डूब गया। इटावा के सात गांव बाढ़ से प्रभावित हैं। गुजरात में साबरमती और विश्वामित्री नदियां खतरे के निशान पर हैं, जिससे वडोदरा और अहमदाबाद जैसे शहरों में निचले इलाकों में अलर्ट जारी किया गया है।

देशभर में रेड-ऑरेंज अलर्टः मौसम विभाग ने गुजरात, राजस्थान और महाराष्ट्र में रेड अलर्ट, गोवा में ऑरेंज अलर्ट और 20 राज्यों में यलो अलर्ट जारी किया है। एनडीआरएफ की 12 और एसडीआरएफ की 20 टीमें राहत-बचाव में लगी हैं।

मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़ में भी तबाही, 55 से अधिक मौत 37 सौ करोड़ का नुकसानः मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ भी नुकसान से अछूते नहीं रहे। मप्र के नर्मदापुरम, होशंगाबाद और जबलपुर जिलों में नदियां उफान पर हैं। अब तक करीब 35 मौतें दर्ज की गई हैं और राज्य सरकार ने 2,200 करोड़ से अधिक का नुकसान आंका है। सबसे ज्यादा असर कृषि और ग्रामीण सड़कों पर पड़ा है। छत्तीसगढ़ के बस्तर और रायपुर संभाग में लगातार बारिश से धान की फसलें जलमग्न हो गईं। यहां अब तक 20 से अधिक मौतें और 1,500 करोड़ का अनुमानित नुकसान सामने आया है।

पीएम कल करेंगे दौराः इस बीच पीएम मोदी 9 सितंबर को पंजाब का दौरा करेंगे। वे नई दिल्ली से अमृतसर पहुंचेंगे और यहां एरियल सर्वे करेंगे। इसके बाद गवर्नर व सीएम के साथ बैठक के बाद गुरदासपुर का भी दौरा करेंगे।

शहडोलः अब रामपुर पंचायत में भ्रष्टाचार

दो माह में खाए 67 हजार रुपए के समोसे और बूंदी

जागरण, शहडोल। जिले में सरकारी धन के दुरुपयोग के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। पहले दो फोटोकॉपी के लिए 4,000 रुपए का भुगतान, फिर ईंट खरीद में बड़ा घोटाला और अब बूंदी व समोसे के 70 हजार रुपए के बिल ने प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। नया मामला जनपद पंचायत गोहपारू की ग्राम पंचायत रामपुर का है। सोशल मीडिया पर वायरल बिलों के अनुसार, दो माह में पांच बिलों के जरिए 66,950 रुपए बूंदी और समोसे के नाम पर पास कराए गए हैं। आंगनबाड़ी के लिए कुकर, कुर्सी, गिलास और चिमटा जैसी सामग्रियों के नाम पर लगभग 53 हजार रुपए के तीन और बिलों का भुगतान भी किया गया है। बिल देने वाले होटल संचालक अब्दुल अली का कहना है कि वह प्रतिदिन कई बिल बनाते हैं, इसलिए किस बिल की बात की जा रही है, यह देखने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

जांच के बाद कार्रवाई करेंगेः सीईओ

जनपद सीईओ गोहपारू सुधीर दिनकर ने कहा कि उन्हें अभी इस घोटाले की जानकारी मिली है। मामले की जांच कराकर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

पुराने मामलों में भी कार्रवाई अधूरी

यह पहला मामला नहीं है। इससे पहले जयसिंहनगर के कुदरी में मात्र दो फोटोकॉपी के लिए 4,000 रुपए का भुगतान किया गया था। बुढ़ार के भठिया में आंगनबाड़ी भवन निर्माण के लिए 2,500 ईंटों के बदले 1.25 लाख रुपए का बिल पास किया गया। सीईओ जिला पंचायत सौम्या आनंद ने इन दोनों मामलों में सरपंच और सचिव को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा था। साथ ही एसडीएम और सीईओ जनपद पंचायत को जांच कर रिपोर्ट पेश करने के निर्देश भी दिए थे।

'द कूल' हीरो

'द चेज' के टीजर में आर माधवन के साथ फायरिंग करते दिखे महेंद्र सिंह धोनी

अब सिल्वर स्क्रीन पर धमाल मचाएंगे कैप्टन कूल

मुंबई, जेएनएन। भारतीय क्रिकेट टीम के सबसे सफल कप्तान और लाखों प्रशंसकों के चहेते महेंद्र सिंह धोनी अब क्रिकेट मैदान से पर्दे पर कदम रख चुके हैं। धोनी जल्द ही अभिनेता आर माधवन के साथ एक्शन से भरपूर प्रोजेक्ट 'द चेज' में नजर आने वाले हैं। रविवार को माधवन ने इसका टीजर सोशल मीडिया पर साझा किया, जिसने फैंस के बीच सनसनी मचा दी।

टीजर में धोनी और माधवन दोनों ब्लैक आउटफिट और सनग्लासेस पहने नजर आते हैं। दोनों हाथों में गन लिए दुश्मनों पर ताबड़तोड़ फायरिंग करते दिखते हैं। यहां तक कि एक दृश्य में धोनी कार की छत पर चढ़कर भी गोलीबारी करते नजर आते हैं। टीजर में धोनी का इंट्रो 'द कूल हीरो' के तौर पर दिया गया है, जो उनके क्रिकेटिंग दिनों के उपनाम 'कैप्टन कूल' की याद दिलाता है। हालांकि अभी तक यह साफ नहीं है कि यह प्रोजेक्ट एक फिल्म है या वेबसीरीज। इतना जरूर तय है कि इसे वासन बाला ने डायरेक्ट किया है, जो आलिया भट्ट की हालिया फिल्म जिगरा के निर्देशक भी रहे हैं। आर माधवन ने इंस्टाग्राम पर टीजर शेयर करते हुए लिखा, 'वन मिशन। टू फाइटर्स। तैयार हो जाइए, धमाकेदार चेज शुरू होने वाली है। 'द चेज' टीजर अब आउट है। डायरेक्टेड बाय वासन बाला। कमिंग सून।' टीजर रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर #MSDhoni और #TheChase ट्रेंड करने लगे। धोनी के प्रशंसक उन्हें पहली बार एक्शन अवतार में देखकर उत्साहित हैं। क्रिकेट मैदान पर हेलीकॉप्टर शॉट से गेंदबाजों को चौका देने वाले धोनी अब कैमरे के सामने गोलियों की बरसात करते दिखेंगे।

धोनी की जिंदगी पर पहले ही एक सुपरहिट फिल्म 'एमएस धोनीः द अनटोल्ड स्टोरी' बन चुकी है। 2016 में रिलीज हुई इस फिल्म में दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत ने धोनी की भूमिका निभाई थी। दिशा पाटनी, कियारा आडवाणी और अनुपम खेर भी इसमें अहम भूमिकाओं में थे। लगभग 104 करोड़ के बजट में बनी इस फिल्म ने करीब 216 करोड़ की कमाई की थी।

धोनी ने 2004 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया था। 2007 में उन्होंने भारत को पहला टी-20 वर्ल्ड कप जिताया और 2011 में वनडे वर्ल्ड कप में ऐतिहासिक जीत दिलाई। 2020 में उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया, लेकिन आईपीएल में वे अब भी चेन्नई सुपर किंग्स की जान बने हुए हैं।

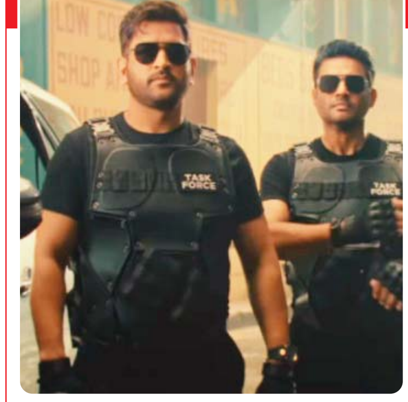

कपिल से कांबली तक कई क्रिकेटर आए पर्दे पर

विनोद कांबलीः 90 के दशक के स्टार बल्लेबाज रहे, उन्होंने अन्ना (1996) में काम किया। लेकिन फिल्म बुरी तरह फ्लॉप रही और कांबली का करियर आगे नहीं बढ़ सका।

सलिल अंकोलाः भारतीय टीम के तेज गेंदबाज रह चुके अंकोला ने फिल्मों के साथ-साथ टीवी सीरियल्स में भी किस्मत आजमाई। उन्होंने 'कुर्बानियां' और 'पिता' जैसी फिल्मों में काम किया, लेकिन खास सफलता नहीं मिली।

अजय जडेजाः स्टाइलिश क्रिकेटर जडेजा ने कर्मयोगी (2012) में अभिनय किया, मगर यह फिल्म भी दर्शकों को पसंद नहीं आई।

कपिल देव, सुनील गावस्करः महान क्रिकेटर कपिल देव और गावस्कर भी गेस्ट अपीयरेंस के रूप में फिल्मों में नजर आ चुके हैं। गावस्कर ने मराठी फिल्म 'सावली प्रेमाची' और हिंदी फिल्म 'मालामाल' (1988) में अभिनय किया है।

जापान के प्रधानमंत्री ने दिया इस्तीफा

सत्ता बचाने की कोशिश में शिगेरु इशिबा ने छोड़ा पद

टोक्यो, जेएनएन। जापान की राजनीति में रविवार को बड़ा उलटफेर हुआ जब प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा ने अचानक अपने पद से इस्तीफा दे दिया। जापानी मीडिया एनएचके के मुताबिक इशिबा ने यह फैसला इसलिए लिया ताकि उनकी पार्टी लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी टूटने से बच सके। इशिबा गठबंधन सरकार को जुलाई में हुए हाउस ऑफ काउंसलर्स यानी ऊपरी सदन के चुनाव में करारी हार का सामना करना पड़ा था। संसद के उच्च सदन की कुल 248 सीटों में से बहुमत बनाए रखने के लिए 50 सीटें चाहिए थीं, लेकिन गठबंधन केवल 47 सीटें जीत सका। एलडीपी को इनमें से महज 39 सीटें मिलीं। यह लगातार दूसरी हार थी। इससे पहले अक्टूबर 2024 में हुए निचले सदन के चुनाव में भी इशिबा बहुमत से वंचित रह गए थे।

निचले सदन में भी बहुमत नहीं

निचले सदन में भी इशिबा का गठबंधन बहुमत से पीछे था। 465 में से बहुमत के लिए 233 सीटें चाहिए थीं, जबकि गठबंधन को केवल 215 सीटें मिली थीं। विपक्षी सीडीपीजे को 148 सीटें मिलीं, लेकिन विपक्ष आपस में बंटा रहा। इस स्थिति का फायदा उठाकर इशिबा छोटे दलों और विपक्षी सांसदों के समर्थन से सरकार चला रहे थे।

संक्षिप्त खबरें

विद्यालयों में तीनों भाषाओं को रखा गया समअंकीय

भोपाल। प्रदेश में राज्य सरकार संस्कृत भाषा के संरक्षण एवं संवर्द्धन के लिये लगातार प्रयास कर रही है। प्रदेश में संस्कृत भाषा के विकास, संरक्षण एवं संवर्द्धन के लिये महर्षि पतंजलि संस्थान का संचालन स्कूल शिक्षा विभाग के अंतर्गत वर्ष 2008 से किया जा रहा है। पतंजलि संस्कृत संस्थान के माध्यम से संस्कृत भाषा के विकास के लिये प्रदेश में 271 संस्कृत माध्यम से विद्यालय संचालित हो रहे है। इन विद्यालयों में पूर्व मध्यमा और उत्तर मध्यमा कक्षा 10वीं एवं 12वीं के समकक्ष स्तर की परीक्षाएँ आयोजित की जा रही है। प्रदेश में राज्यस्तरीय शासकीय आवासीय संस्कृत कन्या विद्यालय भोपाल में संचालित है। इसके अलावा संस्थान द्वारा 4 आदर्श आवासीय संस्कृत विद्यालय दतिया, सिरोंज, डिंडोरी एवं रतलाम में संचालित किये जा रहे है। सामान्य विद्यालयों में नई शिक्षा नीति में त्रिभाषा फॉर्मुले के तहत कक्षा 10वीं तक संस्कृत भाषा की उपयोगिता को ध्यान में रखा गया है। वर्तमान में हिन्दी, अंग्रेजी एवं संस्कृत तीनों भाषाओं को समअंकीय रखा गया है। अर्थात उनके लिये परीक्षा पूर्णांक अंक सामान्य रूप से निर्धारित है।

हृदय विदारकघटना :मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि उज्जैन में ड्यूटी के दौरान क्षिप्रा नदी में वाहन गिरने से हुई दुर्घटना में उन्हेल के थाना प्रभारी अशोक शर्मा का असामयिक निधन हृदय विदारक है। मुख्यमंत्री ने शोकाकुल परिजन के प्रति अपनी गहन संवेदनाएं व्यक्त की हैं। उन्होंने बाबा महाकाल से दिवंगत पुण्यात्मा की शांति और परिजन को यह वज्रपात सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की है। डॉ. यादव ने कहा कि इस वाहन दुर्घटना में लापता पुलिसकर्मी मदनलाल निनामा एवं सुश्री आरती पाल के लिए सर्च ऑपरेशन तेजी से जारी है।

कर्तव्य और सच्चाई का साथ नहीं छोड़ना चाहिए :राजपूत

भोपाल। सागर के जैसीनगर में कुशवाहा समाज द्वारा भगवान लव-कुश जयंती के अवसर पर भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत शामिल हुए। उन्होंने हिमांचल टौरी पर 50 लाख रुपए की लागत से निर्मित भगवान लव कुश भवन का लोकार्पण किया। मंत्री राजपूत ने भगवान लव-कुश की मनमोहक झांकी का पूजन-अर्चना किया। इस मौके पर राजपूत ने कहा कि भगवान लव कुश और भगवान श्री राम की महिमा से कोई अपरिचित नहीं है। प्रत्येक घर में रामचरितमानस का पाठ होता है और भगवान राम, लव और कुश की मर्यादा, शौर्य और पराक्रम की गाथाएं सभी के मन में बसी हैं। उन्होंने कहा कि भगवान लव और कुश ने वनवास के कठिन समय में भी धर्म, कर्तव्य और सच्चाई का पालन किया। उनकी वीरता का प्रमाण अश्वमेध यज्ञ के घोड़े को रोकने की कथा से मिलता है। उन्होंने समाजजनों से कहा कि कठिन परिस्थितियों में भी हमें अपने धर्म, कर्तव्य और सच्चाई का साथ कभी नहीं छोड़ना चाहिए।

पं. गोपीनाथ कविराज की जयंती पर किया गया याद

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भारतीय संस्कृति के महान दार्शनिक, पद्मविभूषण, महामहोपाध्याय पं. गोपीनाथ कविराज की जयंती पर नमन किया। इस मौके पर सीएम ने कहा कि कविराज ने गहन चिंतन और साधनाओं से भारतीय संस्कृति की आत्मा को न केवल व्याख्यायित किया, बल्कि उसे आधुनिक युग की आवश्यकताओं से जोड़ने का अनुपम कार्य भी किया। उल्लेखनीय है कि गोपीनाथ कविराज महान संस्कृत विद्वान, दार्शनिक एवं लेखक थे। उन्होंने बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में अध्यापन भी किया और संस्कृत साहित्य और दर्शन पर कई पुस्तकें लिखीं। उन्हें उनके कार्यों के लिए पद्म विभूषण और साहित्य अकादमी फेलोशिप सहित कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। भारत सरकार द्वारा उनके सम्मान में एक स्मारक डाक टिकिट भी जारी किया गया है।

बालाघाट और मंडला भाजपा जिला संगठन की टीम घोषित

विंस भोपाल। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने रविवार को बालाघाट भाजपा जिला संगठन की टीम की घोषणा कर दी है। इस टीम में सात उपाध्यक्ष,तीन महामंत्री,सात मंत्री सहित 27 कार्यकर्ताओं को अलग-अलग जिम्मेदारी सौंपी गई है। श्रीमती अनुपमा नेताम,नरेन्द्र भैरम और संजय मिश्रा को महामंत्री बनाया गया है,तो सुमित यादव को कार्यालय मंत्री बनाया गया है। इसी तरह मण्डला जिले की भी टीम की घोषणा कर दी गई है। जिलाध्यक्ष के अलावा 19 सदस्यीय टीम में तीन महामंत्री 8 उपाध्यक्ष और 7 जिला मंत्री बनाए गए है। पंडित सिंह धुर्वे,संतोष रजक और देवेन्द्र झा को महामंत्री बनाया गया है। अखिल सिहारे जिला कोषाध्यक्ष होंगे।

गाइडलाइन तोड़कर भाजपाई बने कांग्रेसियों को पद पाने की उम्मीद

पांच साल तक सक्रिय रहे कार्यकताओं को ही मिलना है संगठन और सरकारी पद , भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने दिए हैं निर्देश

विशेष संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश में कमलनाथ की सत्ता धराशायी होने के बाद भाजपा में शामिल हुए लाखों कांग्रेसियों की पद पाने की उम्मीदें धूमिल होने लगी है,क्योंकि भाजपा नेतृत्व ने साफ कर दिया है कि उन्हीं को प्रदेश की टीम में लिया जाएगा,जिन्होंने पिछले 5 साल तक पार्टी संगठन को मजबूत बनाने के लिए काम किया हो। गौरतलब है कि नाथ सरकार गिरने के बाद भाजपा ने कांग्रेस को मनोवैज्ञानिक तौर पर पूरी तरह तोड़ने के लिए ऐसे कार्यकर्ताओं को अपने दल में शामिल किया था,जो किसी न किसी वजह से कांग्रेस नेतृत्व से नाराज थे। इनमें कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल होने वाले 13 पूर्व विधायक और 3 पूर्व सांसद थे। इनमें अगर बड़े नामों पर गौर करें तो पूर्व केन्द्रीय मंत्री सुरेश पचौरी के अलावा धार के पूर्व सांसद गजेंद्र सिंह राजूखेड़ी, इंदौर के पूर्व विधायक संजय शुक्ला,कमलनाथ के वफादार माने जाने वाले पूर्व मंत्री दीपक सक्सेना, पिपरिया के पूर्व विधायक विशाल पटेल और चौरई (छिंदवाड़ा) से पूर्व विधायक गंभीर सिंह जैसे नेता शामिल हैं।

सिंधिया के इशारे पर सबसे ज्यादा आए

अगर कांग्रेस का हाथ छोड़ने वालों पर तब से अब तक नजर डाले,तो सबसे ज्यादा केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के समर्थक थे। उनकी अगुवाई में वर्ष 2020 में कांग्रेसियों ने जब पलटी मारी थी,तब उनमें 22 विधायकों ने एक साथ पाला बदला था। इनमें कई नेता तो सत्ता में हिस्सेदार बने हुए हैं, तो वही अन्य अब भी अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं।

नरोत्तम के कहने पर आए नेता भी निराश

भाजपा ने न्यू ज्वाइंनिग टीम का प्रभारी डॉ.नरोत्तम मिश्रा को बनाया था। जिनके द्वारा तब लगभग एक लाख से ज्यादा कांग्रेसियों को भाजपा की शामिल कराया गया था। इनमें से कई ग्वालियर चंबल संभाग से आते है। बताया जा रहा है कि अब ये नेता भी निराश होने लगे है। उनका कहना है कि जब तक डॉ. मिश्रा मजबूत नहीं होंगे,उन्हें पार्टी में कुछ बड़ा हासिल होगा,ये कठिन लग रहा है।

ये है भाजपा की गाइडलाइन

उल्लेखनीय है कि भाजपा के शीर्ष नेतृत्व से साफ कर दिया है कि पार्टी संगठन के पदों पर उन्हीं को बैठाया जाएगा,जिन्होंने कम से कम 5 साल तक सक्रियता और समर्पण के साथ पार्टी की सेवा की है। ऐसे में कांग्रेस से आए नेताओं और कार्यकर्ता अपने आप इन पदों की दौड़ से बाहर माने जा रहे है। हालांकि कुछ विशिष्ट नेताओं को बड़े नेताओं ने अपने प्रभाव के चलते जिम्मेदारी दिलाई है और ऐसे कुछ दूसरों को अभी भी उम्मीद है। लेकिन अधिकांश भाजपा की नई रणनीति के कारण अपने आपको ठगा सा महसूस कर रहे है।

दीपक सक्सेना

गजेंद्र सिंह राजूखेड़ी

सुरेश पचौरी

कांग्रेस के संपर्क में हैं नेता

सूत्रों की माने तो कुछ ऐसे नेता अब फिर से कांग्रेस में अपनी वापसी की संभावना टटोलने लगे है। इनमें से कुछ पूर्व विधायक है,तो कुछ पूर्व सांसद भी शामिल है। ऐसे ही एक नेता ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि अब उन्हें उम्मीद कम है,कि उनकी पूछ-परख होगी,क्योंकि भाजपा में पहले से ही ऐसे बड़े नेता है,जिन्हें संगठन में पद और सरकार की राजनीतिक नियुक्तियां पाने की दौड़ में शामिल है। ऐसे में उन्हें कौन पूछेंगा। ऐसे में हम तो अब घर वापसी का प्रयास करने लगे है।

करीबियों को ही निगम मंडल

भाजपा सूत्रों की माने तो केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया जैसे कद्दावर नेताओं के अति करीबियों को निगम मंडल और पार्टी संगठन में जिम्मेदारी दी जा सकती है। ऐसे कुछ दूसरे नेता भी अपने एक दो समर्थकों को इन पदों पर बैठा सकते है,लेकिन उनके कहने पर जिस बड़ी संख्या में वरिष्ठ नेताओं ने कांग्रेस को अलविदा कहा था,उन्हें पद मिलना मुश्किल माना जा रहा है।

संघ ने लगाया ब्रेक

हालांकि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ प्रत्यक्ष तौर पर भाजपा में किसी भी तरह की नियुक्तियों को निर्णयों पर हस्तक्षेप नहीं करता। लेकिन सूत्रों की माने कि आगामी समय में निगम और मंडल में नियुक्तियां को लेकर संघ ने अपनी बात को संगठन तक पहुंचाया है,जिसमें पार्टी की विचाराधारा से जुड़े और समर्पित मूल कार्यकर्ताओं को महत्व देने की बात कही गई है।

कांग्रेस का अनूठा प्रदर्शन,गडद्दे में लेटे कार्यकर्ता

विशेष संवाददाता, भोपाल। कांग्रेस ने रविवार को करौंद में गढ़ड़ोंयुक्त सड़क पर लेट कर प्रदर्शन किया। जिसमें आरोप लगाया कि राजधानी में ऐसी कोई भी सड़क नहीं है,जहां पर गढ़डे न हो।

करोंद सब्जी मंडी गेट पर हुए प्रदर्शन की अगुवाई करते हुए कांग्रेस नेता मनोज शुक्ला ने कहा कि भोपाल में 23 साल से भाजपा सरकार द्वारा किए जा रहे भ्रष्टाचार और लापरवाही के कारण पूरे शहर में चाँद की सतह जैसे गड्ढे हो गए है । ऐसा कोई गली-मोहल्ला या रोड नहीं जहाँ गड्ढे, जल जमाव और ट्रैफिक जाम की स्थिति ना हो । आम जनता सड़को पर हिचकोले खाते, गिरते पड़ते हुए भाजपा को कोसते हुए रेंग रही है । शुक्ला ने कहा कि करोड़ो रुपये खर्च करने बाद भी शहर की हालत बद से बदतर होती जा रही है, जनता का पैसा भारी भ्रष्टाचार के चलते भाजपा नेता और अधिकारियों की जेब में जा रहा है। इस दुर्दशा के विरोध में भोपाल के कई स्थानों पर दुर्घटनाओं में कई बेगुनाह अपनी जान से हाथ धो चुके हैं । इसीलिए आज अन्तरिक्ष यात्री बन सड़को पर बने गड्ढों में बैठकर गड्ढों का मुआयना किया और सभी गड्ढों पर भाजपा के निशान लगा कर भाजपा सरकार के भ्रष्टाचार और उनके नेताओं की लापरवाही उजागर की। इस अवसर पर विजेंद्र शुक्ला, दीपक दीवान, मुजाहिद सिद्दीकी, तारिक अली, मुकेश पंथी, अमित खत्री, प्रिंस नवांगे, शानू ख़ान, साद उस्मानी, मो आमिर, अमजद लाला, दर्शन कोरी, राहुल सेन, फ़रीज़ ख़ान, महेश मेहरा , सद्दाम पठान आदि मौजूद थे ।

किसानों की समस्या को लेकर सरकार निष्क्रियः पटवारी

विशेष संवाददाता, भोपाल। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा है कि मध्यप्रदेश में सबसे ज्यादा नशा बिक रहा है और इसका सबसे अधिक खामियाजा हमारी बहनों और माताओं को उठाना पड़ रहा है। किसानों की समस्याओं को लेकर भी सरकार निष्क्रिय है। उन्हें न तो खाद मिल रही है और न ही उनकी खराब हुई फसलों को मुआवजा ही मिल रहा है। पटवारी रविवार को दमोह में वोट चोर गद्दी छोड़ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने अपने जीवन में कभी सुपारी, पान, गुटखा, बीड़ी, सिगरेट तक का सेवन नहीं किया है, शराब तो दूर की बात है। सरकार इसकी जांच करा सकती है। यदि उनके शरीर में किसी भी तरह का नशे का लक्षण मिल जाए तो मैं राजनीति से इस्तीफा दे देंगे। पटवारी ने कहा कि मुझे यह भी पता है कि भोलेनाथ की भांग कहाँ से आती है, कौन देता है और कौन लेता है। पटवारी ने कहा कि अतिवृष्टि से खराब हुई किसानों का सर्वे नहीं कराया गया, बीमा की राशि का भुगतान नहीं कराया गया। यदि समय रहते किसानों को उचित मुआवजा नहीं मिला और यूरिया व डीएपी की व्यवस्था समय पर नहीं हुई, किसान आंदोलन करेंगे। मीडिया विभाग के अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री मुकेश नायक, विधायक लखन घनघोरिया, दमोह प्रभारी हर्ष यादव, नवनियुक्त जिला अध्यक्ष मानक पटेल, अजय टण्डन, सागर जिला अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह मोहासा, और नागरिक मौजूद रहे।

अनिरुद्धाचार्य के बयान के समर्थन में आईं साध्वी प्रज्ञा ठाकुर

विशेष संवाददाता, भोपाल। पूर्व सांसद साध्वी प्रज्ञा ठाकुर ने कथावाचक अनिरुद्धाचार्य के बयान का समर्थन करते हुए कहा है कि संस्कार नहीं मिलने पर जब लड़कियां स्कूल -कॉलेज जाती है तो कई बार वे अर्धनग्न रहती है। माताओं को बेटियों को मर्यादा सिखानी चाहिए,लेकिन साथ ही बेटों को भी यह शिक्षा दी जानी चाहिए। पूर्व सांसद का यह बयान सोशल मीडिया एक्स में शेयर किया गया है। जिसमें साध्वी वृंदावन में गौरी गोपाल आश्रम में कथावाचक अनिरुद्धाचार्य से मुलाकात की थी । उन्होंने अनिरुद्धाचार्य के लिव इन और 25 साल की उम्र वाले बयान का भी समर्थन किया। उन्होंने कहा कि आपने जो कहा वो समाज की स्थिति व्यक्त की है। आपने आपने से बनाकर नहीं बोला है। ऐसे परिदृश्य जब समाज में बढ़ने लगते हैं,तो दुराचार ऐसी ही अव्यवस्थाओं में बढ़ता है। माता-पिता संस्कार नहीं दे पाते। उनकी पाश्चात्य सोच का परिणाम है कि स्कूल-कॉलेज में भी लड़कियां जाएंगी,तो अर्धनग्न रहती हैं। प्रज्ञा ने कहा कि माताओं को बेटिों और बेटों को मर्यादा सिखाना चाहिए। दोनों को घोर पर आने का समय पूछना चाहिए। पाश्चात्य सोच बढ़ने के कारण लिन इन रिलेशन होता है। कोर्ट कहे या कोई भी कहे,ये मर्यादाएं सनातन में नहीं आती हैं। हम इसका समर्थन करते है और कोई कितना भी बंवडर करे वह होगा। साध्वीं ने कहा कि भारत की अध्यात्म से लोग आकृष्ट हो रहे हैं,लेकिन वो पाश्चात्य सभ्यता हमारे यहां पनप रही हैं। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण अवस्था है।

पोर्टल पर फीस की जानकारी अपलोड करनी होगी निजी विद्यालयों को

विशेष संवाददाता, भोपाल। प्रदेश सरकार ने निजी विद्यालयों से कहा है कि उन्हें पोर्टल में अपने यहां की फीस की जानकारी अपलोड करनी होगी। साथ ही उन्हें छात्रों की किताबें,गणवेश और अन्य शैक्षणिक सामग्री की भी जानकारी देनी होगी।

इस संबंध में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा आदेश जारी किया गया है। बताया गया है कि आदेश में प्रदेश में जिन विद्यालयों की किसी भी कक्षा की वार्षिक फीस संरचना 25 हजार रूपये या उससे कम है, उन्हें फीस संरचना की जानकारी पोर्टल पर अपलोड करने से मुक्त रखा गया है। बताया गया है कि इन विद्यालयों को इस संबंध में पोर्टल पर शपथ पत्र अपलोड करने की निर्धारित तिथि भी दी गई थी। ऐसे विद्यालय जो समय-सीमा की जानकारी अपलोड नहीं करेंगे उनके विरूद्ध जिला समिति द्वारा कानूनी कार्यवाही की जाएगी। प्रदेश में निजी विद्यालयों के विरूद्ध प्राप्त होने वाली शिकायतों के निराकरण के लिये कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला समिति भी कार्य कर रही है। विभाग की जानकारी के अनुसार आदेश के परिपालन में राज्य में इस वर्ष करीब 10 हजार 200 निजी विद्यालयों द्वारा पोर्टल पर फीस का विवरण अपलोड किया जा चुका है।इसके अलावा किताबें, यूनिफॉर्म, टाई एवं कॉपियों पर किसी विशेष दुकान से क्रय नहीं किये

जाने संबंधित नियम भी लागू है।इन नियमों में वर्णित प्रावधानों के तहत निजी विद्यालयों में उपयोग की जाने वाली स्टेशनरी, पठन सामग्री, बैग, यूनिफॉर्म, स्पार्ट्स किट, ट्रासपोर्ट सुविधा और फीस से संग्रहित की जाने वाली राशि का विवरण विद्यालय के नोटिस बोर्ड पर तथा अधिकारिक वेबसाइट पर प्रदर्शित करने के निर्देश भी है। इसी के साथ निजी विद्यालय प्रबंधन द्वारा कक्षा वार एवं मद वार आगामी सत्र की प्रस्तावित फीस संरचना को स्कूल शिक्षा विभाग के फीस विनियमन पोर्टल पर अपलोड करना अनिवार्य किया गया है।

बीयू तीन दर्जन विषयों में पीएचडी कराने देगा दाखिले

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। बरकतउल्ला विश्वविद्यालय साल में दूसरी बार अकादमिक सत्र 2025-2026 के लिए यूजीसी नियमों के अनुसार पीएचडी की सीटों पर प्रवेश देगा। बीयू 36 विभिन्न विषयों की सीटों पर शोधार्थियों का चयन करेगा। यूजीसी नेट/सीएसआईआर नेट व जेआरएफ स्कोर कार्ड धारक सोमवार से सात नवंबर तक ऑनलाइन आवेदन जमा होंगे। बीयू साल में दूसरी बार पीएचडी के प्रवेश कराने जा रहा है। प्रक्रिया यूजीसी नियमों के अनुसार होगी। पहले चरण में दो हजार 200 से अधिक सीटों में से एक हजार सीटों पर प्रवेश हो चुके हैं। गाइड उपलब्ध नहीं होने के कारण दूसरे चरण में अरबी और फारसी विषयों को हटा दिया गया है। गाइड जुड़ने पर इन विषयों को शामिल किया जा सकेगा। शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए प्रवेश प्रक्रिया विश्वविद्यालय के अध्यादेश-11 और यूजीसी विनियमन 2022 के तहत संचालित की जाएगी। पीएचडी प्रवेश से संबंधित किसी भी प्रकार की लिखित सूचना उम्मीदवारों को उपलब्ध नहीं कराई जाएगी। इसलिए उम्मीदवारों को

विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर नियमित रूप से अपडेट की जांच करते रहने की सलाह दी गई है। आवेदन से पूर्व सूचना पुस्तिका और संबंधित नियमावली को ध्यानपूर्वक अध्ययन करने का सुझाव दिया गया है।

तीन श्रेणी में होंगे प्रवेश

इस वर्ष की प्रवेश प्रक्रिया में विशेष रूप से ध्यान देने योग्य बात यह है कि यूजीसी के नए दिशा-निर्देशों के अनुसार नेट परीक्षा में योग्यता के आधार पर उम्मीदवारों को तीन अलग-अलग श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है। श्रेणी-1 के उम्मीदवारों को जेआरएफ के साथ पीएचडी और असिस्टेंट प्रोफेसर पद के लिए योग्य माना जाएगा, जबकि श्रेणी-2 के उम्मीदवार बिना जेआरएफ के पीएचडी और असिस्टेंट प्रोफेसर पद के लिए पात्र होंगे। श्रेणी-3 के उम्मीदवार केवल पीएचडी प्रोग्राम के लिए ही योग्य माने जाएंगे। सामान्य वर्ग के लिए आवेदन फीस 2500 रुपए, जबकि एसटी/ एससी/ ओबीसी/ दिव्यांग जन, ईडब्ल्यूएस की फीस 1000 रुपए निर्धारित है।

70 फीसदी का होगा टेस्ट

जेआरएफ वाले छात्रों को इंटरव्यू के आधार पर प्रवेश मिलेगा और उन्हें असिस्टेंट प्रोफेसर की पात्रता भी होगी। नेट क्वालिफाई पर जेआरएफ नहीं होने वाले और अन्य श्रेणी के अभ्यर्थियों को पीएचडी प्रवेश के लिए टेस्ट 70 फीसदी और इंटरव्यू 30 फीसदी पर चयनित किया जाएगा। बीयू प्रशासन ने स्पष्ट किया कि अब साल में दो बार प्रवेश होंगे, ताकि नेट ववालिफाई छात्रों को समय पर अवसर मिल सके। पीएचडी 35 से अधिक विषयों में होगी, जिनमें अंग्रेजी, समाजशास्त्र, हिंदी, संस्कृत, अर्थशास्त्र, रसायनशास्त्र, कंप्यूटर साइंस, भौतिकी, बॉटनी, माइक्रोबायोलॉजी, जूलॉजी, कॉमर्स और लॉ शामिल हैं।

विडंबना

सरकार मुहिम चलाकर खदेड़ रही झोला छाप डॉक्टरों को, प्राइवेट प्रैक्टिस करने दर्ज होगा दंडनीय अपराध

हिंदी विश्वविद्यालय सालाना बना रहा 15 हजार नीम हकीम

झोलाछाप डाक्टरों की तरह चल रहे कोर्स पर आयुष विभाग की नजर

विकास कुमार जैन, भोपाल। अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय ने पांच साल पहले शुरू कराए प्राथमिक चिकित्सा विशेषज्ञ पत्रोपधि, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा पत्रोपाधि, प्राकृतिक फार्मा पत्रोपाधि कोर्स को लेकर प्राइवेट प्रैक्टिस से बाहर कर दिया है। जबकि प्रवेश देने के लिए हिंदी विश्वविद्यालय ने अपने विज्ञापन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रोजगार एवं स्वरोजगार का सपना दिखाकर नीम हकीम और छोलाछाप डाक्टरों को महज 25 हजार की फीस पर बाकायदा एक साल का जिक्र किया गया था। इसमें जिन नीम-हकीम को खतरा-ए-जान कहा जाता है और जिन झोलाछाप डाक्टरों से लोग तौबा करते हैं। उन्हें हिंदी विश्वविद्यालय अजब गजब कोर्स करा रहा है। जबकि सरकार उन्हें मुहिम चलाकर खदेड़ रही है और

हिंदी विवि वर्तमान सत्र में भी प्रवेश देने में लगा हुआ है। जबकि चार माह पहले तत्कालीन रजिस्ट्रार शैलेंद्र जैन ने उक्त कोर्स पर प्रवेश देने पर इंकार किया था। यहां तक उन्होंने एसीएस अनुपम राजन को भी उक्त कोर्स में प्रवेश नहीं होने संबंधी सूचना भी भेजी है। इसके बाद तत्कालीन कुलगुरु खेमसिंह डेहरिया ने रजिस्ट्रार जैन को कार्यमुक्त कर प्रो राजीव वर्मा को रजिस्ट्रार का प्रभार देकर नोटिफिकेशन जारी करा दिया। उक्त कोर्स के संचालन को लेकर चैतरफा शिकायतें हो चुकी हैं।

किसने ने दी कोर्स चलाने की मंजूरी

आयुष विभाग ने हिंदी विश्वविद्यालय को पत्र भेजकर पूछा है कि प्राथमिक चिकित्सा विशेषज्ञ पत्रोपधि, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा पत्रोपाधि, प्राकृतिक फार्मा पत्रोपाधि कोर्स का संचालन किया है तथा उक्त कोर्स में प्रवेश के लिए योग्यता 12वीं, स्नातक, स्नातकोत्तर और कोर्स की अवधि एक वर्ष है। उक्त कोर्स का संचालन आयुष विभाग द्वारा नहीं किया जा रह है। उक्त कोर्स में प्रवेश और मान्यता संबंधी कोई कार्रवाई भी विभाग द्वारा नहीं की जाती हैं। अता विवि कितने वर्षों से उक्त कोर्सों का संचालन कर रहा है और कितनी सीटों पर प्रवेश दिया जा रहा है। यहां तक उक्त कोर्स को संचालित करने की मान्यता आपको कहां से प्रदान की गई है। इसकी संपूर्ण जानकारी विभाग को दस्तावेजों के साथ भेजी जाए। विभाग का पत्र मिलते ही विश्वविद्यालय के अधिकारियों के हाथ पैर फूल गए हैं। उनके पास विभाग के पत्र का कोई जवाब नहीं है।

डिप्लोमा करना हुआ अपराध

गत माह तत्कालीन रजिस्टार प्रो राजीव वर्मा ने आदेश जारी करते हुए कहाकि विश्वविद्यालय के अध्ययन केन्द्रों में प्राथमिक चिकित्सा उपचार में पत्रोपाधि, आधारभूत स्वास्थ्य संरक्षण में स्नातकोत्तर पत्रोपाधि/पत्रोपाधि तथा इलेक्ट्रो होम्योपैथी में पत्रोपाधि कोर्स संचालित किए जा रहे हैं। उक्त कोर्स जन-जागरुकता तथा ज्ञानवर्धन के उद्देश्य से संचालित किए जा रहे हैं। उक्त कोर्स में पत्रोपाधि, स्नातकोत्तर पत्रोपाधि प्राप्त करने वाले अभ्यर्थी चिकित्सा क्षेत्र में स्वतंत्र रूप से प्राइवेट प्रैक्टिस अथवा जन सामान्य की चिकित्सा (ईलाज) करने हेतु पात्रता नहीं रखते हैं। यदि ऐसे डिप्लोमाधारी पीजी डिप्लोमाधारी शहरी अथवा ग्रामीण क्षेत्रों में नागरिकों की बीमारी का ईलाज चिकित्सा में स्वतंत्र रूप से संलग्न पाए जाते हैं, तो यह एक दंडनीय अपराध की श्रेणी में आयेगा। उक्त निर्देशों का पालन नहीं करने पर यदि कोई भी अप्रिय स्थिति उत्पन्न होती है, तो इसके लिए विश्वविद्यालय प्रशासन उत्तरदायी नहीं होगा।

डिप्लोमा में दिए जाने वाले आवश्यक प्रशिक्षण

- मानव शरीर विज्ञान तथा क्रिया विज्ञान का आधारभूत प्रशिक्षण।
- स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण का प्रशिक्षण।
- सामान्य, संक्रामक एवं जीवन शैली संबंधित रोगों सहित आपातकालीन स्थिति में किए जाने वाले उपायों तथा रोगों की रोकथाम का प्रशिक्षण।
- प्राथमिक उपचार, औषधि विज्ञान तथा दवाओं के दुष्प्रभावों का व्यावहारिक प्रशिक्षण तथा ग्रामीण क्षेत्रों, अस्पतालों, नर्सिंग होमों तथा स्वास्थ्य केन्द्रों आदि में जन समुदाय को उपयुक्त देखरेख सेवा उपलब्ध कराने का प्रशिक्षण।
- परिवार नियोजन तथा टीकाकरण सहित मातृत्व व बाल स्वास्थ्य पर स्वास्थ्य और आपातकालीन स्थितियों में उपयुक्त प्राथमिक उपचार प्रदान करने का प्रशिक्षण।

200 से शुरू होकर 35 पर सिमटे सेंटर

हिंदी विवि ने जब कोर्स शुरु किया था। तब प्रदेश में 200 केंद्रों पर कोर्स शुरु किए। केंद्रों ने धड़ल्ले से 400-400 विद्यार्थियों को कोर्स में प्रवेश दिए थे। प्रथम बैच में करीब 80 हजार विद्यार्थी डिप्लोमा लेकर निकल गए। शासन की सख्ती के बाद आज प्रदेश में 35 केंद्र ही बचे हैं, जिसमें करीब 15 हजार सीटें हैं। अभी तक विवि करीब दो लाख विद्यार्थियों को उक्त डिप्लोमा दे चुका है।

"मेरे तत्कालीन कुलगुरु से कोर्स में प्रवेश देने से मना किया था। तब मुझे कार्यमुक्त कर दिया गया और प्रभारी रजिस्ट्रार से नोटिफिकेशन जारी करा दिया गया है। उक्त कोर्स में प्रवेश नहीं देने के लिए शासन को भी पत्र भेजा गया है।

● **शैलेंद्र कुमार जैन**
कुलसचिव, हिंदी विवि

"हां, हमने पत्र लिखकर विश्वविद्यालय से पूछा है कि वह किस आधार पर विभिन्न पत्रोपाधि कोर्स का संचालन कर रहे हैं। अभी तक विवि की ओर से इस पत्र का जवाब नहीं दिया गया है।

● **उमा महेश्वरी,**
आयुक्त आयुष विभाग

अभियंता दिवस पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी और ठेकेदार होंगे पुरस्कृत

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। लोक निर्माण विभाग में प्रदेश के चौतरफा निर्माण कार्य चल रहे हैं। इसे लेकर विभाग ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों और ठेकेदारों को पुरस्कृत करने की योजना बनाई है। इसके तहत 15 सिंतबर को अभियंता दिवस पर तीन इंजीनियर को पुरस्कृत किया जाएगा। पुरस्कार लेने के लिए पीडब्ल्यूडी में अधिकारी और ठेकेदारों द्वारा दो सितंबर तक काफी संख्या में आवेदन जमा किए गए। उनकी स्क्रूटनी कर ली गई है। इसके बाद चयन समिति जमा आवेदनों का अधिकारी और ठेकेदारों को तीन प्रकार के पुरस्कार से पुरस्कृत करने के लिए चयनित किया गया है। उनकी सूची तैयार कर शासन को भेजी जाएगी। यहां से स्वीकृति मिलने के बाद अधिकारी और ठेकेदारों को 15 सितंबर को पुरस्कृत किया जाएगा। इसमें मोक्षगुण्डम विश्वेश्वरैया पुरस्कार श्रीमती बबिता सोनेकर कार्यपालन यंत्री मंदसौर संभाग, जो वर्तमान में ईई संभाग धर में हैं। इसी तरह संजीव कालरा असिस्टेंट इंजीनियर रीवा को पुरस्कृत किया जाएगा। विश्वकर्मा पुरस्कार जेपी इंफ्रास्ट्रक्चर गुजरात को दिया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

महिला ठेका श्रमिक की सड़क हादसे में मौत

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। टीटीनगर इलाके में एक महिला की सड़क हादसे में मौत हो गई। वह अरेरा हिल्स स्थित निर्वाचन भवन में बतौर ठेका श्रमिक काम करती थी। पुलिस ने पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस टक्कर मारने वाले वाहन की पहचान में जुटी है। पुलिस की मुताबिक, 48 वर्षीय आशा वर्मा पति मनोज वर्मा झरनेश्वर कॉलोनी के पीछे बाणगंगा में रहती थी। गत 30 अगस्त को आशा आफिस से घर जा रही थीं। दोपहर करीब डेढ़ बजे वह पैदल जवाहर चौक से नीचे की ओर जा रही थीं। तभी उन्हें किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे के बाद उनके बच्चे उन्हें लेकर जेपी अस्पताल पहुंचे। जहां से उन्हें हमीदिया रेफर कर दिया। हमीदिया अस्पताल में इलाज के दौरान शनिवार देर शाम उन्होंने दम तोड़ दिया। पुलिस इलाके में लगे सीसीटीवी खंगाल रही है, हालांकि घटनास्थल के आसपास कोई कैमरे नहीं लगे हैं। इधर, मिसरोद इलाके के समरधा के पास बाइक सवार अर्जुन सिंह तवर (54) निवासी राजीव नगर, रायसेन की भी सड़क हादसे में मौत हो गई। शनिवार रात करीब साढ़े 9 बजे अर्जुन मंडीदीप जा रहे थे, तभी किसी अज्ञात वाहन ने पीछे से उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में अर्जुन की मौके पर ही मौत हो गई। वह निजी काम करते थे। पुलिस ने दोनों मामलों में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

डेंटल कॉलेज के स्टूडेंट ने छात्रा से किया दुष्कर्म

जागरण,भोपाल। मिसरोद इलाके में शादी का झांसा देकर छात्रा से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पुलिस ने युवक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 19 वर्षीय छात्रा थाना क्षेत्र में रहकर साइकॉलोजी की पढ़ाई करती है और पार्ट टाइम प्राइवेट जॉब भी करती है। पीड़िता और आरोपी दोनों एक जिले के रहने वाले हैं। चार साल पहले छात्रा की मुलाकात आरोपी समर्थ भावसार से एक कोचिंग क्लास में हुई थी। जो भोपाल के डेंटल कॉलेज का स्टूडेंट है। इसके बाद दोनों के बीच हुई बातचीत जल्द ही प्रेम- प्रसंग में बदल गई। अप्रैल महीने में आरोपी ने युवती से शादी करने की बात कही। युवती के हामी भरने के बाद आरोपी भावसार मिसरोद स्थित एसआर होटल में बुलाया। जहां उसने साथ दुष्कर्म किया। करीब पांच महीने तक आरोपी छात्रा का शारीरिक शोषण करता रहा। इसके बाद जब युवती ने शादी के लिए दबाव बनाया तो आरोपी ने मना कर दिया। परेशान युवती ने थाने में उसके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई।

आज मिंटो हाल में बीयू का दीक्षांत समारोह

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। बरकतउल्ला विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह सोमवार की सुबह कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर (मिंटो हाल) में आयोजित होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता राज्यपाल मंगुभाई पटेल करेंगे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शिरकत करेंगे। वहीं उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे। इस दौरान कुलगुरु प्रो सुरेश कुमार जैन और कुलसचिव डॉ. अनिल शर्मा उपस्थित रहेंगे। सत्र 2023-24 के विद्यार्थियों को यूजी-पीजी और पीएचडी की डिग्री प्रदान करेगा। इसमें शामिल होने के लिए करीब 115 विद्यार्थियों ने पंजीयन कराया है। वहीं सत्र में प्रथम स्थान हासिल करने वाले विद्यार्थियों को 27 गोल्ड मेडल दिए जाएंगे। इसमें 22 गोल्ड मेडल और पांच मेडल प्रायोजित हैं। छात्रों को सफेद कुर्ता-पजामा और छात्राओं को सफेद सलवार-कुर्ती या क्रीम कलर की साड़ी पहनकर आना होगा।

मूर्ति विसर्जन के बाद तालाब से बांस इकट्ठा कर ट्री गार्ड बनाएगा निगम

निगम अधिकारियों का दावा 24 घंटे में साफ कर दिए जाएंगे सभी बड़े घाट

जागरण संवाददाता, भोपाल। गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन के बाद नगर निगम का सफाई अमला भोपाल के स्थाई 8 घाटों की सफाई करने की योजना में जुट गया है। अमले ने साफ-सफाई को लेकर योजना बना ली है। अधिकारियों की मानें तो विसर्जन के रुकते ही 24 घंटे के अंदर इन सभी घाटों की 100 फीसदी सफाई कर ली जाएगी। साथ ही विसर्जन से प्राप्त रिसाइकल योग्य उत्पादों से ट्री गार्ड, खाद और अगरबत्ती बनाए जाने की योजना है। सभी उत्पादों को 100 फीसदी रिसाइकल किए जाने की योजना है। शनिवार से जारी गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन रविवार रात तक जारी रहा, जिसके रुकते ही सफाई अमले ने घाट और कुंडों को साफ करने की तैयारी में जुट गया। योजना के मुताबिक प्रतिमाओं के अवशेषों को इकट्ठा कर इनसे निकलने वाले बांसों से ट्री गार्ड बनवाए जाएंगे। वहीं विसर्जन के पूर्व कुंडों में डाले गए फूल और अन्य पूजन सामग्री से घरों में उपयोग के लिए अगरबत्ती, धूप और खाद बनाए जाने की तैयारी है। बता दें कि नगर निगम द्वारा शहर के तालाबों को संरक्षित करने के लिए हर साल गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन के बाद तेजी दिखाते हुए 24 घंटें में शहर के तालाबों और घाटों सहित कुंडों की सफाई कर दी जाती है।

पौधरोपण वाली जगहों पर लगाए जाएंगे ट्री गार्ड

निगम द्वारा शहर की आबोहवा को सुधारने के लिए पूरे शहर में कई जगहों पर पौधरोपण करवाकर सिटी फॉरेस्ट तैयार करवाए जा रहे हैं। इन पौधों को जानवरों से बचाने के लिए निगम द्वारा ट्री गार्ड भी लगाए जाते हैं। ऐसे में नगर निगम ने प्रतिमाओं से निकले बांस से ही ट्री गार्ड बनवाने की तैयारी की है। निगम द्वारा तैयार इन ट्री गार्ड से निगम को बचत होती है।

इकट्ठा हुए 10 टन फूल

गणेश विसर्जन के दौरान विभिन्न घाटों पर लगभग 10 टन से ज्यादा फूल इकट्ठा हो चुके हैं। अब नगर निगम द्वारा इनसे अगरबत्ती और खाद बनाए जाने की तैयारी है। वहीं घाट से निकली पूजन सामग्री का उपयोग भी खाद बनाने के लिए किया जाएगा। शहर में खटलापुरा, प्रेमपुरा, संत हिरदाराम नगर, हथाईखेड़ा डैम, समरधा और रानी कमलापति घाट पर प्रतिमाओं का विसर्जन किया जाता है।

> प्रतिमाओं के विसर्जन के बाद घाटों की तेजी से सफाई की जा रही है। एक दिन में ही सारे घाटों और तालाबों को साफ करा लेंगे। बांस से ट्री गार्ड और फूलों से खाद बनाने की भी तैयारी की गई है।
> ■ **मालती राय**, महापौर

अस्थाई कुंडों में 44 हजार से ज्यादा छोटी प्रतिमाओं का विसर्जन, 12 घंटे में निकाली 1250 बड़ी मूर्तियां

तालाब में हानिकारक केमिकल न मिलें, रोकने में जुटा रहा निगम का स्वच्छता अमला

जागरण संवाददाता, भोपाल। शहर में शनिवार से जारी गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन के बीच नगर निगम के झील संरक्षण प्रकोष्ठ ने 3.5 फीट तक की 44810 छोटी प्रतिमाओं का विसर्जन तालाब में होने ही नहीं दिया। नगर निगम द्वारा शहर के 33 इलाकों में सीमेंटेड टैंक रखकर अस्थाई कुंड और घाट बनाए गए थे। इसके अलावा 8 विसर्जन घाटों पर 1250 बड़ी प्रतिमाओं का विसर्जन भले ही तालाब के पानी में किया गया हो, लेकिन इन्हें 12 घंटे के भीतर ही निकाल कर रिसाइकल कर लिया गया। इससे तालाब में मूर्तियों से निकलने वाले हानिकारक केमिकल नहीं मिल सके जिससे तालाब का पानी प्रदूषित होने से बच गया। दूसरी ओर रिसाइकल मूर्तियों से निकली सामग्री का उपयोग निगम विभिन्न कार्यों में करेगा। इस बार विसर्जन के लिए 12 क्रेन के अलावा 16 पोकलेन मशीन और 25 विसर्जन वाहनों का भी उपयोग किया गया। इसके अलावा जोन में भी 21 विशेष वाहनों की व्यवस्था नगर निगम द्वारा की गई थी।

इन जगहों पर हुआ प्रतिमाओं का विसर्जन

घाट का नाम	बड़ी प्रतिमा	छोटी प्रतिमा
प्रेमपुरा	348	9404
रानी कमलापति	165	2270
खटलापुरा	171	8910
शाहपुरा	145	1910
बैरागढ़	115	1525
मालीखेड़ी	130	2830
हथाईखेड़ा	136	2850
समरधा	40	250

छोटी प्रतिमाओं के लिए घाटों के पास भी रखवाए कुंड

इस बार निगम ने आठ विसर्जन घाटों के पास अस्थाई कुंड रखवाए थे। इन कुंडों में भी लोगों ने 29949 प्रतिमाओं का विसर्जन किया। इसके अलावा शहर में 33 स्थानों पर रखवाए गए कुंडों में भी 14861 प्रतिमाओं का विसर्जन करवाया गया। विसर्जन के दौरान सभी रीति रिवाजों का पालन किया गया।

छठवीं सीएलसी में आज होंगे 21 कोर्स में पंजीयन और कल मिलेंगे दाखिले

इंजीनियरिंग और एमबीए में हजारों की संख्या में रिक्त हैं सीटें

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। तकनीकी शिक्षा विभाग सोमवार को छठवीं सीएलसी में पंजीयन कराएगा। मंगलवार को विद्यार्थी कालेज पहुंचकर प्रवेश लेंगे। इंजीनियरिंग, एमबीए, बीबीए, बीसीए सहित 21 कोर्स में प्रवेश लेंगे। प्रदेश में सभी कोर्स की दो लाख 71 हजार सीटें हैं। इसमें से अभी तक डेढ लाख विद्यार्थियों के प्रवेश हो चुके हैं। इंजीनियरिंग में सबसे ज्यादा सीटें 74 हजार 722 सीटें हैं, जिसमें 45 हजार 700 विद्यार्थियों के प्रवेश हुए हैं। वर्तमान में 29 हजार सीटें खाली हैं। वहीं एमबीए की 57 हजार सीटों में से 30 हजार 800 सीटों पर विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है। अभी भी करीब 26 हजार सीटें रिक्त हैं। रिक्त सीटें पर प्रवेश कराने के लिए विभाग छठवीं सीएलसी करा रहा है। इसके पहले हुई पांचवी सीएलसी में पांच हजार से सबसे ज्यादा विद्यार्थियों के प्रवेश हुए थे। इसमें सबसे ज्यादा करीब दो हजार प्रवेश एमबीए और इंजीनियरिंग में करीब एक हजार प्रवेश हुए थे। छठवीं सीएलसी में सीटें रिक्त होने पर विभाग सातवीं और अंतिम सीएलसी करेगा, जो दस से 15 सितंबर तक आयोजित होगी। इसमें विद्यार्थी पंजीयन कराने के बाद 15 सितंबर तक ही प्रवेश ले पाएंगे। वर्तमान में एमपी बोर्ड, संस्कृत बोर्ड की परीक्षाओं रिजल्ट जारी हो गए हैं। इससे काफी विद्यार्थियों को राहत मिलेगी। यहां तक कालेजों को अच्छी संख्या में विद्यार्थियों के प्रवेश भी मिल पाएंगे।

पांचवी सीएलसी हुए प्रवेश

विभाग पांचवी सीएलसी में प्रवेश में पांच हजार 107 विद्यार्थियों को प्रवेश दे सका है। इसमें सबसे ज्यादा एक हजार 920 प्रवेश एमबीए में हुए हैं। वहीं 985 विद्यार्थियों ने बीटेक में प्रवेश लिया है। इसके अलावा यूजीसीएम 750, पीपीटी 590, बीबीए 750, बीसीए 329, एमसीए 155, एमटेक 200 और डीप्रोफ में तीन विद्यार्थियों को प्रवेश लिया है।

पीएमसीओई से हटाए जाएंगे प्राचार्य बने जूनियर्स

हाईकोर्ट ने जारी किए आदेश, काउंसलिंग कर 72 कालेजों का विकल्प देगा उच्च शिक्षा विभाग

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल । प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस (पीएमसीओई) में प्राचार्यों की नियुक्ति के मामले में उच्च शिक्षा विभाग को हाईकोर्ट ने बड़ा झटका दिया है। विभाग ने 72 पीएमसीओई कॉलेजों में पदस्थ प्रभारी प्राचार्यों को हटाकर जूनियर को प्राचार्य बना दिया था। मप्र हाईकोर्ट के जस्टिस विवेक जैन ने डॉ. यशवंत कुमार मिश्रा व डॉ. मंजू शर्मा की याचिका पर प्रभारी प्राचार्य के पद पर जूनियर प्रोफेसर को हटाने के आदेश दिए हैं। हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि नियुक्ति में वरिष्ठता की अनदेखी नहीं की जाए। किसी भी कॉलेज में यदि पहले से वरिष्ठ प्रोफेसर पदस्थ है, तो ऐसी स्थिति में किसी जूनियर प्रोफेसर को प्रभारी प्राचार्य बनाकर नहीं भेजा जाए। कोर्ट ने आदेश में कहा कि जिन कॉलेजों में सीनियर प्रोफेसर प्रभारी प्राचार्य के रूप में कार्य कर रहे हैं। विभाग द्वारा प्राचार्यों की नियुक्ति के लिए प्रोफेसरों को सिर्फ दो कालेजों का विकल्प दिया गया है। वह गलत है। ये प्रक्रिया विभाग को तीस दिन में पूरी करना है।

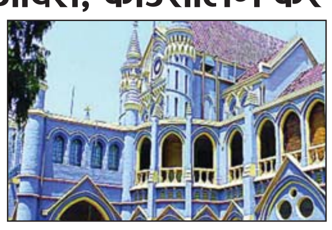

दो कालेजों का था विकल्प

याचिकाकर्ता ने यह भी कहा कि प्रारंभिक योजना दिनांक आठ जुलाई 2024 और पांच अगस्त 2024 को बनाई गई थी। उन्होंने अपने विकल्प दिए, लेकिन चुने गए दो कालेजों में उन्हें स्थान नहीं मिला। उनका तर्क है कि यदि उन्हें पसंद कालेज नहीं मिल पाए, तो परामर्श (काउंसलिंग) की प्रक्रिया अपनाई जानी चाहिए थी, ताकि उनसे कम अंक पाने वालों को कालेज आवंटित न हो। कोर्ट को बताया गया कि प्रभारी प्राचार्य के पास दस साल का शैक्षणिक अनुभव भी नहीं हैं। पीएमसीओई में प्राचार्य पद की नियुक्ति में पारदर्शिता नहीं रखी गई।

नियुक्ति में नहीं रखी पारदर्शिता

साल 2024 में 67 सरकारी कॉलेजों को पीएमसीओई बनाने का निर्णय लिया गया। इसमें तय किया गया कि प्रिंसिपल फैकल्टी की नियुक्ति विभाग साक्षात्कार कर मेरिट तैयार किया जाएगा। याचिकाकर्ता डॉ. मंजू शर्मा होम साइंस जीजा बाई कालेज इंदौर और यशवंत कुमार मिश्रा रसायन पीजी कालेज रतलाम में प्रभारी प्राचार्य के रूप में पदस्थ थे। उन्होंने आरोप लगाए हैं कि पीएमसीओई में पदस्थापना के लिए चयन प्रक्रिया में भाग लिया था, लेकिन उनकी उम्मीदवारी को अनदेखी दिया गया। उनके जूनियर को सीधी भर्ती होने के कारण प्राचार्य के रूप में पदस्थ कर दिया गया है। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता ने यह तर्क दिया कि मूल्यांकन के लिए गलत मानदंड अपनाए गए। उन्होंने कहा कि मप्र लोक सेवा (पदोन्नति) नियम, 2002 के नियम 7(9) के अनुसार, न्यूनतम अंक सीमा (बेंचमार्क) तय होनी चाहिए थी और जो भी उम्मीदवार उस सीमा को पार कर ले। उसके बाद वरिष्ठता के आधार पर पदस्थापना की जानी चाहिए थी, लेकिन इस मामले में वरिष्ठता को अनदेखा कर केवल अंकों को महत्व दिया गया।

विभाग को हाईकोर्ट से फटकार

कोर्ट ने कहा कि इस पर शासन की तरफ से ये अंडरटेकिंग दी गई थी कि इस प्रक्रिया में प्रोफेसर की वरिष्ठता की अनदेखी नहीं की जाएगी, लेकिन शासन ने नियुक्ति का जो मॉडल तैयार किया, उसमें ये विसंगति देखने को मिल रही है, जिसमें जूनियर को प्रभारी प्राचार्य बनाया गया।

हाईकोर्ट के निर्देश

हाईकोर्ट ने विभाग को आदेश देते हुए कहाकि याचिकाकर्ता को मनपसंद कॉलेज न मिले और वह उस कॉलेज में नहीं जाना चाहते जहां पोस्टिंग मिले, तो उन्हें किसी अन्य कॉलेज में पदस्थ किया जाए, या फिर वर्तमान कॉलेज में उनसे वरिष्ठ व्यक्ति को प्राचार्य बनाया जाए।

तर्पण देने गए दादा की नदी में डूबने से मौत, पोती की तलाश जारी

पोती को डूबते देख पानी में कूदे थे दादा, बहाव तेज होने के कारण बहे, बाह नदी बैरसिया इलाके की घटना

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। पितरों को पानी यानी तर्पण देने गए दादा की नदी में डूबने से मौत हो गई। जबकि पोती लापता हो गई। एसडीआरएफ की टीम उसे तलाश रही है। पोती को पानी में डूबते देख दादा नदी में कूदे थे। तेज बहाव के कारण दोनों बह गए। करीब साढ़े छह घंटे बाद दादा का शव घटनास्थल से आधा किमी दूर मिला। घटना बाह नदी बैरसिया थाना इलाके की है। पुलिस ने पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है।

बैरसिया थाना प्रभारी वीरेंद्र सेन ने बताया कि 70 वर्षीय बाबूलाल साहू खजुरिया रामदास गांव में रहते थे। वह खेती किसानी करते थे। रविवार से पितर पक्ष शुरू होने पर वह पोती चिंकी (12) व पोते को लेकर गांव से निकलने वाली बाह नदी में तर्पण देने गए थे। तीनों सुबह करीब 9 बजे नदी में नहा रहे थे। दादा व पोता बाहर आ गए। तभी पोती चिंकी नदी में डूबने लगी। पोती को डूबता देख दादा पानी में कूद गए। पानी का तेज बहाव था। इससे दादा व पोती दोनों पानी में बह गए। इधर, पोते ने चीख-पुकार की तो गांव के अन्य लोग आ गए। सूचना मिलते पुलिस और प्रशासन के लोग पहुंच गए। सडीआरएफ की टीम ने रेस्क्यू शुरू किया।

झाड़ियों में फंसा मिला शव

करीब साढ़े छह घंटे की मशक्कत के बाद घटनास्थल से आधा किमी दूर दादा का शव मिला। वह झाड़ियों में फंसा था। जबकि पोती का कोई सुराग नहीं लगा। दिनभर एसडीआरएफ की टीम उसकी तलाश में जुटी रही। देर शाम सात बजे तक बच्ची नहीं मिली। अंधेरा होने के कारण रेस्क्यू बंद कर दिया गया। सोमवार को फिर से तलाश की जाएगी। थाना प्रभारी ने बताया नदी में पत्थर व गड्ढे हैं, जिससे बच्ची को खोजने में टीम को समस्या आ रही थी। इधर, बाबूलाल का शव मिलने के बाद पीएम कराया गया। बाद में परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है।

मां के साथ नहीं रहने से दुखी छात्रा ने लगाई फांसी

माता-पिता का हो चुका तलाक, पिता के साथ रहती थी किशोरी, कोहेफिजा इलाके की घटना

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। मां के साथ रहने से दुखी छात्रा ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। उसके माता-पिता का तलाक हो चुका है। किशोरी, पिता के साथ लालघाटी में रहती थी। पुलिस को सुसाइड नोट नहीं मिला है, जिससे आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस की प्राथमिक जांच में बच्ची के अकेले रहने का कारण सामने आया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। कोहेफिजा पुलिस के मुताबिक, 14 वर्षीय रेचल खुशदानी पिता जितेंद्र ओमनगर लालघाटी में रहती थी। रेचल पढ़ाई कर रही थी। कुछ समय पहले उसके माता-पिता का तलाक हो चुका है। रेचल दादा-दादी व पिता के साथ रहती थी। दादा-दादी दोनों की काफी उम्र हो चुकी है और पिता का बिजनेस है। वह रोजाना सुबह चले जाते हैं और रात में घर लौटते हैं। रेचल से बातचीत करने या उसके पेन-पेंसिल व छोटी-छोटी जरूरतों को पूरा करने व सुनने वाला कोई नहीं था। उसे मां की कमी खल रही थी। इसके चलते रविवार दोपहर साढ़े चार उसने पंखे से फंदा बनाकर फांसी लगा ली।

तलाक से डिप्रेशन में चल रही महिला ने लगाई फांसी

इधर, भौंरी स्थित प्रोफेसर कॉलोनी में रहने वाली तलाकशुदा 32 वर्षीय अंजली भदौरिया ने रविवार को फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। बीते अप्रैल माह में अंजली का तलाक हुआ था। वह इन दिनों माता-पिता के साथ रहती थी। उसके पिता मोहन आर्मी से रिटायर्ड है। मृतका ने कोई सुसाइड नोट नहीं छोड़ा है, जिससे आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस की जांच में सामने आया है कि तलाक के बाद से महिला दुखी थी और डिप्रेशन में थी। डिप्रेशन के चलते उसने यह कदम उठाया होगा। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

विश्व फिजियोथैरेपी दिवस — इस बार की थीम स्वस्थ बुढ़ापा, होंगे आयोजन, समाज हो रहा जागरुक लेकिन सरकार कर रही अनदेखी

जहां दवा कारगर नहीं वहां दिखता है फिजियोथैरेपी का असर

सरकारी अस्पतालों में फिजियोथैरेपिस्ट की कमी

कार्यालय संवाददाता, भोपाल। हर साल 8 सितंबर को विश्व फिजियोथैरेपी दिवस मनाया जाता है। इस बार इस दिवस की थीम हेल्दी एजिंग या स्वस्थ्य बुढ़ापा है। फिजियोथैरेपी की खास बात यह है कि जहां दवा कारगर नहीं रहती, वहां इस पैथी की मदद से कई मरीजों को लाभ मिलता है। गलत लाफइ स्टाइल के कारण आज ज्यादातर इंसान कई तरह की शारीरिक समस्याओं से जूझ रहे हैं। इन समस्याओं का आसान और अचूक इलाज फिजियोथैरेपी में छिपा है। यही कारण है कि लोग अब इस पैथी के प्रति जागरुक हो रहे हैं। लेकिन चिंता की बात यह है कि सरकारें आज भी इस पैथी को सम्मान देने में कतरा रही हैं। इसीलिए प्रदेश के ज्यादातर सरकारी अस्पतालों में फिजियोथैरेपिस्ट के लिए कोई जगह नहीं है। मेडिकल कॉलेजों में इस पैथी के कोर्स का संचालन शुरू नहीं हो सका है। सरकार की इस बेरुखी से प्रदेश के भौतिक चिकित्सक महासंघ में नाराजगी भी है।

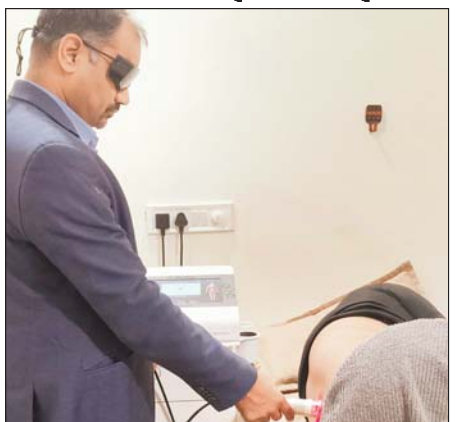

इन बीमारियों के इलाज में फायदा

- किसी भी प्रकार का लकवा
- सेरेब्रल पॉल्सी
- मांसपेशियों / नसों का दर्द
- साइटिका / स्लिप डिस्क
- लिगामेंट इंजुरी
- पार्किंसन्स डिजीज
- मस्कुलर डिस्ट्रॉफी
- कमर / गर्दन दर्द
- कंधे की जकड़न
- एड़ी / तलवे का दर्द
- आपरेशन के बाद का दर्द
- जोड़ों का दर्द/ गठिया वात
- नर्व इंजुरी / नस दबना
- पंजे/ कलाई का लटकना
- हिप/ नी रिप्लेसमेंट के बाद
- हृदय व सीने के ऑपरेशन के बाद गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में इत्यादि।

कोरोना काल में दिखा असर

शहर के प्रसिद्ध फिजियोथैरेपिस्ट डॉ. सुनील पांडे ने बताया कि सरकार भले ही फिजियोथैरेपी की महत्वता को नजर अंदाज करे, लेकिन लोगों में इसके प्रति जागरुकता बढ़ रही है। कोरोना काल में हमने कई मरीज ठीक किए। कोरोना संक्रमण के कारण मरीजों की सांस लेने की क्षमता कम हो रही थी, फिजियोथैरेपी ने मरीजों के श्वसन तंत्र को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विश्व स्वास्थ्य संगठन के साथ साथ देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी फिजियोथैरेपी की प्रभावी उपयोगिता की सराहना की है। पीएम मोदी ने अपने वक्तव्य में फिजियोथैरेपी को खेलों इंडिया से लेकर फिट इंडिया तक के लिए महत्वपूर्ण स्थान बताया है।

19 में से सिर्फ 3 मेडिकल कॉलेजों में कोर्स

मप्र सरकार फिजियोथैरेपी के प्रति सजग है, इसका बानगी इससे मिलती है कि प्रदेश में 19 सरकारी मेडिकल कॉलेज संचालित हैं। लेकिन सिर्फ 3 मेडिकल कॉलेजों में फिजियोथैरेपी से संबंधित कोर्स का संचालन किया जा रहा है। इनमें जबलपुर, इंदौर और शहडोल मेडिकल कॉलेज का नाम शामिल है। वर्ष 2023 में तत्कालीन चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग ने घोषणा की थी कि चिकित्सा शिक्षा विभाग भोपाल के गांधी मेडिकल कॉलेज सहित प्रदेश के सभी सरकारी मेडिकल कॉलेजों में फिजियोथैरेपी कोर्स का संचालन शुरू करेगा, लेकिन इस घोषणा पर अभी तक अमल शुरू नहीं हुआ है।

क्या है फिजियोथेरेपी

इस थैरेपी के अंतर्गत सुप्त पड़े शरीर के अव्यवों/ अंगों की भिन्न-भिन्न मुद्राओं से स्फूर्ति का संचार करने में भी मदद करती हैं। अधिकांश लोगों का सोचना है कि फिजियोथेरेपी व्यायाम का दूसरा नाम है। लेकिन वास्तव में व्यायाम फिजियोथैरेपी का एक भाग है। सिद्धांतों के आधार पर हम फिजियोथैरेपी को दो भागों में बांट सकते हैं। पहला है इलेक्ट्रोथैरेपी जिसमें आधुनिक मशीनों के द्वारा रोगों का उपचार किया जाता है और दूसरा प्रकार है एक्सरसाइज ,इसके अंतर्गत व्यायाम द्वारा मरीज के शिथिल पड़े शारीरिक भाग को पुनः शक्ति प्रदान की जाती है।

भारतीय रिज़र्व बैंक सर्विसेज़ बोर्ड
RESERVE BANK OF INDIA SERVICES BOARD
Advt. No. RBISB/BA/03/2025-26

भारतीय रिज़र्व बैंक में ग्रेड 'बी' (सामान्य/आनीअवि/सांसूप्रवि) संवर्गों में (परिवीक्षाधीन) अधिकारियों के पदों पर सीधी भर्ती (सीभ) – पैनल वर्ष –2025

भारतीय रिज़र्व बैंक (भारिबैं) में पैनल वर्ष-2025 के लिए निम्नलिखित पदों पर भर्ती के लिए आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं:

क्र.सं.	पदों के नाम	रिक्तियां
1	ग्रेड 'बी' (सामान्य) में अधिकारियों की सीधी भर्ती	83
2	ग्रेड 'बी' – आर्थिक और नीति अनुसंधान विभाग (आनीअवि) में अधिकारियों की सीधी भर्ती	17
3	ग्रेड 'बी' – सांख्यिकी और सूचना प्रबंध विभाग (सांसूप्रवि) में अधिकारियों की सीधी भर्ती	20
	कुल	120

2. पात्रता मानदंड, रिक्तियों के आरक्षण, चयन योजना, ऑनलाइन आवेदन जमा करने और अन्य अनुदेशों जैसे अन्य सभी विवरणों के लिए कृपया **10 सितंबर 2025** को बैंक की वेबसाइट (www.rbi.org.in) पर और दिनांक **13 सितंबर 2025** के एम्लॉयमेंट न्यूज़/रोजगार समाचार अंक/अनुवर्ती अंक में प्रकाशित होने वाले विस्तृत विज्ञापन को देखें। उम्मीदवार उपरोक्त पदों के लिए बैंक की वेबसाइट (www.rbi.org.in) के माध्यम से केवल ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

3. महत्त्वपूर्ण तिथियां**:

आवेदनों के ऑनलाइन पंजीकरण और आवेदन शुल्क/सूचना प्रभार के भुगतान के लिए वेबसाइट का लिंक खुला रहेगा	10 सितंबर से 30 सितंबर 2025 (शाम 06 बजे तक)
ग्रेड 'बी' (सामान्य) सीधी भर्ती की चरण-I ऑनलाइन परीक्षा	18 अक्तूबर 2025
ग्रेड 'बी' (आनीअवि/सांसूप्रवि) सीधी भर्ती की चरण-I ऑनलाइन परीक्षा-आनीअवि (प्रश्नपत्र-I और II)/सांसूप्रवि (प्रश्नपत्र-I)	19 अक्तूबर 2025
ग्रेड 'बी' (सामान्य) सीधी भर्ती की चरण-II ऑनलाइन परीक्षा	06 दिसम्बर 2025
ग्रेड 'बी' (आनीअवि/सांसूप्रवि) सीधी भर्ती की चरण-II ऑनलाइन परीक्षा-आनीअवि (प्रश्नपत्र-I और II)/सांसूप्रवि (प्रश्नपत्र-II और III)	07 दिसम्बर 2025

**बोर्ड इन तिथियों में किसी भी तरह के परिवर्तन का अधिकार रखता है।

टिप्पणी: उपरोक्त विज्ञापन के संबंध में यदि कोई शुद्धिपत्र जारी किया जाता है, तो उसे केवल बैंक की वेबसाइट (www.rbi.org.in) पर प्रकाशित किया जाएगा।

3 घंटे 30 मिनट रहा चंद्रग्रहण का प्रभाव, ज्योतिषी बोले-15 दिन में दो ग्रहण दुनिया के लिए शुभ नहीं

21 सितंबर को होगा सूर्यग्रहण, आएंगी भूकंप और बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाएं

जागरण संवाददाता, भोपाल। रविवार को भोपाल सहित पूरे देश में चंद्र ग्रहण देखा गया। भोपाल में चंद्रग्रहण रात 9 बजकर 57 मिनट से लेकर रात 11 बजकर 41 मिनट तक देखा गया। जबकि ग्रहण का मोक्ष तड़के 1 बजकर 27 मिनट पर हुआ। पूरे देश में चंद्र ग्रहण की अवधि लगभग 3 घंटे 30 मिनट की रही। इस बार चंद्रग्रहण भारत के लगभग सभी शहरों में देखा गया। भारत के साथ ही पाकिस्तान, रूस, जापान, ऑस्ट्रेलिया, म्यांमार और कुछ अन्य देशों में भी चंद्रग्रहण का नजारा देखा गया। ज्योतिषियों के अनुसार इस बार चंद्र ग्रहण का प्रभाव कुंभ राशि पर पड़ेगा। चंद्र ग्रहण के 15 दिन बाद 21 सितंबर को सूर्य ग्रहण भी होने वाला है। एक ही पखवाड़े में दो ग्रहण होने से ज्योतिषी इसे भारत सहित पूरी दुनिया के लिए शुभ योग नहीं मान रहे। इन दो ग्रहणों के चलते देश और दुनिया में बाढ़ और भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदाओं के आने की चेतावनी दी जा रही है। यह ग्रहण खग्रास चंद्र ग्रहण है, 15 दिनों बाद होने वाल सूर्य ग्रहण दूसरे देशों में दिखाई देगा।

दोपहर को ही बंद हो गए मंदिर के पट

ग्रहण के चलते सूतक काल को देखते हुए मंदिरों के पट करीब 12 घंटे पहले ही बंद कर दिए गए। सुबह की आरती के बाद श्रद्धालु मंदिर के दर्शन कर सके। कुछ देर बात सूतक काल को देखते पट सहित मंदिर के मुख्य द्वारों को बंद कर दिया गया। सूतक काल में पूजा अर्चना, मूर्ति स्पर्श करना तथा ग्रहण को देखना वर्जित है। हालांकि इस अवधि में मंत्र जाप, संकीर्तन, मंत्र सिद्धि आदि धार्मिक कार्य किए जाते हैं। ज्योतिष मठ संस्थान के पंडित विनोद गौतम के अनुसार ग्रहण मोक्ष के उपरांत ग्रहण स्नान और ग्रहण दान करना चाहिए। चंद्र ग्रहण में सफेद वस्तुओं का दान करना फलदाई होता है।

पितृपक्ष शुरू, पितरों का किया तर्पण

भोपाल। शीतलदास की बगिया में पितृ पक्ष के पहले दिन तर्पण किया गया, जिसमें कई लोगों ने अपने पूर्वजों को जल अर्पित कर श्राद्ध किया। यह पर्व 7 सितंबर से शुरू होकर 21 सितंबर को महालया अमावस्या पर समाप्त होगा। पंडित बमबम झा के अनुसार, पितृ पक्ष 15 दिनों का होता है, जिसमें पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए तर्पण और श्राद्ध किया जाता है। पुराणों के अनुसार, इस अवधि में यमराज पितरों को तर्पण स्वीकारने के लिए मुक्त करते हैं। दान-पुण्य का भी इस समय विशेष महत्व माना गया है।

संक्षिप्त खबरें

महाप्रयाण दिवस पर महिला सशक्तिकरण का संकल्प

भोपाल। अखिल विश्व गायत्री परिवार की वंदनीय मातृशक्ति माता भगवती देवी शर्मा के महाप्रयाण दिवस को गायत्री शक्तिपीठ में श्रद्धा स्मृति दिवस के रूप में मनाया गया। महिला प्रकोष्ठ की संयोजिका मधु श्रीवास्तव ने माताजी के जीवन मूल्यों को रेखांकित करते हुए कहा कि माताजी ने चार दशकों से अधिक समय तक महिला शिक्षा, संस्कार निर्माण और समाज सेवा के लिए अपना जीवन समर्पित किया। आज उनकी प्रेरणा से महिलाएं अपने अधिकारों, कर्तव्यों और शक्ति को पहचानकर समाज में नई दिशा दे रही हैं। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के अंतर्गत गीत, नृत्य और 'दीप से मशाल की यात्रा' नामक नाटिका का मंचन हुआ, जिसने सभी को गहराई से प्रभावित किया। भोपाल की महिला चिकित्सकों और समाजसेविकाओं ने भी भाग लेकर नारी शिक्षित-नारी सक्षम की भावना को पुष्ट किया। करीब 500 से अधिक परिवारों की उपस्थिति ने इस श्रद्धा स्मृति दिवस को भावनात्मक और प्रेरणादायी बना दिया। कार्यक्रम का समापन दीप यज्ञ के साथ हुआ, जिसमें सैकड़ों दीप प्रच्चलित कर माताजी को श्रद्धांजलि अर्पित की गई और समाज कल्याण व महिला सशक्तिकरण का सामूहिक संकल्प लिया गया। आज ही से गायत्री शक्तिपीठ पर श्राद्ध तर्पण पिंडदान का क्रम प्रारंभ हुआ है जो 16 दिन तक चलेगा ।प्रतिदिन प्रात 8 बजे से प्रारंभ हो जाता है कार्यक्रम निशुल्क है सभी आम जनों से निवेदन है सहभागी बन पुण्य अर्जित करे।

11 महीने से लापता नाबालिग गुजरात से बरामद, आरोपी गिरफ्तार

जागरण, भोपाल। शाहजहांनाबाद पुलिस ने 11 महीने से लापता 13 साल की नाबालिग को गुजरात से बरामद कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी घुमाने के बहाने पीड़िता को अपने साथ लेकर गया था। पुलिस के अनुसार ईदगाह हिल्स निवासी महिला ने अपनी 13 नाबालिक बेटी की 11 महीने से गुम होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू की। परिजनों ने रोहित मालवीय (25) निवासी सीहोर पर शक जताया था। मुखबिर से मिली सूचना और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर नाबालिग को मोरवी गुजरात से बरामद कर लिया गया। पुलिस ने किशोरी को परिजनों को सौंप दिया है। आरोपी रोहित उसे घुमाने के बहाने अपने साथ ले गया था। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

शोरूम संचालक ने युवती से की ज्यादती, आरोपी फरार

जागरण, भोपाल। निशातपुरा थाना क्षेत्र में एक शोरूम संचालक ने युवती से दुष्कर्म किया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 28 वर्षीय पीड़िता नारियलखेड़ा में रहती है। दो महीने पहले वह नौकरी की तलाश में थी। इसी दौरान किसी के बताने पर वह निजामउद्दीन कॉलोनी स्थित टाइल्स शोरूम में पहुंची, जहां शोरूम संचाकल कुलदीप भदौरिया ने इंटरव्यू के बाद उसे काम पर रख लिया। 10 अगस्त को आरोपी ने काम का बहाना बनाकर महिला को मिलने बुलाया। जहां मिनाल गेट नंबर दो पर उसने महिला को अपनी कार में बैठाकर पीपुल्स मॉल के पास स्थित एक होटल ले गया। यहां उसने कमरे में जबरन दुष्कर्म किया। और घटना के बारे में किसी को नहीं बताने पर जान से मारने की भी धमकी दी। इसके बाद पीड़िता ने नौकरी छोड़ दी। आरोपी पहले से शादीशुदा है और उसका एक बेटा भी है। महिला ने जब शादी की बात कही तो आरोपी ने मना कर दिया। जिसके बाद पीड़िता ने परिजनों को आपबीती सुनाई। और फिर थाने पहुंचकर मामले की शिकायत दर्ज कराई। फिलहाल आरोपी की गिरफ्तार अभी तक नहीं हो सकी है।

गौशाला में दो सालों ने नहीं लग सका गोवंश के लिए शेड

जागरण संवाददाता, भोपाल। बैरसिया के अरवलिया स्थित नगर निगम की गौशाला में खाली पड़ी जगह पर दो साल बाद भी शेड बनाने का कार्य शुरू नहीं हो सका है। गौशाला में रोजाना गोवंश के लिए चारे की व्यवस्था करने वाले लोगों ने बताया कि हाल ही में बारिश दौरान कई बेजुबान पानी में भीगते रहे। इसके पहले भी कई बार ऐसी स्थिति बनी है। इसे देखते हुए अधिकारियों को समस्या से अवगत कराया गया था। उन्होंने यहां शेड बनाने का आश्वासन दिया था, लेकिन यह काम अब तक नहीं हो सका है। गौशाला में काम करने वाले एक कर्मचारी ने बताया कि वर्तमान में यहां लगभग 144 गोवंश जीवन यापन कर रहे हैं। इन सभी को गौशाला के अंदर रखने की व्यवस्था है, लेकिन बारिश में जब यहां गोवंश की संख्या बढ़ती है, तो पशुओं को बाहर रखना पड़ता है। ऐसे में इन्हें बारिश से बचाने के लिए कर्मचारियों को काफी मेहनत करनी पड़ती है। ऐसे में खाली जगह पर शेड का निर्माण कर दिया जाए, तो यहां बेसहारा गोवंश को आसरा मिलेगा। जानवरों को मौसम की मार से बचाया जा सकेगा।

भाद्रपद पूर्णिमा पर उपासकों ने लिया उपोसथ व्रत का संकल्प

जागरण, भोपाल। राजधानी के तुलसी नगर स्थित करुणा बुद्ध विहार में पूच्य भन्ते प्रज्ञारत्न थेरो द्वारा आषाढ़ पूर्णिमा से जारी वर्षावास का आज 61वां दिन रहा। भाद्रपद पूर्णिमा के पावन अवसर पर अनेक बौद्ध उपासक-उपासिकाओं ने भन्ते जी से उपोसथ व्रत लेकर पंचशील व अष्टशील ग्रहण किए। इस अवसर पर भन्ते जी को भोजन दान अर्पित किया गया और उपासकों ने भी दोपहर 12 बजे पूर्व भोजन ग्रहण किया। धम्म देशना में भन्ते जी ने बताया कि भाद्रपद पूर्णिमा को च्मधु पूर्णिमाच्च कहा जाता है, क्योंकि आज ही के दिन बंदर ने भगवान बुद्ध को शहद अर्पित किया था। साथ ही यह दिन वैशाली में भिक्षुणी संघ स्थापना दिवस के रूप में भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उपोसथ व्रत धारण करने वाला ही उपासक कहलाता है, अन्यथा वह केवल अनुयायी माना जाता है।

गोस्वामी समाज की बैठक संपन्न

भोपाल। गोस्वामी समाज के युवा अध्यक्ष छोटेलाल गिरी ने बताया कि गोस्वामी समाज की बैठक शिव मंदिर अर्जुन नगर भोपाल में भगवान पूरी के नेतृत्व में सम्पन्न हुई, जिसमें गोस्वामी समाज की सदस्यता अभियान किया जाएगा एवं भोपाल के 85 वार्डों में गोस्वामी समाज, वार्ड प्रभारी बनाये जायेंगे, वार्ड प्रभारियों के नेतृत्व में भोपाल में घर घर जाकर सदस्यता अभियान किया जाएगा, जिसमें भोपाल के सभी गोस्वामी समाज के लोगो को सदस्य बनाये जायेंगे एवं आने वाले समय मे गोस्वामी समाज युवा सम्मेलन किया जायेगा एवं समाज के मेधावी छात्रों का सम्मान किया जायेगा, वरिष्ट जनो का भी सम्मान किया जायेगा, यह बैठक में सहमति व्यक्त की गई।

बैठक में विशेष रूप से रूपनारायण गिरी, प्रेमनारायण लक्ष्मण गिरी, भगवान पूरी, अशोक भारती, छोटेलाल गिरी, विपिन यति, आनंद राजेश गिरी, अनूप गिरी, अजय गिरी, संजय गिरी, रोहित गिरी, कृष्णा गिरी, आदित्य गोस्वामी, विशिष्ट गिरी, राहुल गिरी, धनजी गिरी, सत्येंद्र गिरी, जय प्रकाश गिरी, राजेश गिरी उपस्थित थे ।

सुमन सखी चैटबॉट देगा गर्भवती महिला के हर सवाल का जवाब

कार्यालय संवाददाता, भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि पीएम नरेन्द्र मोदी के डिजिटल इंडिया विजन के अनुरूप स्वास्थ्य सेवाओं में नवीनतम तकनीक का उपयोग किया जा रहा है। इसी कड़ी में प्रदेश में जल्द ही सुमन सखी चैटबॉट सेवा प्रारंभ की जा रही है। सुमन सखी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित चैटबॉट होगा, जो नागरिकों को गर्भावस्था के दौरान देखभाल, उच्च जोखिम कारकों की जानकारी, तथा महिलाओं से संबंधित सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं और सेवाओं की जानकारी आसानी से उपलब्ध कराएगा। उन्होंने कहा कि यह पहल प्रदेश में नागरिक-केंद्रित सुशासन की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है। योजनाओं की जानकारी और सेवाओं तक त्वरित पहुंच उपलब्ध कराएगी, बल्कि शासन की पारदर्शिता और जनविश्वास को भी मजबूत करेगी। मिशन डायरेक्टर एनएचएम डॉ. सलोनी सिडाना ने बताया कि सुमन सखी चैटबॉट राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, मध्यप्रदेश द्वारा एमपी स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेंट कॉरपोरेशन के सहयोग से विकसित किया गया है। चैटबॉट 24×7 उपलब्ध रहेगा और हिंदी भाषा में होगा, ताकि ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों की महिलाएं भाषा की किसी भी बाधा के बिना इसका लाभ उठा सकें। प्रारंभिक चरण में इसका फोकस मातृ स्वास्थ्य सेवाओं पर होगा, धीरे-धीरे अन्य प्रमुख योजनाएं भी इसमें शामिल की जाएंगी।

अगले चरण में समस्त स्वास्थ्य सेवाओं में होगा विस्तार

ट्रैक्टर ट्राली से गिरा किशोर पहिए की चपेट में आया, मौत

परिवार के साथ विसर्जन कर लौट रहा था घर

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। बैरसिया इलाके में एक किशोर की ट्रैक्टर ट्राली की चपेट में आने से मौत हो गई। वह और उसका परिवार गणेश प्रतिमा विसर्जन कर घर लौट रहे थे। उसके पिता ट्रैक्टर चला रहे थे। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, 13 वर्षीय आशीष प्रजापति पिता कमल शेरपुरा बैरसिया में रहता था। वह पढ़ाई करता था। रविवार सुबह करीब साढ़े दस बजे उसके पिता कमल, आशीष व गांव के अन्य लोग गणेश प्रतिमा का विसर्जन कर घर लौट रहे थे। सभी ट्रैक्टर ट्राली पर सवार थे। वे अभी अंबेडकर गार्डन के सामने पहुंचे थे, तभी अचानक आशीष नीचे गिर गया। पहिए की चपेट में आने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन उसे लेकर तुरंत एलबीएस अस्पताल पहुंचे। जहां कुछ देर चले इलाज के दौरान किशोर ने दम तोड़ दिया।

कार की टक्कर से बाइक सवार की मौत: बैरसिया इलाके में ही दामखेड़ा निवासी राधेश्याम मोंगिया (48) की मौत हो गई। निजी काम करने वाला राधेश्याम दोपहर 2 बजे अपने साथी के साथ बाइक से जा रहा था। वह नजीराबाद रोड़ पर थे, तभी सामने से आ रही तेज रफ्तार कार ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में राधेश्याम की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद चालक कार छोड़कर भाग निकला। बैरसिया थाना प्रभारी वीरेंद्र कुमार सेन ने बताया कि कार को जब्त कर चालक की तलाश शुरू कर दी है।

ज्योतिष सम्मेलन में देश-विदेश के विद्वानों ने की शिरकत

जागरण, भोपाल। मालवीय नगर में जीवन रेखा ज्योतिष केंद्र द्वारा स्वर्गीय पंडित मनीराम उपाध्याय की स्मृति में अंतरराष्ट्रीय ज्योतिष सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस आयोजन के सूत्रधार जीवन रेखा ज्योतिष केंद्र के संस्थापक एवं राज्य ज्योतिष पंडित कृपाराम उपाध्याय एवं रतन वाला प्रतीश सक्सेना थे। सम्मेलन में देश-विदेश से आए अनेक ख्याति प्राप्त, अनुभवी और दक्ष ज्योतिषाचार्यों ने भाग लिया। कार्यक्रम में पंडित पूजा दुबे का अनुभव विशेष उत्साहवर्धक रहा। उन्होंने बताया कि उन्हें विभिन्न देशों से पधारे सम्माननीय ज्योतिषाचार्यों के साथ मंच साझा कर सम्मान प्राप्त करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ, जो उनके लिए गर्व की बात है। यह सम्मेलन ज्योतिष विद्या के प्रचार-प्रसार और अनुभव साझा करने का एक महत्वपूर्ण मंच बनकर उभरा। आयोजकों द्वारा इस तरह के आयोजन को भविष्य में भी जारी रखने की घोषणा की गई।

अगले साल होने वाली एशियन चैंपियन शिप के लिए तैयार होगा इंटरनेशनल वाटर स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स

जागरण संवाददाता, भोपाल। अगले साल भोपाल में आयोजित होने वाली एशियन चैंपियनशिप के लिए खानूगांव में इंटरनेशनल वाटर स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स बनाने की तैयारी तेज कर दी गई है। यह कॉम्पलेक्स इस साल के अंत तक तैयार होने की उम्मीद है। खानूगांव में लगभग 1.5 एकड़ क्षेत्रफल में यह कॉम्पलेक्स बनाया जाएगा। जो बड़े तालाब से केवल 50 मीटर दूर स्थित रहेगा, जिससे खिलाड़ी तेजी से तैयार होकर तालाब तक पहुंच सकेंगे। कॉम्पलेक्स को बनाने के लिए रामसर साइट और वेटलैंड सहित केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के नियमों का भी पालन किया जाएगा। बता दें कि जिला वेटलैंड समिति के साथ राजस्व अमला और खेल विभाग कॉम्पलेक्स का निर्माण समय पर पूरा कराने के लिए जुटा हुआ है। इस दौरान चिन्हित जमीन के आसपास से अतिक्रमण भी हटाए जाने हैं।

मिलेंगी यह सुविधाएं एशियन गेम्स के लिए प्रस्तावित इंटरनेशनल वॉटर कॉम्पलेक्स में जिम, बोट हाउस, चेंजिंग रूम और ऑफिस जैसी सुविधाएं मिलेंगी। वैटलेंड सहित अन्य नियमों का पालन करने के लिए कॉम्पलेक्स को बनाते समय किसी भी तरह का पक्का निर्माण नहीं किया जाएगा। भवन का निर्माण ईको फ्रेंडली मटेरियल से होगा। अधिकारियों की मानें तो वॉटर कॉम्पलेक्स प्रीफैब्रिकेटेड तकनीक से बनाया जाएगा। भवन का निर्माण एनजीटी के निर्देशों के अनुसार होगा, ताकि बड़े तालाब में किसी भी तरह का प्रदूषण न हो।

आयोजन

स्नेह सम्मेलन में आचार्यश्री के आदर्श सिद्धांत पर चलने का संकल्प

3 साल में होगा रानी कमलापति जिनालय का पंचकल्याणक

- सोशल मीडिया का उपयोग समाज को तोड़ने के लिए नहीं जोड़ने के लिए किया जाए
- सभी ने एक दूसरे से हाथ जोड़कर की क्षमा याचना

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। सभी बड़ों के चरण स्पर्श कर आशीर्वाद ले रहे थे और युवा एक दूसरे से हाथ जोड़कर गले मिलकर आत्मिता प्रदान कर जाने अनजाने में की गई गलतियों की क्षमा मांग रहे थे। यहां भारतीय संस्कृति और संस्कारों का अद्भुत दृश्य था। जवाहर चौक जैन मंदिर परिसर का यहां भोपाल की समूची जैन समाज के स्नेह सम्मेलन में सामूहिक क्षमावाणी की गई। सम्मेलन का शुभारंभ भगवान महावीर के चित्र के समक्ष दीप प्रच्वलन के साथ हुआ और आचार्य श्री विद्यासागर महाराज के जयकारों के साथ मंगलाचरण हुआ। प्रमोद हिमांशु पंकज जैन मित्र मंडल के तत्वाधान में आयोजित सम्मेलन में भोपाल जैन समाज के मंदिर समितियां के अध्यक्ष पदाधिकारी के साथ सभी संगठनों के प्रमुख मौजूद थे। सम्मेलन में प्रमुख रूप से विश्व शांति और विश्व में एकता के मूल मंत्र अहिंसा और क्षमा के लिए क्षमा दिवस घोषित करने की मांग की गई।

सामाजिक कुरीतियों को दूर कर सामाजिक एकता का संकल्प लिया गया। प्रमुख वक्ताओं ने कहा जैन धर्म जैन सिद्धांत में ऐसा दिन है क्षमा, जो हर व्यक्ति के मन में साल के प्रत्येक दिन और 24 घंटे विद्यमान रहना चाहिए। ऐसा समय आना चाहिए, जब हम न्यूजपेपर और मीडिया में कोई बम ब्लास्ट कोई आतंकवादी घटना आपस में युद्ध लड़ाई झगड़ा की खबर ना देखे ना सुने। बस यह समय आ जाए जब प्रभु नेत्रहीन को आंखें और मूक बधिर को बोली प्रदान कर सबको सुख करें। प्राणी तो क्या कोई भी जीव जंतु न भूखा सोए ना सभी स्वस्थ हो। सभी समाज ने णमोकार महामंत्र के पाठ के साथ प्रभु से सभी के मंगल मय जीवन की प्रार्थना की। भव्य जिनालय का निर्माण 3 साल के अंदर प्रवक्ता अंशुल जैन ने बताया सभी वक्ताओं ने आचार्य श्री विद्यासागर महाराज का स्मरण करते हुए कहा उनके आदर्श और सिद्धांत वर्तमान में विश्व शांति के लिए मिल का पत्थर है। हम सभी उस पर चलें और आचार्यश्री का सपना हबीबगंज रानी कमलापति का भव्य जिनालय का 3 साल के अंदर निर्माण कर भव्य पंचकल्याणक आचार्य समय सागर के सानिध्य में करे। सभी ने करतल ध्वनि से अनुशंसा करते हुए अनुमोदन की। सभी समर्पित होकर देश के भव्य जिनालय का निर्माण 3 साल में पूरा करेंगे। सभा में आने वाले समाज की शीर्ष संस्था के चुनाव दिगंबर पंचायत के चुनाव में पंकज जैन सुपारी को सर्व सम्मति से प्रत्याशी बनाया। इस अवसर पर स्नेह सम्मेलन में प्रमुख रूप से वर्तमान में सोशल मीडिया पर द्वेष पूर्ण वार्तालाप एक दूसरे को नीचे दिखाने की घटनाएं पर अविलम रोक लगाने की मांग करते हुए सोशल मीडिया का उपयोग सामाजिक समरसता सकारात्मक दिशा और दशा के लिए हो। अंत में सभी का आभार पंचायत कमेटी के पूर्व अध्यक्ष प्रमोद हिमांशु ने माना। सम्मेलन में प्रमुख रूप से न्यायाधीश विमला जैन, पूर्व एडीजी पवन जैन, आईएएस सुरेश जैन, मप्र बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष एडवोकेट विजय चौधरी, एसडीएम आदित्य जैन, समाज के प्रमुख मनोज प्रधान, रविंद्र जैन पत्रकार, अखिलेंद्र जैन सहित अनेक लोग मौजूद थे। संचालन विमल भंडारी और पंकज प्रधान द्वारा किया गया।

सेंट्रल स्कूल के बच्चों ने मराठी वेशभूषा में बप्पा को दी विदाई

भोपाल। भगवान गणेश का विदाई समारोह बहुत धूमधाम से मनाया गया। सेंट्रल पब्लिक हाई स्कूल, आनंद नगर में गणेश जी की मूर्ति की विधिवत पूजा की गई और वैदिक रीति-रिवाजों के बाद जल में विसर्जित की गई। इस अवसर पर, पारंपरिक मराठी पोशाक में छात्र ढोल, संगीत और नृत्य के साथ भगवान गणेश को विदाई दी। माहौल भक्ति और खुशी से भरा था। बच्चे च्गणपति बाप्पा मोरया!च का नारा लगाते हुए कार्यक्रम में जोश भर रहे थे। स्कूल के प्रिंसिपल एच.के. शुक्ला सहित सभी स्टाफ ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। पूजा में प्रिंसिपल ज्योति पाठक, कमलेश ठाकरे, किरण मिश्रा, संध्या गीतकार, आरती प्रसाद, दीपा, आकांक्षा, सलोनी, सरस्वती, कविता, देविका, मंजू और अन्य शिक्षक उपस्थित थे। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों में सांस्कृतिक जागरूकता बढ़ाना और धार्मिक मूल्यों की शिक्षा देना था। अंत में, प्रसाद वितरण के बाद, सभी ने नम आंखों से भगवान गणेश को विदाई दी।

मशहूर अमेरिकी नाटककार एडवर्ड एल्बी के क्लासिक नाटक से प्रेरित प्रस्तुति

रिश्तों की सच्चाई और भ्रम की उलझनों को उजागर करता है जाने न...

जागरण, भोपाल। रंगश्री लिटिल ट्रुप सभागार (एलबीटी) में रविवार को अदर थिएटर का नया नाटक जाने न... का मंचन किया गया। यह नाटक मशहूर अमेरिकी नाटककार एडवर्ड एल्बी के क्लासिक नाटक हूज अफ्रेड आफ वर्जिनिया वूल्फ से प्रेरित है। अक्षित मारवाह के निर्देशन में तैयार यह नाटक रिश्तों की जटिलताओं, छुपी हिंसा और असहज सच्चाइयों को उजागर करता है। सरल संवादों से शुरू होकर यह नाटक धीरे-धीरे तीव्र बहस और गहरे टकराव की दिशा में बढ़ता है, दर्शकों को सोचने पर मजबूर करता है कि रिश्तों में सच्चाई और भ्रम के बीच की रेखा कितनी महीन होती है। जाने न... की कहानी एक सामान्य शाम के दौरान चार पात्रों के बीच घटित होती है। पहले तो ये लोग साधारण बातचीत में मशगूल होते हैं, परंतु जैसे-जैसे समय गुजरता है, बातचीत हंसी से बहस में बदल जाती है। फिर तीव्र टकराव में परिणत हो जाती है। यह नाटक प्यार, नफरत, अपनापन और असुरक्षा सब इस नाटक में एक-दूसरे में घुल-मिल जाते हैं।इस नाटक के किरदार एक दूसरे की बर्दाश्त की हद को चेक करते हैं और इसे ही अपने जीवन का खेल और जीवन की कठोरताओं से जूझने का हथियार बना लेते हैं। एक खेल से शुरू यह नाटक एक रिश्ते के भीतर सच और भ्रम के फर्क से जूझता है। जाने न... हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि रिश्तों में सच्चाई और भ्रम, क्रूरता और कोमलता, इच्छा और हताशा- सब कैसे एक-दूसरे से जुड़े हैं। दो घंटे 15 मिनट की इस प्रस्तुति में चार कलाकार अपने शानदार अभिनय के माध्यम से दर्शकों को एक भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक अनुभव से गुजारते हैं। यह नाटक दर्शकों को उत्तर नहीं देता, बल्कि रिश्तों के अंदर छिपे सवालों, उलझनों और भावनाओं की एक गूढ़ तस्वीर पेश करता है।

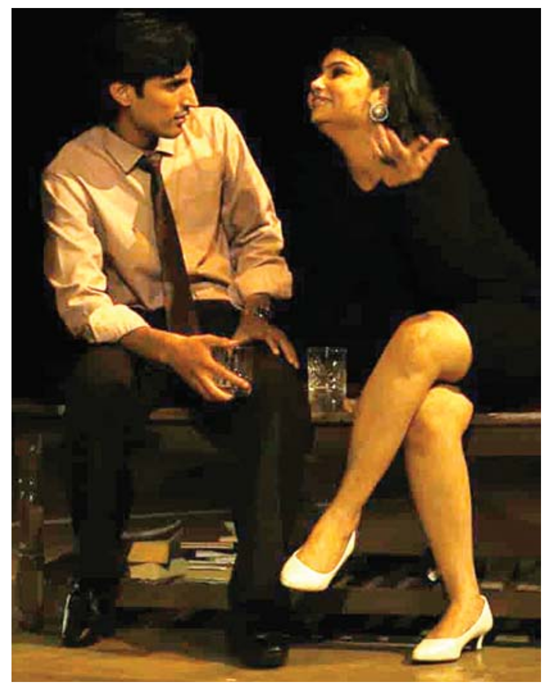

संभावना गतिविधि : श्रम का महत्व बताता है करमा

जनजातीय संग्रहालय में मोनिया और करमा नृत्यों की प्रस्तुति

जागरण, भोपाल। मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय में हर रविवार दोपहर 02 बजे से आयोजित होने वाली संभावना गतिविधि आयोजन किया गया। नृत्य, गायन एवं वादन पर केंद्रित इस गतिविधि में इस बार टीकमगढ़ के शैलेंद्र सिंह सिसोदिया एवं साथी द्वारा मोनिया नृत्य एवं जियालाल एवं साथी, डिण्डोरी द्वारा गोण्ड जनजातीय करमा नृत्य की प्रस्तुति दी गई।

श्रम की पूजा है करमा

सुमन परस्ते एवं साथी, डिण्डोरी द्वारा गोण्ड जनजातीय करमा नृत्य की प्रस्तुति दी गई। करमा कर्म की प्रेरणा देने वाला नृत्य है। ग्रामवासियों में श्रम का महत्व है। श्रम को ही ये कर्म देवता के रूप में मानते हैं। पूर्वी मध्यप्रदेश में कर्म पूजा का उत्सव मनाया जाता है। उसमें करमा नृत्य किया जाता है। नृत्य में युवक-युवतियाँ दोनों भाग लेते हैं। वे किसी एक भाव या स्थिति के गीत नहीं है उसमें रोजमर्रा की जीवन स्थितियों के साथ ही प्रेम का गहरा सूक्ष्म भाव भी अभिव्यक्त हो सकता है।

मोनिया नृत्य

बुंदेलखंड अपने आप में बहुत से लोकनृत्य और लोकसंगीतों को संजोए हुए है। इन्हीं में से एक है मोनिया नृत्य। बुंदेलखंड का यह लोकनृत्य कार्तिक माह में अमावस्या से पूर्णिमा तक किया जाता है। जिसमें ग्वाला समुदाय अपने पशुओं को सजाते हैं, और उनकी पूजा करते हैं। छोटे बच्चे कृष्ण का रूप धर कर हाथ में लाठी लेकर घर-घर जाते हैं। बांसुरी की लय, ढोलक की थाप पर विभिन्न हस्त पद संचालन के साथ नृत्य करते हैं। गांवों में छोटी छोटी टोली बनाकर यह नृत्य किया जाता है।

इन्फ्लुएंसर बिन्नो रानी ने सोशल मीडिया पर बुंदेली भाषा में बनाई पहचान

लोकप्रियता के लिए अंग्रेजी में बात नहीं करूंगी : बिन्नो रानी

जागरण, भोपाल। रविंद्र भवन में आयोजित बुंदेली संगम कार्यक्रम में भोपाल आई कर बिन्नो रानी से खास बातचीत में उन्होंने अपनी कंटेंट क्रिएशन की जर्नी साझा की। उन्होंने बताया कि कैसे एक साधारण घटना उनके कंटेंट क्रिएशन का पहला कदम बनी, और आज सोशल मीडिया प्लैट फॉर्म इंस्टाग्राम पर बिन्नो के 43 के फॉलोअर्स है आज के डिजिटल युग में सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी पहचान बनाने वाले युवा तेजी से बढ़ रहे हैं। ऐसे ही एक प्रेरणास्त्रोत बिन्नो रानी हैं, जिन्होंने बुंदेली भाषा में कंटेंट क्रिएशन के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाई है। बिन्नो रानी ने कंटेंट क्रिएशन की शुरूआत एक साधारण लेकिन महत्वपूर्ण अनुभव से की थी। एक बार स्कूल से घर लौटते समय उन्होंने देखा कि उनके दादा पानी बर्बाद कर रहे थे। बिन्नो को यह बुरा लगा और

उन्होंने उन्हें रोक दिया। जिसे उनकी बड़ी बहन मुस्कान ने रिकॉर्ड कर सोशल मीडिया पर अप्लोड कर दिया। बुंदेली भाषा में बनी यह साधारण वीडियो लोगों को बहुत पसंद आई और वायरल हो गई। इसके बाद से बिन्नो ने रोजाना अपने मनपसंद विषयों पर वीडियो बनाना शुरू कर दीं। चाहे कहीं जाना हो, कुछ नया देखना-सुनना हो या अपनी बात कहना हो। बिन्नो का मानना है कि आजकल लोग कैमरे के सामने बदल जाते हैं, पर वे हमेशा बुंदेली में ही बात करेंगी। उन्होंने कहा कि लोकप्रियता पाने के लिए वे अंग्रेजी में बात नहीं करेंगी बल्कि अपनी मातृभाषा को आगे बढ़ाएंगी। बिन्नो रानी पढ़ाई के साथ-साथ कंटेंट बनाती हैं। वीडियो रिकॉर्डिंग से उनके पढ़ाई पर कोई असर नहीं पड़ता क्योंकि वो बस वीडियो रिकॉर्ड करती है, और अन्य तकनीकी जिम्मेदारियां नहीं लेतीं।

बुंदेली समागम 2025 : लोकधुनों से सजी बुंदेली समागम की दूसरी सांझ

फाग गीत से महिला सशक्तिकरण तक गूंजा दूसरा दिन

जागरण, भोपाल। रविन्द्र भवन में आयोजित बुंदेली समागम 2025 का दूसरा दिन लोकगीतों, संवादों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सराबोर रहा। दिन की शुरुआत बुंदेली आइडल सेमीफाइनल से हुई, जिसमें दादरा, गारी और चौपड़िया गीतों ने कार्यक्रम को रंगीन बनाया। यश दास शुक्ल की प्रस्तुति राते बरस गयो पानी ने दर्शकों का दिल जीत लिया। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने फाग गीत राजा बल के द्वार मची रे होली गाकर आयोजन की शोभा बढ़ाई। उन्होंने क्षेत्रीय भाषाओं के संवर्धन पर विशेष ज़ोर दिया। इसके बाद बुंदेली-बघेली क्रिएटर टॉक शो में डिजिटल प्लेटफॉर्म पर क्षेत्रीय भाषाओं के महत्व पर विचार-विमर्श हुआ। दोपहर में मातृ शक्ति संवाद सत्र का आयोजन हुआ, जिसमें राच्य मंत्री प्रतिमा बागरी, जीएसटी उपायुक्त रक्षा दुबे चौबे,

प्रशासनिक अधिकारी मृदु मृदुल और अभिषेक भार्गव ने महिला सशक्तिकरण के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। पर्वतारोही गौरी अरजरिया ने अफ्रीका के किलिमंजारो पर्वत को साड़ी पहनकर चढ़ने की प्रेरक कहानी साझा की। टीकमगढ़ का मातृशक्ति संगठन महिलाओं, दिव्यांगों की सेवा और सामाजिक रूढ़ियों को तोड़ने के लिए सराहा गया। शाम को साहित्य संवाद, पत्रकार संवाद और फिल्म कलाकार संवाद आयोजित हुए। 'कठल' फिल्म की नेहा सर्राफ, 'लापता लेडीज' के कलाकार प्रांजल पटरिया व इशितयाक़ खान ने बुंदेली सिनेमा की संभावनाओं पर चर्चा की। कविता शर्मा व खनिज जैन चौहान की प्रस्तुतियों ने समागम को संगीतमय बना दिया। अंत में पंच लाइट नाटक ने मनोरंजन के साथ सामाजिक संदेश भी दिया।

डॉ आराधना वर्मा बनी मिसेज इंडिया डेजल क्वीन 2025 की विनर

जागरण, भोपाल। वीनस फिल्म एंड इवेंट्स एवं ब्लू व्हेल एंटरटेनमेंट द्वारा मिस एंड मिसेज इंडिया डेजल क्वीन 2025 का आयोजन किया गया। जिसका ग्रैंड फिनाले होटल द सेंटरम लखनऊ में आयोजित हुआ। जिसमें लखनऊ एवं आल ओवर इंडिया से आए मॉडल्स ने अपना जलवा बिखेरा। तीन दिन चली इस प्रतियोगिता में कुल 35 प्रतिभागियों ने भाग लिया था। जिसमें मिसेज इंडिया प्रीमियम कैटेगरी में डॉ आराधना वर्मा ने कई राउंड को बड़े आत्मविश्वास के साथ पार करके यह खिताब अपने नाम किया। डॉ आराधना वर्मा पहले भी कई प्रतियोगितायें जीत चुकी हैं। ब्लू व्हेल एंटरटेनमेंट के मैनेजिंग डायरेक्टर एवं मिस एंड मिसेज इंडिया डेजल क्वीन 2025 की शो डायरेक्टर मौसमी चटर्जी ने बताया कि 6 सितंबर को लखनऊ के होटल द सेंटरम में आयोजित इस ग्रैंड फिनाले इवेंट के सिलेब्रिटी गेस्ट में दुबई से हनीफ शेख, फाउंडर एंड चेयरमैन, अमीरात होल्डिंग ने शिरकत की। कार्यक्रम की शुरूआत में फैशन कोरियोग्राफर गौरव शुक्ला ने स्वागत नृत्य किया।

आंचलिक विज्ञान केंद्र पूर्ण चंद्रग्रहण कार्यक्रम आयोजित

छात्रों को पूर्ण चंद्रग्रहण के क्रमिक चरणों को समझाया

जागरण, भोपाल। आंचलिक विज्ञान केंद्र रविवार को होने वाले पूर्ण चंद्रग्रहण के अवसर पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। इस खगोलीय घटना के उपलक्ष्य में, केंद्र ने एक संवादात्मक-सह-प्रदर्शन सत्र आयोजित किया जिसमें आकर्षक मॉडलों और प्रदर्शनों के माध्यम से विभिन्न प्रकार के सूर्य और चंद्रग्रहणों की व्याख्या की गई। चंद्रमा और ग्रहण विषय पर एक ओपन-हाउस क्विज़ भी आयोजित किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में छात्रों और आम जनता सहित लगभग 50 व्यक्तियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इसके अतिरिक्त, रात 9:45 बजे से एक यूटूब लाइव इंटरैक्टिव सत्र भी आयोजित किया गया। जिसमें लोगों को पूर्ण चंद्र ग्रहण के क्रमिक चरणों के बारे में समझाया गया।

मप्र लेखक संघ के साहित्यकार सम्मान 2025 घोषित

जागरण, भोपाल। मध्यप्रदेश लेखक संघ द्वारा वर्ष 2025 के साहित्यकार सम्मानों की सूची घोषित कर दी गई है। संघ की वार्षिकसाधारण सभा में प्रादेशिक मंत्री मनीष बादल और प्रांताध्यक्ष राजेन्द्र गट्टानी ने पांच सदस्यीय चयन समिति द्वारा अनुशंसित नामों की घोषणा की। इस बार पं. बटुक चतुर्वेदी अक्षर आदित्य सम्मान डॉ. गंगा प्रसाद गुप्त (बरसैंया, भोपाल) को और सारस्वत सम्मान महेश सक्सेना (भोपाल) को प्रदान किया जाएगा। इसके अलावा डॉ. सरोजिनी कुलश्रेष्ठ कहानी सम्मान, डॉ. पुष्पा चौरसिया श्रेष्ठ गीतकार सम्मान, हरिशंकर तिवारी यात्रा वृतान्त सम्मान, सुधा सावित्री बुन्देली साहित्यकार सम्मान सहित कुल 22 विभिन्न श्रेणियों में साहित्यकारों को सम्मानित किया जाएगा।

जगतगुरु श्री नारायण गुरु की 171वीं जयंती

जागरण, भोपाल। श्री नारायण मिशन, गोविंदपुरा में जगतगुरु श्री नारायण गुरु की 171वीं जयंती मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ गणपति होम, अभिषेकम, महा गणपति पूजा, शारदा पुष्पांजलि, ध्वजारोहण और गुरु कीर्तन से हुआ। उसके बाद सार्वजनिक समारोह की शुरुआत हुई। मुख्य अतिथि के रूप में विश्वास सारंग (नगरीय प्रशासन, खेल एवं कल्याण विभाग, मध्यप्रदेश शासन) उपस्थित रहे। कार्यक्रम में युवा प्रकोष्ठ के सचिव सचिन सत्य सीजन ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के दूसरे सत्र में शाम के समय रंगोली प्रतियोगिता, दीप आराधना, भंडारा और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। साथ ही तिरुवथिरा, बोट रेसिंग, डांस और म्यूजिक जैसे कार्यक्रमों की भी प्रस्तुतियां हुई। अंत में प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित किए गए।

कार्यक्रम

'किताब उत्सव' का दूसरा दिन रहा स्त्री लेखन के नाम

राजकमल ने किया 'स्त्री-वर्ष' का ऐलान

जागरण, भोपाल। हिंदी भवन में चल रहे पाँच दिवसीय 'किताब उत्सव' के दूसरे दिन रविवार को साहित्य, विचार और समाज के कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चाएँ हुईं। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहा राजकमल प्रकाशन द्वारा वर्ष 2025 को 'स्त्री-वर्ष' के रूप में घोषित करना।

8 महिला लेखिकाओं के उपन्यास होंगे प्रकाशित

राजकमल प्रकाशन ने कहा कि 21वीं सदी स्त्रियों की सदी है। इस अवसर पर गीतांजलि श्री, अलका सरावगी, अनामिका, वन्दना राग जैसी चर्चित लेखिकाओं के उपन्यासों की सूची जारी की गई। मंच पर रेखा कास्तवार, नीलेश रघुवंशी और वंदना राग ने स्त्री-लेखन और साहित्यिक बदलावों पर चर्चा की।

एम.एफ़. हुसैन की जीवनी का विमोचन

दोपहर के पहले सत्र में चित्रकार अखिलेश की किताब 'मकबूल फ़िदा हुसैन जीवनी और विचार' का विमोचन हुआ। उदयन वाजपेयी और नीलेश रघुवंशी ने इस किताब को कलाकार की सोच और समाज के गहरे संबंधों का दस्तावेज़ बताया। दूसरे सत्र में चर्चित व्यंग्यकार ज्ञान चतुर्वेदी की किताब पर चर्चा हुई। उन्होंने कहा, हर युग का साहित्य अपने समय की चुनौतियों से जन्म लेता है। इस अवसर पर विजी श्रीवास्तव, मलय जैन और कुमार अम्बुज भी मौजूद रहे। अगले सत्र में राधावल्लभ त्रिपाठी की किताब 'नया साहित्य, नई संभावनाएं' का लोकार्पण हुआ। नई किताब पर चर्चा करते हुए विजयबहादुर सिंह ने बहुभाषिक लेखन की ज़रूरत और हिंदी में अभिव्यक्ति की गहराई पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर रतनलाल और मनोज

कुलकर्णी के बीच 'धर्मांतरण' पर गंभीर बातचीत हुई। रतनलाल ने कहा कि आंबेडकर का आंदोलन केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सामाजिक क्रांति थी। इसके बाद धनंजय चोपड़ा की किताब 'सच दिखाने का सलीका' पर चर्चा करते हुए वक्ताओं ने आज के दौर को 'विजुअल एक्सप्लोजन' बताया। कहा गया कि फोटो अब शब्दों से च्यादा असर कर रहे हैं। कार्यक्रम के अंतिम सत्र में मंजूर एहतेशाम, मधु कांकरिया और अलका सरावगी की कहानियों का लोकार्पण हुआ।

संस्थापक ▸ गुरुदेव गुप्त

संपादकीय

अपनी ही कंपनियों के नुकसान के चलते क्या टैरिफ वापस लेंगे ट्रंप?

एप्पल' ने भारत से 67,000 करोड़ रुपए कमाए हैं। 'अमेजन' ने 40,000 करोड़ रुपए कमाए हैं। 'गूगल' ने 22-23,000 करोड़ रुपए बनाए हैं और 'मेटा' ने भी लगभग इतनी ही कमाई की है। ये सभी अमरीकी कंपनियां हैं और भारत उनका सबसे बड़ा बाजार है। भारत में इनके प्लांट भी सक्रिय होंगे अथवा स्थापित होने की प्रक्रिया में होंगे! ऐसी कई और अमरीकी कंपनियां होंगी, जो भारत में व्यापार कर रही हैं और मोटा मुनाफा कूट रही हैं। इन कंपनियों के सबसे अधिक ग्राहक और उपयोगकर्ता भी भारत में हैं। यह मुनाफा अमरीका में ही जा रहा है। राष्ट्रपति ट्रंप अब भारत के बारे में क्या सोच रहे हैं? चूंकि अमरीकी कंपनियां भारत में उत्पादन कर रही हैं और माल अमरीकी बाजार में जा रहा है, क्या ट्रंप इन उत्पादों पर भी 50 फीसदी टैरिफ थोपेंगे? बल्कि ट्रंप हर रोज टैरिफ पर सफाई दे रहे हैं। भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के सूत्रों का मानना है कि ट्रंप 100 दिनों के अंतराल में टैरिफ पर पुनर्विचार कर अपने फैसले को वापस ले सकते हैं, लिहाजा उन्होंने सर्वोच्च अदालत से आग्रह किया है कि वह टैरिफ मामले पर यथाशीघ्र सुनवाई कर उसे 'वैध' करार दे। अदालत नवंबर माह में सुनवाई शुरू करेगी, यह पहले से ही तय है। ट्रंप इसलिए भी चिंतित हैं, क्योंकि दुनिया दो ध्रुवों के बीच बंटती जा रही है और अमरीका को 'शीत युद्ध' एक बार फिर शुरू होने की आशंका है। अमरीका की ताकत भी बंटती जा रही है।

अब देश अमरीका की 'दादागीरी' मानते रहने को तैयार नहीं हैं। ट्रंप और अमरीकी मंत्री अब भी भारत को अपना 'परम मित्र' मानते हैं। अमरीकी विशेषज्ञ भी मानते हैं कि देश के राष्ट्रपतियों ने दशकों की मेहनत, कूटनीति, दूरदर्शिता और देशों की लामबंदी के जरिए जो ताकत अर्जित की थी और अमरीका को सबसे बड़ी 25 ट्रिलियन डॉलर से अधिक की अर्थव्यवस्था तक पहुंचाया था, ट्रंप उस पर पानी फेर रहे हैं। भारत को 50 फीसदी टैरिफ से अमरीका ने दबाव में लाने की रणनीति बनाई, लेकिन भारत दूसरे ध्रुव पर रूस और चीन के साथ मिल गया।

उसके समर्थन में 50 अन्य देश, ब्रिक्स और एससीओ के देश आ खड़े हुए। भारत के वाणिज्य-उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने एक साक्षात्कार में खुलासा किया है कि भारत का ऑस्ट्रेलिया और ओमान के साथ व्यापार का करार शीघ्र ही होने जा रहा है। भारत की 50 अन्य देशों के साथ भी निर्यात की संभावनाओं पर बातचीत जारी है। अमरीका के साथ भी नवंबर तक व्यापार-समझौता होना लगभग तय है। भारत आगामी दो सालों के भीतर विश्व की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक महाशक्ति बन सकता है। सवाल यह है कि ट्रंप को भारत से दिक्कत है अथवा रूस और चीन से? भारत ने पलट कर अमरीका पर कोई टैरिफ नहीं थोपा है। अमरीकी कंपनियां भारत की सार्वजनिक और निजी कंपनियों से अरबों डॉलर के करार कर रही हैं।

अमरीकी राष्ट्रपति के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रहे अधिकारी ने अमरीका में मंदी की संभावनाओं को लेकर राष्ट्रपति को सचेत किया है। ऐसे भी विश्लेषण सामने आए हैं कि एक-तिहाई उद्योग पहले से ही आर्थिक संकट झेल रहे हैं। ऐसे में भारत के साथ कारोबार कम क्यों किया जा रहा है? टैरिफ का कोई औचित्य नहीं है, क्योंकि रूस के साथ भारत, चीन के अलावा अमरीका और यूरोपीय देश भी तेल और गैस का धंधा कर रहे हैं। राष्ट्रपति ट्रंप को आरोप लगाने की अपनी आदत को सुधारना चाहिए। उन्होंने अब चीन पर आरोप चस्पां किया है कि वह अमरीका के खिलाफ साजिश रच रहा है। दरअसल बदलते वैश्विक परिदृश्य में अमरीका अकेला पड़ता जा रहा है। अच्छे संबंधों को सिर्फ टैरिफ तक सीमित कर देखना ट्रंप और अमरीका के लिए नुकसानदायक होगा। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जब शीत युद्ध शुरू हुआ था, तब भी भारत दोनों ध्रुवों से अलग, अपनी गुटनिरपेक्षता के लिए, मजबूती से खड़ा था। बहरहाल जो भी निर्णय लेना है, ट्रंप और अमरीका को लेना है।

बिगड़ते रिश्ते और कम हो रहे रसूख से परेशान हैं ट्रंप

अंतरराष्ट्रीय संबंध

राजेश कुमार आर्य

डोनाल्ड ट्रंप क्यों कह रहे हैं कि अमेरिका ने भारत को खो दिया, वो किस बात से परेशान हैं?

ट्रंप ने राष्ट्रपति बनने के बाद भारत पर टैरिफ लगाया, जिससे दोनों देशों के रिश्तों में तनाव उत्पन्न हुआ है। ट्रंप ने माना कि चीन के कारण भारत और रूस जैसे दोस्त अमेरिका से दूर हो गए हैं। ट्रंप की नीतियों ने भारत को चीन की ओर धकेलने की कोशिश की, जिससे अमेरिका की रणनीति प्रभावित हुई है। डोनाल्ड ट्रंप ने इस साल जनवरी में राष्ट्रपति का दूसरा कार्यकाल शुरू किया। इसके बाद से ही वो अपने बयानों और कार्रवाइयों को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। मेक अमेरिका ग्रेट अगेन के नारे पर दूसरा कार्यकाल हासिल करने वाले राष्ट्रपति ट्रंप अप्रत्याशित व्यक्ति बन गए हैं। वह क्या बयान दे देंगे और कौन सा कदम उठा लेंगे इसका अनुमान लगा पाना कठिन है। उन्होंने भारत पर 50 फीसदी का टैरिफ लगा दिया है। भारत ने उनके इस कदम पर संतुलित प्रतिक्रिया दी। लेकिन दोनों देशों के रिश्तों में थोड़ा तनाव आया है। इस बीच लगता है कि ट्रंप को अपनी गलती का एहसास होने लगा है। उन्होंने शुक्रवार को कहा कि हमने चीन के हाथों भारत और रूस जैसे दोस्त खो दिए। इसके बाद उन्होंने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उनके दोस्त बने रहेंगे।

ट्रंप ने शुक्रवार को अपने ट्रूथ सोशल अकाउंट पर लिखा, ऐसा लगता है कि हमने भारत और रूस को गहरे, अंधेरे चीन के हाथों खो दिया। उम्मीद करता हूं कि उनकी साझेदारी लंबी और समृद्ध हो। अपनी पोस्ट के साथ ट्रंप ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक फोटो भी लगाई थी।

> **क्या भारत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति के बयान क्या इस बात की ओर इशारा कर रहे हैं कि वो अब अपनी कार्रवाई को लेकर प्रायश्चित कर रहे हैं। क्या उन्हें अहसास हो रहा है कि उनकी नीतियों ने भारत को चीन की ओर धकेलने की कोशिश की, जिससे अमेरिका की रणनीति प्रभावित हुई है।**

क्या पश्चाताप की आग में जल रहे हैं ट्रंप : ट्रंप के इस बयान को उनकी आत्मग्लानि के रूप में देखा जा रहा है। ट्रंप के इस बयान के सवाल पर अंतरराष्ट्रीय मामलों के जानकार वरिष्ठ पत्रकार कमर आगा अंग्रेजी के एक मुहावरे का इस्तेमाल करते हुए इसे एडमिशन ऑफ गिल्ट बताते हैं। वो कहते हैं कि देखने वाली बात यह भी है कि उन्होंने अभी तक संबंधों को सामान्य बनाने के लिए कोई पहल नहीं की है, जबकि उन पर भारत के साथ संबंधों को सामान्य बनाने के लिए आंतरिक और बाहरी दोनों तरह का दबाव भी है। एससीओ समित के दौरान चीन से आई इस तरह की तस्वीरों ने अमेरिकी राष्ट्रपति की चिंता बढ़ा दी है। भारत को लेकर पिछले दो दिनों में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के बयान इस बात के संकेत हैं कि चीन और भारत के बीच जमी बर्फ पिघल रही है क्योंकि इसका बड़ा कारण ट्रंप की ओर से भारत पर लगाए टैरिफ हैं। बुद्धिजीवी वर्ग भी अब ट्रंप को अहंकारी व्यक्ति बताने लगा है। अहंकार की वजह से ही उन्होंने दोस्त और दुश्मन में भेद न करते हुए, दोनों के साथ एक समान व्यवहार किया।

कैसे रहे हैं भारत-अमेरिका संबंध : पिछले तीन दशक से सभी अमेरिकी राष्ट्रपतियों ने भारत से संबंधों बहुत संजो कर रखा था। लेकिन ट्रंप ने उसे अपनी सनक से खराब करने की कोशिश की है। ऐसा लगता है कि ट्रंप के सलाहकारों ने ट्रंप को यह समझाया होगा कि अमेरिका की इंडो-पैसिफिक नीति भारत के बिना अधूरी है और भारत को इस तरह चीन की तरफ धकेल देने से हम अलग-थलग पड़ जाएंगे। ट्रंप को भारत की सैन्य ताकत का भी एहसास कराया गया होगा, क्योंकि आज दुनिया में भारत उन गिने-चुने देशों में शामिल है, जो सैन्य मामले में शक्ति संपन्न हैं, जब रूस और चीन एक साथ हो रहे हैं, ऐसे समय में भारत का साथ छोड़ देने से अमेरिका के पास कोई ताकतवर देश नहीं बचेगा। यह स्थिति अमेरिका के लिए नुकसानदायक हो सकती है। भारत ही एक ऐसा देश है, जिसने पिछले तीन दशक में चीन का मुकाबला किया है और उसके सामने डटकर खड़ा रहा है। क्वाड (अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया और भारत) में शामिल देशों में से भारत को छोड़कर किसी भी देश की सीमा चीन से नहीं लगती है। इसलिए अमेरिका को लगा होगा कि भारत ही एक ऐसा देश है, जो चीन के सामने खड़ा हो सकता है, इसलिए उन्हें लगा होगा कि उसे भी नाराज कर देना ठीक नहीं है।

अमेरिका की विदेश नीति में भारत का स्थान : अमेरिकी विदेश नीति में भारत एक महत्वपूर्ण देश है। भारत के बिना इंडो-पैसिफिक अपूर्ण है। भारत किसी के दबाव में नहीं आता है, वह अपने हित के फैसले खुद लेता है। भारत की हर सरकार ने ऐसा ही किया है। ट्रंप ने शायद सोचा था कि टैरिफ लगा देने से भारत दबाव में आ जाएगा। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। शायद अमेरिका को ये चीजें समझ नहीं आई थीं, लेकिन अब उन्हें समझ में आने लगा है। उम्मीद है कि भारत-अमेरिका संबंध जल्द ही सामान्य हो जाएंगे। भारत के लिए भी अमेरिका बहुत महत्वपूर्ण है। दोनों जगह लोकतंत्र और कानून का शासन है, लाखों भारतीय वहां काम करते हैं और पढ़ते हैं और वहां की अर्थव्यवस्था में योगदान देते हैं। इसलिए ऐसा नहीं लगता है कि अकेले ट्रंप या उनकी नीतियां भारत-अमेरिका संबंधों को बहुत अधिक नुकसान पहुंचा पाएंगी।

अमेरिकी भी हैं डोनाल्ड ट्रंप से नाराज : अमेरिकी विशेषज्ञ भी इसी तरह की बातें कह रहे हैं। जॉन बोल्टन, ट्रंप के पहले कार्यकाल में अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार थे। वो भारत के साथ बिगड़ते रिश्ते को लेकर बहुत सख्त हैं। इसके लिए वो ट्रंप की मुखर आलोचना करते रहते हैं। कुछ दिन पहले बोल्टन ने कहा था कि डोनाल्ड ट्रंप के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बहुत अच्छे व्यक्तिगत संबंध थे, लेकिन अब वह खत्म हो गए हैं। बोल्टन यहां तक भी कह चुके हैं कि रूस पर लगाई गई पाबंदियां भारत को उसका तेल खरीदने से नहीं रोक सकती हैं।

एक ब्रिटिश मीडिया हाउस से बोल्टन ने कहा था कि चीन अब खुद को अमेरिका का विकल्प की तरह पेश करने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा था, मोदी की चीन में मौजूदगी मुझे पूरी तरह से ट्रंप के कारण लगती है। पिछले कई महीनों में ट्रंप ने भारत के साथ जिस तरह का व्यवहार किया है, उसने दशकों की मेहनत को पीछे धकेल दिया है। भारत को रूस से दूर करके यह समझाने की कोशिश की गई थी कि भारत के लिए सबसे बड़ा खतरा चीन है, लेकिन अब हालात बदल गए हैं।

किस तरफ है भारत की जनता का मन : पिछले दो-तीन दशक में पहली बार भारतीय जनता का मन अमेरिका के खिलाफ है, इससे पहले ऐसा नहीं होता था, भारतीय जनता के लिए अमेरिका ड्रीम डेस्टिनेशन बना हुआ था। लोग वहां काम करना चाहते थे, वहां बसना चाहते थे और वहां के विश्वविद्यालयों में पढ़ना चाहते थे। लेकिन अब लोगों की भारत की रणनीतिक स्वायत्तता पसंद आ रही है, लोग अब यह कह रहे हैं कि इस तरह से हमें कभी रूस ने परेशान नहीं किया। इसलिए अब चीन के साथ संबंध सुधारने को लेकर भी बात हो रही है। चीन अगर अपनी विस्तारवादी नीतियों से अलग हो जाए तो, भारत और चीन दुनिया को एक नया आकार दे सकते हैं। भारत और चीन विकासशील देश हैं और दोनों के पास दुनिया का दुनिया की 20 फीसदी से अधिक की आबाद है, जिनमें युवाओं की संख्या सबसे अधिक है और दोनों के पास मैन पॉवर और रिसोर्स भी है, ऐसे में अगर दोनों देशों के संबंध अच्छे हो जाएं तो वो केवल दक्षिण एशिया के लिए नहीं बल्कि सभी विकासशील देशों के लिए अच्छा कर सकते हैं। इस बात को अब हमारे नीति-निर्माता भी समझ रहे हैं और वो अमेरिका वाले कंफर्ट जोन से बाहर आ रहे हैं। भारत जैसे विकासशील देश के लिए अपने नीतियों में बदलाव करना कोई बड़ी बात नहीं है। भारत ने उस समय अमेरिका का सामना किया था, जब वह आज जितना मजबूत नहीं था।

वहीं चीन के साथ भारत की बढ़ती नजदीकियों के हवाले से देखें तो चीन हमारा पड़ोसी है और हमारे लिए महत्वपूर्ण देश है। भारत का सारा जोर विकास पर है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तो यहां तक कहा है कि युद्ध का समय अब समाप्त हो गया है। इसके बाद से दोनों देशों के संबंध सुधर रहे हैं और सीमा पर हालात भी सामान्य होने की प्रक्रिया में हैं। दोनों देशों में 127 अरब डॉलर से अधिक का व्यापार है।

रील्स की दुनिया और गुम होते सामाजिक आदर्श

सरोकार

डॉ. प्रियंका सौरभ

गांव की चौपाल से लेकर शहर की बैठकों तक, हर सभा और हर संस्थान में महापुरुषों की तस्वीरें लगती थीं। बच्चे इन्हीं के किस्से सुनकर बड़े होते थे। रोल मॉडल होना मतलब था दूसरों को प्रेरित करना, समाज को दिशा देना और भविष्य की पीढ़ी को ऊँचाइयों तक पहुँचाना।

समय बदल गया। तकनीक और सोशल मीडिया ने पूरी तस्वीर उलट दी। अब रोल मॉडल का अर्थ समाज में गहरी छाप छोड़ने वाला महापुरुष नहीं, बल्कि वह व्यक्ति हो गया है जो कैमरे पर सबसे ज़्यादा शोर मचाए, जो सबसे अजीब हरकतें करे और जिसकी वीडियो सबसे ज़्यादा वायरल हो जाए। आज जिनके नाम युवा ज़ुबान पर हैं, वे न तो किसी आंदोलन के नायक हैं और न ही किसी बड़े विचारधारा के संवाहक। वे हैं जो केवल हंसी-मज़ाक, तड़क-भड़क या दिखावे के दम पर मशहूर हो गए।

विडंबना यह है कि लोग इन्हें देखकर अपना समय, ऊर्जा और कभी-कभी अपनी सोच भी खर्च कर देते हैं। गाँव-गाँव और गली-गली में आज बच्चे और युवा इन्हीं यूट्यूब चैनलों, टिकटॉक-स्टाइल रीलों और इंस्टाग्राम लाइव वालों को अपने आदर्श मानने लगे हैं। जहाँ पहले बच्चे कहते थे कि वे बड़े होकर भगत सिंह या अंबेडकर जैसे बनना चाहते हैं, वहीं अब बहुत से बच्चे कहते मिलेंगे कि वे यूट्यूबर, ब्लॉगर या इंफ्लुएंसर बनना चाहते हैं।

सोशल मीडिया का यह चलन केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं है। यह धीरे-धीरे हमारे समाज की सोच और संस्कारों को प्रभावित कर रहा है। जब कोई महिला सिर्फ़ ध्यान खींचने के लिए अपने निजी रिश्तों को पब्लिक प्लेटफॉर्म पर प्रदर्शित करती है, जब पति-पत्नी की नोंकझोंक मनोरंजन बन जाती है, तब यह स्पष्ट हो जाता है कि हमारे समाज का एक बड़ा हिस्सा मनोरंजन और मज़ाक के नाम पर गंभीर मूल्यों से दूर होता जा रहा है।

> **भारत की सामाजिक चेतना कभी गांधी, नेहरू, भगत सिंह, अंबेडकर और सुभाष जैसे महापुरुषों की कहानियों से गढ़ी जाती थी। आज वही जगह सोशल मीडिया के वायरल सितारों ने ले ली है। लाखों फॉलोअर्स और लाइक्स वाले ब्लॉगर और रील-निर्माता युवाओं के नए रोल मॉडल बन बैठे हैं। मनोरंजन के नाम पर यह संस्कृति असली आदर्शों को धुंधला कर रही है। सवाल यही है कि क्या हमारी अगली पीढ़ी त्याग और संघर्ष की विरासत को याद रखेगी या सिर्फ ट्रेंडिंग वीडियो तक सीमित रह जाएगी?**

यह बदलाव खतरनाक इसलिए है क्योंकि समाज वही बनता है जैसा वह अपने आदर्श चुनता है। अगर रोल मॉडल ऐसे लोग होंगे जो सिर्फ़ ताली और व्यूज के लिए अजीबोगरीब हरकतें करते हैं, तो आने वाली पीढ़ी त्याग और संघर्ष की जगह केवल सस्ते लोकप्रियता के रास्ते तलाशेगी। असली मेहनत, पढ़ाई, चिंतन और सामाजिक योगदान हाशिए पर चला जाएगा।

यह कहना भी गलत नहीं होगा कि इस ट्रेंड का एक आर्थिक पहलू भी है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स ने लोकप्रियता को सीधा पैसे से जोड़ दिया है। जिसके वीडियो ज़्यादा चलेंगे, वह कमाई भी ज़्यादा करेगा। इस कारण लाखों युवा बिना सोचे-समझे इसी राह पर दौड़ पड़े हैं। वे समझते हैं कि समाज की सेवा करने से ज़्यादा फायदेमंद है एक मज़ाकिया वीडियो बनाना। यही कारण है कि महापुरुषों की जीवनी पढ़ने वाले युवाओं की संख्या घटती जा रही है, जबकि कंटेंट क्रिएटर बनने वाले युवाओं की भीड़ बढ़ती जा रही है।

लेकिन क्या यह स्थिति स्थायी है? क्या सचमुच समाज आदर्शों से इतनी जल्दी विमुख हो जाएगा? इसका उत्तर इतना सरल नहीं है। इतिहास गवाह है कि हर समाज में एक समय ऐसा आता है जब मूल्य खोखले लगने लगते हैं और दिखावा ज़्यादा प्रभावी हो जाता है। अंततः वही समाज आगे बढ़ता है जो अपने सच्चे आदर्शों को याद रखता है। भारत जैसे देश में, जिसकी आत्मा स्वतंत्रता संग्राम और सामाजिक न्याय की लड़ाई से गढ़ी गई है, वहाँ के लोग सदा के लिए महापुरुषों को भूल नहीं सकते।

ज़रूरत है एक संतुलन बनाने की। मनोरंजन और तकनीक जीवन का हिस्सा हैं, लेकिन इन्हें आदर्श नहीं बनाया जा सकता। रोल मॉडल वही हो सकते हैं जो समाज को आगे ले जाएँ, जो इंसानों में विश्वास और प्रेरणा जगाएँ, जो भविष्य की पीढ़ी को त्याग, साहस और सेवा का रास्ता दिखाएँ। आज भी ऐसे लोग हमारे बीच मौजूद हैं- वैज्ञानिक, शिक्षक, किसान, सैनिक, डॉक्टर, सामाजिक कार्यकर्ता- जो चुपचाप अपनी मेहनत और ईमानदारी से देश को आगे बढ़ा रहे हैं। समाज को चाहिए कि वह इनकी कहानियों को बच्चों और युवाओं तक पहुँचाए।

मीडिया और शिक्षा जगत की भी जिम्मेदारी है कि वे केवल सस्ते मनोरंजन को मंच न दें, बल्कि असली नायकों की गाथाएँ उजागर करें। स्कूलों और कॉलेजों में महापुरुषों की जीवनी को फिर से पढ़ाया जाए, स्थानीय स्तर पर समाज सेवियों और कर्मठ लोगों को सामने लाया जाए। तभी हम उस खोए हुए संतुलन को वापस पा सकेंगे जहाँ मनोरंजन अपने स्थान पर रहे और आदर्श अपने स्थान पर।

आज जब हम पीछे मुड़कर देखते हैं और अपने पूर्वजों की विरासत को याद करते हैं, तो साफ़ दिखता है कि हमें जिन महापुरुषों ने यह देश और समाज दिया, वे किसी रील, किसी ट्रेंड और किसी तात्कालिक लोकप्रियता का हिस्सा नहीं थे। उन्होंने कठिन रास्ता चुना, संघर्ष किया और अपने जीवन को समाज और राष्ट्र के नाम कर दिया। उनकी तुलना में आज के ट्रेंडिंग सितारे बहुत हल्के और अस्थायी हैं।

समाज को यह समझना होगा कि रोल मॉडल केवल वे नहीं होते जिनके लाखों फॉलोअर्स हों, बल्कि वे होते हैं जो अपने जीवन से, अपने विचारों से और अपने संघर्ष से दूसरों को सही दिशा दिखाते हैं। अगर हम इसे समझ पाएँ, तो शायद फिर से हमारी अगली पीढ़ी भगत सिंह, अंबेडकर जैसे आदर्शों को अपना मार्गदर्शक बनाएगी, न कि कूल्हे मटकाण वाले किसी ब्लॉगर को।

प्रसंगवश

मणिपुर में पहला बड़ा समझौता क्या अब होगी शांति की सुबह?

राज्य में मैतेई समुदाय को जनजाति का दर्जा देने के सवाल पर उभरा संघर्ष वहां कुकी और मैतेई समुदायों के बीच ऐसी दूरी पैदा कर चुका है, जिसका हल निकालना अब तक संभव नहीं हो सका है।

करीब सवा दो साल के बीच मणिपुर में यह अहम मौका है जब सरकार और कुकी समुदाय के बीच स्थायी समाधान की खोज के लिए एक सहमति बनी है और राज्य में शांति की उम्मीद जगी है। इससे पहले राज्य में जारी संघर्ष के बीच संबंधित पक्षों की अपनी शर्तों की वजह से किसी समझौते तक पहुंचना मुश्किल बना रहा और यही वजह है कि जब कुकी-जो के दो प्रमुख संगठनों और सरकार के बीच एक समझौते पर हस्ताक्षर हुए हैं, तब भी इसके जमीन पर उतरने और स्थायी हल को लेकर एक आशंका बनी हुई है।

हालांकि अब तक सबसे बड़ी समस्या यही रही कि संघर्षरत समूहों के बीच संवाद कायम होना ही एक बड़ी चुनौती थी और इसी वजह से समाधान के किसी प्रारूप पर आगे बढ़ना संभव नहीं हो सका। अब गुरुवार को केंद्र और मणिपुर की सरकार के साथ कुकी-जो के दो समूहों के बीच एक नए समझौते पर हस्ताक्षर हुए हैं, जिसके तहत राज्य की क्षेत्रीय अखंडता को बनाए रखने, राष्ट्रीय राजमार्ग-2 को मुक्त आवाजाही के लिए खोलने और उग्रवादी शिविरों को स्थानांतरित करने पर सहमति बनी है।

इसमें कोई दोराय नहीं कि मई 2023 में शुरू हुए टकराव और हिंसा के जटिल हो चुके स्वरूप के बाद अब कुछ अहम बिंदुओं पर हुए समझौते को अंतिम और सबके लिए स्वीकार्य समाधान के तौर पर देखना जल्दबाजी होगी, लेकिन इस बातचीत में सबसे महत्वपूर्ण यह है कि राज्य में हिंसा और संघर्ष से प्रभावित एक मुख्य समूह की नुमाइंगी कर रहे कुकी-जो संगठनों ने भागीदारी की और फिलहाल मणिपुर की क्षेत्रीय अखंडता बरकरार रखने पर सहमति बनी है।

इससे पहले कुकी संगठनों की ओर से यह कई बार कहा गया कि जब तक 'अलग पहाड़ी राज्य' या संघ राज्य क्षेत्र की उनकी मांग पूरी नहीं होगी, तब तक वे किसी समझौते को स्वीकार नहीं करेंगे। यही स्थिति सरकार के लिए सबसे बड़ी चुनौती बनी हुई थी। इस लिहाज से देखें, तो अगर कुकी-जो के दो समूहों और केंद्र तथा राज्य सरकार के बीच क्षेत्रीय अखंडता बरकरार रखने पर सहमति बनी है, तो इसे मणिपुर में जारी टकराव या संघर्ष की स्थिति को खत्म करके स्थायी समाधान की ओर बढ़ने की कोशिश के तौर पर देखा जा सकता है।

> **सरकार और कुकी समुदाय के बीच स्थायी समाधान की खोज के लिए एक सहमति बनी है और राज्य में शांति की उम्मीद जगी है। इस बातचीत में सबसे महत्वपूर्ण यह है कि राज्य में हिंसा और संघर्ष से प्रभावित एक मुख्य समूह की नुमाइंदगी कर रहे कुकी संगठनों ने भागीदारी की और फिलहाल मणिपुर की क्षेत्रीय अखंडता बरकरार रखने पर सहमति बनी है।**

हालांकि इस समझौते के समांतर एक बाधा यह खड़ी हुई है कि मणिपुर में नगाओं की शीर्ष संस्था ने मुक्त आवागमन व्यवस्था को समाप्त करने और भारत-म्यांमा सीमा पर बाड़ लगाने के विरोध में 'व्यापार प्रतिबंध' लागू करने की घोषणा कर दी है। वहीं कुकी-जो परिषद ने कहा कि समझौते को मैतेई आबादी और कुकी जो के इलाकों के बीच के 'बफर जोन' में किसी तरह की आवाजाही के रूप में नहीं समझा जाए; लोगों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है। जाहिर है, कुकी-जो समूहों के साथ बनी सहमति के बावजूद राज्य में स्थायी समाधान और पूर्ण शांति की फिलहाल सिर्फ उम्मीद की जा सकती है।

गौरतलब है कि राज्य में मैतेई समुदाय को जनजाति का दर्जा देने के सवाल पर उभरा संघर्ष वहां कुकी और मैतेई समुदायों के बीच ऐसी दूरी पैदा कर चुका है, जिसका हल निकालना अब तक संभव नहीं हो सका है। वहां जातीय हिंसा के क्रम में कई महिलाओं पर बर्बर अत्याचार किए गए और अब तक ढाई सौ से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है। यह समझना मुश्किल है कि अब जाकर केंद्र और राज्य सरकार ने कुकी-जो संगठनों के साथ संवाद कायम करके शांति की राह में जो कदम बढ़ाए हैं, इस तरह की पहल पहले क्यों नहीं हो सकती थी।

।।गीता।।

श्लोक

विद्याभ्यास स्तपो
ज्ञानमिन्द्रियाणां च संयमः।
अहिंसा गुरुसेवा च
निःश्रेयसकरं परम॥

भावार्थ

श्री कृष्ण अर्जुन से कहते हैं- हे पार्थ विद्याभ्यास, तप, ज्ञान, इंद्रिय-संयम, अहिंसा और गुरुसेवा ये परम् कल्याणकारक हैं।

जीवन दर्शन

दूसरों को भी प्रेरित करती है आध्यात्मिक पथ की शुरुआत

सामान्यतः यह माना जाता है कि लोग इसलिए नहीं बदलते क्योंकि कोई उन्हें बदलने के लिए कहता है बल्कि वे इसलिए बदलते हैं क्योंकि वे दूसरों के उदाहरण के माध्यम से लाभ देखते हैं। हमें अपने सिद्धांतों पर टिके रहने से नहीं डरना चाहिए, भले ही बाकी सभी लोग असहमत क्यों न हों। हमें अकेला महसूस नहीं करना चाहिए क्योंकि प्रभु हमेशा हमारे साथ हैं। अध्यात्म का मार्ग अनेक अनुभवों से भरी यात्रा है जिसमें कई ऐसे मोड़ भी होते हैं जिनका हमें पहले कभी पता नहीं होता।

हमें अपने सिद्धांतों पर टिके रहना चाहिए, भले ही हमारे दोस्तों में अकेले केवल हम ही बचे हों।

हमें अकेला महसूस नहीं करना चाहिए क्योंकि प्रभु हमेशा हमारे साथ हैं। अध्यात्म का मार्ग अनेक अनुभवों से

भरी यात्रा है जिसमें कई ऐसे मोड़ भी होते हैं जिनका हमें पहले कभी पता नहीं होता। अक्सर जब हम पहली बार अपनी आध्यात्मिक यात्रा की शुरूआत करते हैं तो उस समय हमें लगता है कि हम अकेले हैं। हमारे आस-पास के लोग हमें साधारण व्यक्तियों से कुछ अलग करते हुए देखते हैं। उदाहरण के लिए हम अपने परिवार में अकेले हो सकते हैं जो ध्यान-अभ्यास करते हैं। हमारे दोस्तों के बीच हम एकमात्र शाकाहारी हो सकते हैं या ऐसे हो सकते हैं जो दूसरों की आलोचना करने से परहेज करते हैं। ऐसे में हमारे कार्यों को अजीब या कमजोरी के रूप में माना जा सकता है। बहुत से व्यक्ति क्रोध, अहंकार और स्वार्थ के शिकार हो सकते हैं लेकिन हम अहिंसा, नम्रता और निष्काम सेवा जैसे नैतिक गुणों को अपनाकर जीने की कोशिश कर रहे होते हैं। हममें से जिन्होंने अकेले आध्यात्मिक यात्रा पर शुरूआत की है उन्हें ध्यान-अभ्यास का मार्ग, शाकाहारी जीवन शैली को अपनाना, नशीले पदार्थ व शराब से परहेज करना और अहिंसा जैसे नैतिक गुणों का पालन करना चाहिए। हमें अपने सिद्धांतों पर टिके रहना चाहिए, भले ही हमारे दोस्तों में अकेले केवल हम ही बचे हों। समय के साथ-साथ वे लोग भी हमारे साथ शामिल हो जाएंगे।

संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

मौसम अपडेट

प्रदेश के चार महानगरों का तापमान

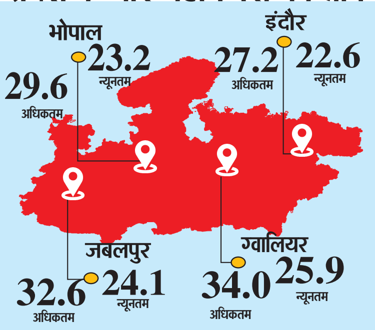

देश के चार महानगरों का तापमान

	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	34.4	25.1
मुंबई	29.5	24.0
चेन्नई	39.0	22.0
कोलकाता	33.6	27.6

सूर्यास्त 6:33 PM
सूर्योदय 6:33 AM
चन्द्रोदय 6:22 AM
चन्द्रास्त 5:23 PM

80 साल के वृद्ध की कार ने बाइक को मारी टक्कर, दो महिलाओं समेत 3 मृत

चार घायलों में से तीन गंभीर, मां और बेटे की मौत, कार चालक वृद्ध भी घायल

जागरण, जबलपुर। 80 साल की उम्र में ड्राइविंग कर रहे वृद्ध की कार से जबलपुर से 40 किमी दूर भीषण हादसा हो गया। कार ने एक बाइक को टक्कर मार दी। इससे मां और बेटे की मौत हो गई। हादसे के दौरान कार की रफ्तार इतनी तेज थी कि सड़क पर पैदल चल रहे लोग भी इसकी चपेट में आ गए। इससे पैदल चल रही एक महिला की भी मौत हो गई। कार भी नाले में गिरते-गिरते बची।

यह दर्दनाक हादसा शहर के शहपुरा-पाटन रोड पर हुआ। पुलिस के मुताबिक शहपुरा निवासी शकीला बी (45) अपने बेटों- रमजान उर्फ शोहेब (19) और फैजान (12) के साथ बाइक से पाटन गई थी। शनिवार रात लौटते समय ग्वारी गांव के पास पीछे से आ रही सफेद क्रेटा कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में शकीला की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि शोहेब ने रविवार सुबह इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पैदल जा रही फागनी बाई (60) भी कार की चपेट में आ गई। टक्कर इतनी तेज थी कि महिला का देर रात तक कहीं पता नहीं चल सका। रविवार सुबह उसका शव घटनास्थल पर के पास 20 फीट गहरे नाले में मिला। वह ग्वारी गांव की रहने वाली थी। जबकि क्रेटा चालक लखन सिंह (80) समेत चार लोग घायल हैं, जिन्हें जबलपुर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कार की टक्कर के बाद बाइक सड़क किनारे लगी लोहे की रेलिंग से टकराकर चकनाचूर हो गई। यदि रैलिंग नहीं होती तो कार भी नाले में गिर सकती थी। पुलिस के मुतबिक घायल लोग अभी बयान देने की स्थिति में नहीं हैं। पुलिस कार के नंबर के आधार पर यह पता लगाने में जुटी है कि इसमें सवार लोग किस जगह के रहने वाले हैं। पाटन थाना प्रभारी गोपेन्द्र सिंह राजपूत ने सड़क हादसे के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पाटन निवासी शकीला बी पति शेख रफीक (45) साल अपने बेटे शोएब और फैजान के साथ शनिवार की शाम को रिश्तेदारी में गमी होने के कारण शाहपुरा जा रही थी।

खंडवा में वन विभाग के तालाब में डूबने से दो सगी बहनों की मौत

जागरण, खंडवा। तालाब में डूबने से रविवार को दो सगी बहनों की मौत हो गई। दोनों के शव बरामद कर लिये गये हैं। बताया जा रहा है कि चार बहनें जंगल में बने तालाब पर कपड़े धोने गई थीं, इनमें से दो बड़ी बहनें डूब गईं। घटना के बाद दो मासूम बहनों ने घर जाकर बताया। तब परिजन पहुंचे और तालाब में सर्चिंग की। दरअसल घटना जिले के जावर थाना क्षेत्र के ग्राम भकराड़ा में शाम 4 बजे की बताई जा रही है। भकराड़ा के जनपद सदस्य बृजेंद्रसिंह पंवार के मुताबिक, दोनों बहनें आदिवासी भिलाला समाज की हैं। उनके घर से कुछ ही दूरी पर जंगल में वन विभाग का तालाब बना हुआ है। जहां वो अक्सर कपड़े धोने जाती थी। रविवार को भी चार बहनें कपड़े धोने गई थीं। इनमें दो बहनें डूब गईं। ग्रामीणों की सूचना देने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शाम 5 बजे दोनों के शव बरामद कर लिए गए। फिलहाल पंचनामा कार्रवाई कर शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए जावर अस्पताल भेजा गया है।

8 और 12 साल उम्र की थीं दोनों बहनें : शिवानी (8) और सपना (12) दोनों सगी बहने थीं, जो दोपहर 2 बजे अपनी 3 और 4 साल की दो छोटी बहनों के साथ तालाब पर कपड़े धोने के लिए गई थी। इन बहनों के अलावा वहां और कोई मौजूद नहीं था। प्रारंभिक तौर पर डूबने से मौत की जानकारी हैं। मृत बहनों के पिता सुनील मजदूरी करते हैं। फिलहाल, जावर पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

पीथमपुर के प्लांट में गैस रिसाव दम घुटने से तीन कर्मचारियों की मौत

ऑयल कंपनी में प्लांट में हादसा

जागरण, इंदौर। इंदौर के पास औद्योगिक क्षेत्र पीथमपुर में गैस का रिसाव हो गया। प्लांट में गैस रिसाव होने से आसपास काम कर रहे श्रमिक व कर्मचारी इसकी चपेट में आने लगे। एक मजदूर के बेहोश होते ही वहां काम कर रहे दो श्रमिक उसे बचाने पहुंचे तो उनका भी सिर चकराने लगा। तीनों को प्रबंधन द्वारा इंदौर के एमवाय हास्पिटल भेजा गया। मगर अस्पताल पहुंचने के पहले ही तीनों ने दम तोड़ दिया।

यह हादसा रविवार शाम सागर श्री ऑयल कंपनी के पीथमपुर प्लांट में हुआ। यहां शाम को अचानक गैस रिसने लगी। धीरे-धीरे यह गैस प्लांट में सभी जगह फैलने लगी। घटना बगदून थाना क्षेत्र है। कंपनी मैनेजर ने भी इसकी पुष्टि की है। बताया जाता है कि शाम को प्लांट में काम चल रहा था, तभी अचानक गैस लीकेज हुई। इसकी चपेट में सबसे पहले एक मजदूर आया, जो उस लीकेज पाइंअ के सबसे करीब था, वह मौके पर ही बेहोश हो गया। भनक लगते ही उसके दो साथी उसे उठाने पहुंचे। मगर लीकेज बढ़ा होने और उस जगह पर गैस भरी होने से वे दोनों भी चपेट में आ गए। गैस की चपेट में आए कर्मचारियों के नाम सुनील (35), दीपक (30) और जगदीश निवासी इंडोरमा पीथमपुर बताए जा रहे हैं। मैनेजमेंट द्वारा तत्काल तीनों को प्लांट से बाहर निकालकर नजदीक के अस्पताल ले जाया गया। मगर हालत ज्यादा बिगड़ चुकी थी। इसलिए उन्हें एमवाय अस्पताल भेजा गया। मगर उनकी जान नहीं बच सकी। तीनों कर्मचारी को बेहोशी की हालत में एमवाय अस्पताल ले जाया गया था। डॉक्टरों ने तीनों को चेकअप के बाद मृत घोषित कर दिया। इससे गैस रिसाव से प्लांट में काम कर रहे अन्य कर्मचारियों व श्रमिकों में भी बेचैनी बढ़ गई। हालांकि स्थानीय पुलिस देर रात तक पूरी घटना से अनभिज्ञ बनी रही। प्रबंधन और अस्पताल की ओर से भी पुलिस को कोई सूचना नहीं मिल सकी थी। बाहरी सूचना पर पुलिस की टीम प्लांट में पहुंची तो वहां कोई जानकारी देने वाला भी कोई नहीं मिला।

सफाई के दौरान घुट गया दम : वहीं, पुलिस को साफ-सफाई के दौरान हादसा होने की जानकारी भी दी गई है। कहा जा रहा है कि प्लांट में कुछ श्रमिक साफ-सफाई करने किसी टैंक में उतरे थे। इसी दौरान हादसा हो गया और दम घुटने से कुछ श्रमिक बेहोश हो गए थे। बाद में उनकी अस्पताल में मौत हो गई। हादसे के बाद प्लांट के बाहर पुलिस बल जरूर तैनात हो गया है। हादसे की जानकारी मिलने के बाद देखने वाले भी लगातार पहुंचने लगे हैं।

स्कूल वैन में भरी थीं शराब की पेटियां, पर्दा हटाते ही खुला राज

जागरण, शहडोल। शहडोल जिले में स्कूल वैन से शराब की तस्करी करने वाला हाथ आया है। इस वैन में 10 पेटी शराब भरी हुई थी। वैन ड्राइवर स्कूल वैन की आड़ में तस्करी कर रहा था। वैन का एक काली स्कॉर्पियो से भी कनेक्शन निकला है, अब पुलिस स्कॉर्पियो की खोज में जुट गई है। बताया जाता है कि पुलिस को स्कूल वैन की आड़ में शराब तस्करी की सूचना मिली थी। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने घेराबंदी कर रखी थी। कार्रवाई करते हुए पुलिस दादर गांव के लिए रवाना हुई। मगर बीच में ही बुढ़वा रोड पर एक पीले रंग की स्कूली वैन दिखाई दी। वैन पर वैष्णवी पब्लिक स्कूल बुढ़वा लिखा हुआ था। पुलिस को देखते ही वैन चालक ने स्पीड बढ़ा दी और भागने की कोशिश की। पुलिस ने चारों तरफ से वैन को घेर लिया और उसकी तलाशी ली तो भारी मात्रा में शराब मिली। वैन की तलाशी में 10 पेटी में कुल 90 लीटर देशी प्लेन शराब जब्त की गई है। वैन में 500 शीशी 180 एम.एल. देशी शराब मिली, जिसकी कुल कीमत 35 हजार रुपए है। स्कूल वैन के 26 वर्षीय ड्राइवर का नाम धर्मेन्द्र बैस पिता बृजवासी बैस निवासी ग्राम झिरिया थाना देवलोंद है। उसने पूछताछ में बताया कि राघवेन्द्र बैस निवासी बुडवा ने काले रंग के स्कार्पियो से शराब लाकर दिया था। शराब को ग्राम दादर ले जाने को कहा था। पुलिस ने राघवेन्द्र बैस पर भी अवैध शराब की तस्करी का मामला दर्ज किया है।

घर के बाहर बैठी महिला और 20 दिन के बच्चे को बस ने रौंदा, गांव में तनाव

जागरण, रायसेन। रविवार का दिन ग्राम नकतरा के लिए कभी न भूलने वाला काला दिन बन गया। सागर से भोपाल जा रही खुशबू कंपनी की तेज़ रफ़्तार यात्री बस बेकाबू होकर घर के बाहर बैठी महिला और उसके बच्चों को रौंदती चली गई। इस दिल दहला देने वाले हादसे में 30 वर्षीय महिला रेखा बाई और उसकी गोद में बैठी 20 दिन की मासूम बच्ची की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 7 वर्षीय बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया है। घायल मासूम का जिला अस्पताल में इलाज जारी है।

दो नवजात की चूहों की कुतरने से मौत के मामले में हुई लापरवाही

नवजात की चार उंगलियां खा गए थे चूहे

जागरण, इंदौर। एमवाय अस्पताल के एनआईसीयू वार्ड में दो नवजात की चूहों के काटने के बाद मौत के मामले में राजनीति गरमा चुकी है। पड़ताल में अस्पताल प्रबंधन के पांच दावे झूठे नजर आ रहे हैं। इतना ही नहीं इस मामले में कलेक्टर-कमिश्नर से भी झूठ बुलवाया गया। बच्ची शायद कुछ दिन और जिंदा रह सकती थी, लेकिन चूहे बच्ची की तीन उंगलियां पूरी खा गए थे। इस कारण बच्ची को इन्फेक्शन हुआ और कार्डियक शॉक की वजह से उसकी मौत हो गई। वहीं शनिवार को अस्पताल में नवजात के परिजन और जयस ने अस्पताल में प्रदर्शन किया। इसके बाद रात में प्रबंधन ने शव माता-पिता को सौंप दिया। शव को पारदर्शी प्लास्टिक में पैक कर बॉक्स में रखा गया था। रात में परिजन धार जिले के रूपवाड़ा गांव पहुंचे। यहां अंतिम संस्कार से पहले बॉक्स खोलकर देखा तो हकीकत सामने आई। बच्ची की तीन उंगलियां गायब थीं। शव देखकर मां मंजू बेसुध हो गई। देर रात गांववालों की मौजूदगी में बच्ची का अंतिम संस्कार कर दिया गया। जानकारी के अनुसार 28 अगस्त को एनआईसीयू में भर्ती धार निवासी मंजू की नवजात बच्ची की मौत हुई थी। शुरुआती जांच में प्रशासन और अस्पताल प्रबंधन ने मौत को सामान्य बताया और चूहों के कुतरने से इंकार किया। कांग्रेस इस केस पर पहले दिन से आक्रामक रही। अब जय आदिवासी संगठन (जयस) भी मैदान में उतर आया है। शनिवार को जयस और कांग्रेस नेताओं ने बच्ची के माता-पिता को अलग-अलग अस्पताल पहुंचाया और वहां जमकर हंगामा हुआ। वहां करीब छह घंटे चले प्रदर्शन के दौरान परिजन ने आरोप लगाया कि उन्हें अस्पताल से तुरंत जाने कह दिया गया था और यह भी कहा गया था कि फोन करने पर जानकारी दी जाएगी, लेकिन उन्हें बच्ची की मौत की खबर 5 दिन तक नहीं दी गई। मामले में अंततः रेडक्रॉस सोसाइटी की ओर से धार निवासी बच्ची के परिवार को 5 लाख की सहायता राशि दी गई, जबकि देवास निवासी दंपती, जिनके नवजात की भी मौत हुई थी, उन्हें कोई आर्थिक मदद नहीं मिली।

बेटे ने साले के साथ मिलकर पिता की कुल्हाड़ी से की हत्या

दो आरोपी गिरफ्तार, हत्या की वजह बनी संपत्ति का लालच

जागरण, शिवपुरी। नरवर थाना पुलिस ने हत्या के सनसनीखेज मामले का महज 48 घंटे में पर्दाफाश कर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। चौंकाने वाली बात यह है कि हत्या किसी और ने नहीं बल्कि मृतक के अपने ही बेटे ने अपने साले के साथ मिलकर की।

नरवर थाना प्रभारी विनय यादव के अनुसार, जांच में सामने आया कि आरोपी पुत्र घनसुन्दर कुशवाह उम्र 21 वर्ष अपनी मां की पैतृक जमीन हड़पना चाहता था। जब पिता इमरतलाल कुशवाह उम्र 50 वर्ष ने इसका विरोध किया तो घनसुन्दर ने अपने साले अंकित कुशवाह के साथ मिलकर पिता को रास्ते से हटाने की साजिश रच डाली। 1 सितंबर को दोनों आरोपी पिता इमरतलाल को सुनसान इलाके में ले गए। पहले उन्हें शराब पिलाई, फिर नशे की हालत में कुल्हाड़ी से निर्मम हत्या कर दी और शव को गोलखांद दरगाह के पास सतनवाड़ा रोड पर फेंक दिया। शुरुआत में बेटे ने ही थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई और अज्ञात लोगों पर शक जताया। लेकिन पुलिस की सूक्ष्म जांच, तकनीकी साक्ष्य और सीसीटीवी फुटेज खंगालने पर शक उसी बेटे और साले पर गया।

सख्ती से पूछताछ में दोनों ने जुर्म कबूल कर लिया। पुलिस ने आरोपियों से हत्या में प्रयुक्त कुल्हाड़ी और दो मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़ के निर्देशन, एएसपी संजय मुले के मार्गदर्शन और एसडीओपी करैरा डॉ. आयुष जाखड़ के नेतृत्व में गठित टीम ने यह सफलता हासिल की। इस खुलासे में थाना प्रभारी निरीक्षक विनय यादव, उनि जूली तोमर, उनि लक्ष्मण सिंह कुशवाह, उप निरीक्षक अभिनव शर्मा, सउनि राधाकृष्ण बंजारा, प्र.आर. सुनील भार्गव, प्रधान आरक्षक हरीकिशन यादव, प्रधान आरक्षक हरिशंकर यादव, आरक्षक गौरव जाट, रामवीर सिंह, भोले सिंह, सलमान खाँन, परमाल, अजय गुर्जर, म.आर. कीर्ती मौर्य और आरक्षक चालक राजबहादुर की सराहनीय भूमिका रही।

पिता की पेंशन नहीं देने पर बेटे-बहू ने मां से की मारपीट

जागरण सोहागपुर। सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारी के बेटा एवं बहू ने अपनी मां नरबदी बाई पति लच्छू उम्र 60 वर्ष निवासी रैपुरा थाना सोहागपुर से पिता की पेंशन की मांग की। मां द्वारा मना करने पर बेटा चंदू एवं बहू बसंती के द्वारा मां नरबदी बाई से मारपीट की गई। मारपीट में चोटिल महिला को सोहागपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार के उपरांत जिला अस्पताल रेफर किया गया है। फरियादी नरबदी ने अपने पति एवं नाती गोविंद के साथ पुलिस थाने पहुंचकर लड़के चंदू एवं उसकी बहू बसंती के विरुद्ध प्रकरण पंजीबद्ध कराया है। महिला के साथ बेटे एवं बहू द्वारा मारपीट उस वक्त की गई जब वह चूल्हे पर रोटी बना रही थी। चंदू एवं बसंती ने गाली गलौज करते हुए बांस के डंडे से मारपीट की। जिससे महिला के शरीर में कई जगह चोटे आई हैं। पुलिस ने मारपीट एवं अन्य धाराओं में प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया है। पितृपक्ष के शुभारंभ के दौरान यह घटना इसलिए शर्मसार करने वाली है क्योंकि पितृपक्ष के दौरान लोग अपने दिवंगत परिजनों की स्मृति में तर्पण क्रिया के साथ दान पुण्य जैसे क्रियाकलाप करते हैं और यहां बेटा बहू के द्वारा जीवित मां-बाप के साथ उक्त प्रकार का आचरण किया जाना सुनने को मिल रहा है।

छेड़खानी से परेशान किशोरी ने की खुदकुशी

विदिशा। शनिवार रात एक किशोरी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों ने उसे फंदे पर लटका देखा। कोतवाली पुलिस ने शव को जिला अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों के अनुसार किशोरी एक युवक की छेड़खानी से परेशान थी। इस वजह से उसकी पढ़ाई भी छूट गई थी। परिवार ने पुलिस में शिकायत की थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इससे आरोपी के हौसले बढ़ते गए। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम किया है। परिजनों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं।

ट्रेनों से मोबाइल चुराकर खातों से रकम निकाल लेता था शातिर

जागरण, इटारसी। जीआरपी इटारसी ने एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है जो ट्रेनों में यात्रियों के मोबाइल चोरी करने में माहिर था। आरोपी शौकत अली जो चोरी के मोबाइल से ऑनलाइन ट्रांजेक्शन कर महंगी वस्तुएं खरीदता था, उसके पास से करीब 20 लाख 10 हजार 800 रुपये का माल बरामद किया गया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक रेल भोपाल, राहुल कुमार लोढ़ा के विशेष अभियान के तहत की गई।

पूरा मामला 3 अगस्त, 2025 का है, जब भोपाल की एक सरकारी अस्पताल में कार्यरत महिला, राजधानी एक्सप्रेस से बेंगलुरु जा रही थी। इटारसी स्टेशन पहुंचने से पहले, उनका बैग, जिसमें एक सैमसंग मोबाइल, 10 ग्राम सोने की चेन और अन्य सामान थे, चोरी हो गया। इस मामले की शिकायत बेंगलुरु जीआरपी में की गई, जिसे बाद में इटारसी जीआरपी को ट्रांसफर कर दिया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए, पुलिस अधीक्षक राहुल लोढ़ा ने तत्काल थाना प्रभारी संजय चौकसे के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की। टीम ने साइबर सेल की मदद से तकनीकी जांच शुरू की।

पूछताछ में आरोपी शौकत अली ने बताया कि वह आसान पासवर्ड वाले मोबाइलों से पेमेंट ऐप्स इंस्टॉल कर लेता था। इसके बाद वह खातों से रकम निकालकर ऑनलाइन गिफ्ट कार्ड खरीदता था और फिर उनसे प्रीमियम मोबाइल फोन जैसे आईफोन खरीदता था।

यह हुआ बरामद : आरोपी के पास से पुलिस ने एक ट्रॉली बैग बरामद किया, जिसमें एक सोने की चेन, 12 नए आईफोन, 12 अन्य प्रीमियम स्मार्टफोन (सैमसंग, वीवो, रियलमी, मोटोरोला आदि) और एक लेनोवो कंपनी का लैपटॉप मिला। बरामद की गई सोने की चेन वही है जो राजधानी एक्सप्रेस में चोरी हुई थी। अन्य मोबाइल और लैपटॉप भी चोरी के हैं।

क्षिप्रा में डूबी कार में मिले टीआई व एसआई के शव, आरक्षक की तलाश

चिंतामन जा रही थी टीम, आरक्षक चला रही थी कार

टीआई शर्मा का हुआ अंतिम संस्कार

रविवार को सुबह-सुबह मिला टीआई शर्मा का शव परिजनों को सौंप दिया गया। देर रात को एसआई मदनलाल का शव भी मिल गया है। हादसे में मृत थाना प्रभारी शर्मा का चक्र तीर्थ घाट पर अंतिम संस्कार किया गया। शर्मा के बड़े बेटे दर्श ने मुखाग्नि दी। यहां एडीजी उमेश जोगा, एसपी प्रदीप शर्मा सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

जागरण, उज्जैन। क्षिप्रा नदी में शनिवार शाम डूबी पुलिस कर्मियों की निकली है। इस कार में तीन पुलिस कर्मी सवार थे। इन तीन में से टीआई और एसआई की लाश रविवार सुबह 4 किलोमीटर दूर मिली। उन्हेंल थाना प्रभारी अशोक शर्मा की है। देर रात एसआई मदनलाल का शव भी बरामद किया गया, जबकि कॉन्स्टेबल आरती पाल की तलाश में दूसरे दिन भी अंधेरा होने तक रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जाता रहा। अभी तक कार भी नहीं मिल सकी है। क्षिप्रा नदी के पुल की बाईं ओर यह कार अनियंत्रित होकर 12 फीट नीचे गिर गई थी। पुल पर घटना के समय तैनात एएसआई ने सफेद कार को अनियंत्रित होकर पुल से गिरते देखा था। मगर देर रात तक रेस्क्यू करने के बाद भी पुलिस, एसडीआरएफ और एनडीआरएफ व होमगार्ड की टीम को कोई सफलता नहीं मिल सकी। रविवार सुबह दोबारा बोट व ड्रोन से शुरू की गई सर्चिंग में आठ बजे घटना स्थल से 4 किमी दूर एक लाश तैरते हुए मिली।

एसपी प्रदीप शर्मा के मुताबिक यह कार आरक्षक आरती पाल चला रही थी। कार में एसआई मदनलाल निमामा भी सवार थे। आरक्षक का शव दोनों के शव रविवार शाम तक भी नहीं मिल सका। पानी का बहाव इतना तेज था कि नदी में गिरते ही कार डूब गई। सर्चिंग टीम को भी काफी परेशानी हो रही है।

परंपरा : पांच दिन तक दूध न खुद पीते हैं और न बेचते हैं गुर्जर समाज के लोग

जागरण तराना। तेजा दशमी से अगले पांच दिनों तक गुर्जर समाज में विशेष परंपरा निभाई जाती है। जिसमें गुर्जर समाज जन अपनी कुल देवी का रोट पूजन करते हैं गुर्जर रोट पूजन में गुर्जर समाज जन पांच दिन में दूध एक बूंद तक नहीं बेचते है। और घर पर छोटे-छोटे बच्चों से लेकर बड़ों तक दूध व दूध से बनने वाले पकवानों का सेवन नहीं करते हैं बिना दूध वाली काली चाय का उपयोग करते हैं पूर्णिमा पर रोट पूजन के दौरान ही दूध व दूध से बनने वाले पकवान तथा घी का उपयोग करते हैं खास बात यह है कि रोट पूजन के साथ ही परिवार में नई बहू का गृह प्रवेश होता है घर परिवार का सामूहिक पूजन के बाद ही दूध का घी बनाकर अन्य समाजजन को घर बुलाकर अलग-अलग दूध से बने पकवान खिलाते हैं। गुर्जर समाज में रोट पूजन कि यह परंपरा भगवान श्री देवनारायण जी का जन्म से जुड़ी बताई जाती है।

बिजनेस प्लस

लक्ष्मीपति कॉलेज में शुभारंभ का भव्य आयोजन

भोपाल। खजूरीकला स्थित लक्ष्मीपति ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन में नवप्रवेशित छात्रों के स्वागत में शुभारंभ 2025 कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महापौर मालती राय उपस्थित रहीं। लक्ष्मीपति ग्रुप के चेयरमैन ओपी बंसल एवं अन्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। प्राचार्य डॉ. लीना डेनियल ने सभी अतिथियों का स्वागत कर संस्थान की विशेषताओं से अवगत कराया। महापौर मालती राय ने संबोधित करते हुए विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना की। विशेष अतिथि नर्मदापुरम संभाग के उप आयुक्त गणेश जायसवाल मोटिवेशनल स्पीकर सी ए मुकेश सिंह राजपूत एवं डॉ. दीपा यादव ने अपने प्रेरक उद्बोधनों से विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। चेयरमैन ओपी बंसल ने शिक्षक दिवस पर सभी शिक्षकों को शुभकामनाएं और छात्रों को उज्जवल भविष्य के लिए मंगलकामनाएं व्यक्त की। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य ने मौजूद सभी अतिथियों और छात्रों का आभार व्यक्त किया।

एलएनसीटी में दो दिवसीय सौश्रृति का समापन

भोपाल। आयुर्वेद के बढ़ते महत्व और आयुर्वेद को वैश्विक मंच पर स्थापित करने के लिए एलएनसीटी यूनिवर्सिटी में दो दिवसीय सौश्रृति 2025 राष्ट्रीय आयुर्वेद सम्मलेन का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में विज्ञान और परंपरा के संगम को दर्शाया गया साथ ही भविष्य के लिए नए मार्ग प्रशस्त किये। मुख्य अतिथि के तौर पर डॉ. उमेश शुक्ल सीईओ प्रिंसिपल पंडित खुशीलाल शर्मा आयुर्वेदिक कॉलेज व चिकित्सालय मौजूद रहे। एलएनसीटी ग्रुप के सचिव डॉ. अनुपम चौकसे ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा आयुर्वेद हमारी परंपरा और संस्कृति का अभिन्न अंग है। आधुनिक चिकित्सा पद्धति और आयुर्वेद के संतुलन से स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। कार्यक्रम में देशभर के विद्वानों और शोधार्थियों ने अपने विचार रखे जो आने वाले वक्त में चिकित्सा को नई दिशा देगा। इस अवसर पर आयुर्वेद शल्प तंत्र विधा में निपुण पांच चिकित्सकों को आचार्य सुश्रुत पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

पारस भारतीय सेना में बने लेफ्टिनेंट

नई दिल्ली। पौड़ी गढ़वाल के बाड़ा गाँव के नेत्र सिंह बिष्ट और उनकी पत्नी नीमा देवी के लिए वह अत्यंत गौरवशाली क्षण था, जब उनका होनहार बेटा पारस भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट के रूप में मां भारती की सेवा का बीड़ा उठाने जा रहा था। मां-बाप जब छह सितंबर को गयाजी (बिहार) में बेटे की पासिंग आउट परेड के साक्षी बने और मां ने बेटे की वर्दी पर सितारे पहनाए तो आंखें छलछला उठीं। अपने लाल को सेना को सौंप कर एक और उत्तराखंडी मां ने अपना फर्ज निभाया। इस मौके पर मां-बाप के अलावा लेफ्टिनेंट पारस के चाचा एवं मामा भी मौजूद थे। पारस एक सामान्य, संघर्षशील और शैक्षिक पृष्ठभूमि वाले परिवार से आते हैं। पिता राष्ट्रीय बाल भवन, नई दिल्ली में सरकारी कर्मचारी हैं। पारस तीन बहनों के इकलौते भाई हैं और शुरू से ही पढ़ाई-लिखाई में काफी होशियार रहे हैं। उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा आंध्रा एजुकेशन सोसायटी, नई दिल्ली से पूरी की और फिर आईपी विश्वविद्यालय, नई दिल्ली से सूचना प्रौद्योगिकी में बीटेक किया। लेकिन सेना में अधिकारी बनने की चाह ने एक मेहनतकश राह दिखाई और एसएससी टेक एंट्री के सभी चरण उन्होंने कुशलतापूर्वक पार कर लिए। पारस की इस उपलब्धि पर उनका परिवार फूला नहीं समा रहा। आखिर बेटे ने कई पीढ़ियों की मेहनत और संघर्ष को साकार जो किया है। पारस का परिवार उत्तराखंड में गहरी जड़ें रखता है। उनके दादा-दादी बलवंत सिंह बिष्ट और सुशीला देवी पौड़ी गढ़वाल के इडवालस्यूं पट्टी के बाड़ा गाँव तथा नाना-नानी सुखदेव सिंह रौथाण और सुशीला देवी का ताल्लुक रुद्रप्रयाग जिले में बच्छणस्यूं पट्टी के नवासू गांव से है। मेहनत और लगन के रूप में पारस की उपलब्धि उत्तराखंड के युवाओं के लिए निश्चित ही प्रेरणा का स्त्रोत है।

क्यों दुखी कर देता है दूसरे का दुख

■ सरस्वती रमेश ■

घड़ी का अलार्म बजते ही श्रेया रोज की तरह अपनी दिनचर्या में जुट गई। वह सब कुछ सहजता से संभाल रही थी, तभी भाई का फोन आया। उसने बताया कि फिर से उसका जॉब में सेलेक्शन नहीं हुआ। यह सुनकर श्रेया का मन बेचैन हो गया। अमेरिका की मार्केट रिसर्च कंपनी टॉकर रिसर्च का हाल ही का अध्ययन बताता है कि 73 प्रतिशत महिलाएं अपने प्रियजनों की चिंता में मानसिक और शारीरिक रूप से भागीदार बनती हैं। वे सिर्फ सहानुभूति नहीं जतातीं, बल्कि मदद के लिए सक्रिय भी होती हैं।

क्यों होती है चिंता

दोस्तों, परिवार या रिश्तेदारों की चिंता करना स्वाभाविक है, लेकिन महिलाएं इसमें भावनात्मक रूप से अधिक गहराई से जुड़ जाती हैं। अध्ययन के अनुसार, इसका एक बड़ा कारण सामाजिक दबाव और रिश्तों की जिम्मेदारी है। महिलाओं को डर होता है कि अगर वे संकट में अपनों का साथ नहीं देंगी तो समाज में उनकी छवि खराब हो जाएगी। साथ ही अगर आज वे दूसरों के दुख में शरीक नहीं होंगी तो कल उनके साथ कौन होगा। महिलाएं रिश्तों को लेकर पुरुषों की तुलना में अधिक संवेदनशील होती हैं, इसलिए दूसरों के तनाव में भी खुद को सहज रूप से शामिल कर लेती हैं।

73 फीसदी महिलाएं दूसरों का स्ट्रेस रोजाना जीती हैं। अपने परिचितों और रिश्तेदारों की परेशानियों से विचलित होना आपके सहृदय होने की निशानी है, लेकिन क्या आप इस तरह की परेशानियों का हल ढूंढती हैं या खुद चिंतित हो जाती हैं?

'कॉग्निटिव डिस्टॉर्शन'

गंगाराम अस्पताल, दिल्ली में क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट डॉ. आरती आनंद बताती हैं, परिवार, रिश्तेदार या दोस्तों की चिंता से परेशान होने की सबसे बड़ी वजह यह है कि महिलाएं दूसरों की परेशानी को अपने साथ जोड़कर सोचने लगती हैं। मसलन, यदि किसी के पति का एक्सीडेंट हो जाए तो वे यह कल्पना करने लगती हैं कि अगर यह घटना उनके साथ होती तो क्या होता। यह सोच उन्हें और अधिक मानसिक तनाव में डाल देती है। इसे 'कॉग्निटिव डिस्टॉर्शन' कहा जाता है। ऐसी स्थिति में नकारात्मक सोचने के बजाय अगर संभव हो तो पीड़ित की मदद करने पर ध्यान दें। साथ ही तनाव कम करने के उपाय अपनाएं, जैसे कि मन की बात दोस्तों से साझा करना या डायरी में लिखना। पॉजिटिव सोचें और भविष्य की कल्पनाओं में उलझने की जगह वर्तमान पर ध्यान केंद्रित करें।

अपना दुख साझा न करना

महिलाएं दूसरों के दुख को अपने दिल में समेट लेती हैं और अक्सर अपनी भावनाओं को छुपा कर रखती हैं, ताकि परिवार में कोई परेशानी न हो। अध्ययन के अनुसार, केवल 18 प्रतिशत महिलाएं अपनी चिंता पति या परिवार के साथ साझा करती हैं। 52 प्रतिशत महिलाएं अंदर से परेशान होने के बावजूद बाहर से ठीक होने का दिखावा करती हैं। वे यह सोचती हैं कि वे अकेले ही समस्या का समाधान निकाल लेंगी, भले ही इसके लिए उन्हें भीतर से बहुत घुटन सहनी पड़े। इस वजह से उनकी मानसिक चिंता और तनाव बढ़ जाता है।

कब शुरू होता है तनाव : आज की कामकाजी महिलाओं की जिंदगी एक दौड़ती ट्रेन जैसी हो गई है, जिसमें एक काम खत्म होते ही दूसरा शुरू हो जाता है। अध्ययन भी बताता है कि 15 प्रतिशत महिलाएं बिस्तर से उठते ही तनाव महसूस करती हैं, जबकि 10 प्रतिशत सुबह के कामकाज के दौरान तनाव में आ जाती हैं। ऐसे में अगर किसी दोस्त या रिश्तेदार की परेशानी से जुड़ा कॉल या मैसेज आ जाए तो मानसिक बोझ और बढ़ जाता है। यह स्थिति खासकर जेनरेशन एक्स (1965-1980 के बीच जन्मीं) की महिलाओं में सबसे लंबे समय तक बनी रहती है।

स्वभाव का भी मामला

चिंता करना महिलाओं के स्वभाव का हिस्सा है। बच्चे को मामूली चोट लगने पर भी घर की महिलाएं सबसे पहले और ज्यादा चिंता जताती हैं। यहां तक कि जब कोई बाहरी तनाव न भी हो, तब भी महिलाएं किसी न किसी व्यक्तिगत चिंता में डूबी रहती हैं। अध्ययन बताता है कि एक सामान्य महिला रोजाना औसतन पांच घंटे तनाव में बिताती है, खासकर युवा पीढ़ी की महिलाएं, जैसे जेनरेशन जेड (1997-2012 के बीच जन्मीं) और मिलेनियल (1981 से 1996 के बीच जन्मीं) प्रतिदिन लगभग छह घंटे तनाव महसूस करती हैं।

ताने, तकलीफों और तलाक के बाद बनीं न्याय की आवाज

दिव्या की कहानी बताती है कि परिस्थितियां चाहे जितनी भी कठिन हो, आत्मबल और परिवार के सहयोग से जीवन में कोई भी लक्ष्य पाया जा सकता है। उनका संघर्ष आज लाखों महिलाओं के लिए एक मिसाल है कि हर अंत एक नए आरंभ का संकेत होता है।

प्रेरणा

रवि सिंह। दिव्या शुक्ला की कहानी उन लाखों महिलाओं के लिए प्रेरणा है जो कठिन परिस्थितियों में हार मान लेती हैं। बिलासपुर में जन्मी दिव्या का बचपन पढ़ाई से ज्यादा खेलकूद और मस्ती में बीता। स्कूल की पढ़ाई में उनका कभी मन नहीं लगा। किसी तरह उन्होंने बीए और एमए (इतिहास) तक पढ़ाई पूरी की। एमए के बाद उनका विवाह गोंदिया, महाराष्ट्र के एक प्रतिष्ठित परिवार में हुआ। लेकिन विवाह के कुछ दिन बाद ही उनके पति ने कह दिया कि वे उन्हें पसंद नहीं करते और अपना खर्च तुम्हें खुद उठाना होगा, यह सुनकर दिव्या स्तब्ध रह गईं। ससुराल में उन्हें शारीरिक और मानसिक हिंसा, अपमान और उपेक्षा का सामना करना पड़ा। पति उनकी शिक्षा और व्यक्तित्व का मजाक उड़ाते, दूसरी महिलाओं से तुलना करते और मार-पीट करते थे। पति के लगातार उत्पीड़न से तंग आकर उन्होंने बिना किसी कानूनी लड़ाई के पारस्परिक सहमति से तलाक ले लिया और मायके लौट आईं। उन्होंने लॉ की पढ़ाई में दाखिला लिया, बिलासपुर कोर्ट में एक वरिष्ठ अधिवक्ता के साथ प्रैक्टिस शुरू की। इसी दौरान छत्तीसगढ़ सिविल जज की परीक्षा दी, मुख्य परीक्षा तक पहुंचीं लेकिन इंटरव्यू में असफल रहीं।

दिव्या शुक्ला
विशेष लोक अभियोजक
भोपाल पॉक्सो कोर्ट

सामाजिक ताने बने नई प्रेरणा का कारण

तलाक के बाद समाज और रिश्तेदारों के ताने झेलते हुए भी दिव्या ने हार नहीं मानी। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा निकली सहायक जिला अभियोजन अधिकारी की परीक्षा दी और सफलता प्राप्त की। आज वे राजधानी भोपाल में पॉक्सो कोर्ट में विशेष लोक अभियोजक के रूप में कार्यरत हैं, जहां हर दिन वे बच्चों के साथ हुए अपराधों के खिलाफ न्याय की लड़ाई लड़ रही हैं।

रेप के आरोपी को दिलाई सजा

एक केस के बारे में दिव्या ने बताया कि पांच साल की एक बच्ची के केस में आरोपी मानसिक बीमारी का हवाला देकर बचना चाहता था। मैंने विरोध करते हुए मेडिकल बोर्ड से जाँच कराने की मांग की न्यायालय सहमत हुआ हाई कोर्ट के न्याय दृष्टांत दिए गए और अंत में सफलता प्राप्त की और आरोपी को तिहरे मृत्युदंड की सजा हुई। हर केस अपने आप में नया होता है, नई चुनौती होती है पर आत्मविश्वास और न्याय दिलाने की दृढ़ विश्वास से सब चुनौती पार हो जाती है। आज मैं लड़कियों को यही कहना चाहूँगी कि जीवन में सबसे जरूरी शिक्षा है। कठिनाइयाँ आती है उनसे कभी हार नहीं मानना चाहिए, कठिनाई हमे और मजबूत बनाती है।

स्मार्ट हो रिज्यूमे और पोर्टफोलियो

वो जमाने चले गए, जब लोग सिर्फ डिग्री के दम पर अच्छी नौकरी या करियर बिल्डअप कर लेते हैं। आज के समय में कॉम्पीटिशन काफी बढ़ गया है, इसलिए करियर ग्रोथ के लिए स्मार्ट वर्क करना भी जरूरी है। अगर आप सिर्फ मेहनत ही किए जा रहे हैं तो इससे शायद आप उतना आगे ना बढ़ पाएं। लेकिन सही टूल्स का इस्तेमाल करके आप अपने करियर को एक किक दे सकते हैं। जी हां, अच्छे टूल्स आपके काम को आसान और अधिक अट्रैक्टिव बनाते हैं। अमूमन लोग यह सोचते हैं कि इन टूल्स का इस्तेमाल करने के लिए उन्हें पैसे खर्च करने पड़ेंगे। जबकि आज के समय में ऐसे कई फ्री टूल्स हैं, जो आपके रिज्यूमे से लेकर पोर्टफोलियो को आसानी से क्रिएट करने में मदद करते हैं। इससे ना केवल आपको अच्छी नौकरी मिल सकती है, बल्कि आप अपनी प्रोफेशनल जर्नी को नेक्स्ट लेवल पर आसानी से ले जा सकते हैं। चूंकि यह टूल्स फ्री में आसानी से इस्तेमाल किए जा सकते हैं, इसलिए आपको अपने काम व प्रोफेशनल इमेज को लेकर परेशान होने की बिल्कुल भी जरूरत नहीं है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही फ्री टूल्स के बारे में बता रहे हैं, जो आपको करियर ग्रोथ में काफी मदद कर सकते हैं-

करियर ग्रोथ के लिए बेहद जरूरी है कि आप अपना रिज़्यूमे से लेकर पोर्टफोलियो तक सब कुछ स्मार्ट तरीके से प्रजेन्ट करें। इसके लिए आप कुछ फ्री टूल्स की मदद ले सकती हैं।

चैट जीपीटी एआई टूल

चैट जीपीटी एक एआई टूल है। यह ना केवल आपको इंटरव्यू की तैयारी करने में मदद करेगा, बल्कि इसकी मदद से आप मॉक सवालों की प्रैक्टिस भी यह टूल इंटरव्यू प्रैक्टिस के लिए सवाल-जवाब जनरेट करता है। जिससे आपको खुद को बेहतर तरीके से तैयार कर पाते हैं।

पोर्टफोलियो बनाने वाले टूल्स

पोर्टफोलियो यह बताता है कि रिज्यूमे में जिन स्किल्स के बारे में लिखा है, आपको सच में उसमें महारत भी हासिल है। आप अपनी फील्ड के अनुसार अलग-अलग टूल्स का इसतेमाल कर सकते हैं। मसलन, डिजाइन, राइटिंग, फोटोग्राफी जैसी क्रिएटिव फील्ड्स वालों के लिए बीहैन्स बेस्ट है। वहीं, वेबसाइट डिजाइनिंग से जुड़े लोगों के लिए नोशन अच्छा ऑप्शन है। अगर आप कोडिंग से जुड़े हैं तो गिटहब का इस्तेमाल कर सकते हैं।

कैनवा

कैनवा की मदद से आपने कई तरह के डिजाइन बनाए होंगे। लेकिन यह आपकी प्रोफेशनल जर्नी को भी आसान बना सकता है। दरअसल, इसमें सैकड़ों फ्री टेम्पलेट्स मौजूद हैं, जिनकी मदद से आप एक स्टाइलिश और प्रोफेशनल रिज्यूमे बेहद आसानी से बना सकते हो। अगर आपका रिज्यूमे क्लीन, प्रोफेशनल व अट्रैक्टिव होगा, तभी रिक्रूटर कुछ सेकंड रुककर उसे देखना चाहेगा।

नए ज्वैलरी फार्म में पॉपुलर ब्रांड ला रहे पारंपरिक आभूषण

बुगड़ी से लेकर कानफूल तक

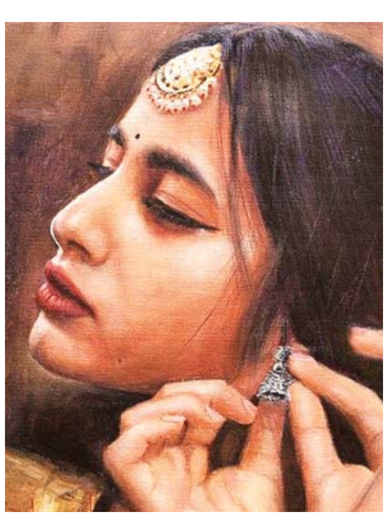

■ सौम्या गोराडिया ■

आजकल कान के कफ और ढेर सारे छेद एक विशिष्ट स्टाइल स्टेटमेंट बन गए हैं, ये रेड कार्पेट पर छा गए हैं, हमारी रील्स में छा गए हैं और अलंकरण को आधुनिक आभूषण सौंदर्यशास्त्र का एक अभिन्न अंग बना दिया है। लेकिन यह कोई नई बात नहीं है। ये अलंकरण सदियों से दक्षिण एशियाई और दक्षिण पूर्व एशियाई सांस्कृतिक परंपराओं में निहित हैं। इनमें बुगड़ी झुमके, कान के ऊपरी हिस्से, विशेष रूप से हेलिक्स पर पहने जाने वाले पारंपरिक कान के आभूषण, महाराष्ट्र, तमिलनाडु और कर्नाटक में शामिल हैं। अक्सर सोने से बनी और कभी-कभी मोतियों से सजी, नाज़ुक कारीगरी से तैयार की गई बुगड़ी बालियाँ लंबे समय से सुंदरता और अपनेपन की निशानी रही हैं। कुछ शैलियाँ—जैसे मोती बुगड़ी—मोती की सजावट से सजी होती हैं और आमतौर पर विवाहित महिलाएँ इन्हें पहनती हैं। कुछ अन्य, जैसे झुमकी बुगड़ी, लटकती घंटी के आकार की सजावट के साथ गतिशीलता प्रदान करती हैं। लेकिन बुगड़ी कान के आभूषणों की परंपराओं के समूह में हाल ही में लोकप्रिय हुआ एक सितारा मात्र है। तमिलनाडु के दक्षिणी जिलों में, वृद्ध महिलाएँ, अपने कानों के लोबों को धीरे-धीरे फैलाने के बाद 'पांबदम' पहनती हैं, जो सोने की गेंदों और घनों को जोड़कर अमूर्त सजावट बनाने वाला एक आकर्षक झुमका होता है। ऐसे आकर्षक आभूषणों के साथ, कम्मल या थोडू जैसे सरल लेकिन घंटी के आकार के और पत्थरों और पारंपरिक रूपांकनों से जड़े सुरुचिपूर्ण स्टड मुख्य हैं। देश भर में एक और मुख्य आकर्षण हैं; विस्तृत आभूषण जो पूरे कान को ढक सकते हैं। इन्हें कभी-कभी बालों या सिर के आभूषणों से जोड़ा जाता है। इसमें सोने या मोतियों की एक माला, जिसे माटल कहा जाता है से एक नाटकीय लेकिन सामंजस्यपूर्ण रचना बनती है।

सुंदरता और खुशहाली के प्रतीक रहे सदियों पुराने स्टाइल के पारंपरिक कान के आभूषणों को आजकल समकालीन आभूषण ब्रांड नए रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं।

चिकित्सीय प्रथाएं

ढेरदार छेदन और अलंकृत कान के आभूषणों के बारे में बातचीत में अक्सर यह बात नज़रअंदाज़ कर दी जाती है कि ये प्रथाएँ मूलतः केवल सौंदर्यपरक ही नहीं थीं, बल्कि इन्हें चिकित्सीय भी माना जाता था। जैसा कि आयुर्वेद विशेषज्ञ, डॉ. इप्सिता चटर्जी बताती हैं, आयुर्वेद ने कभी भी अलंकरण को उपचार से अलग नहीं किया—यह हमेशा सौंदर्य चिकित्सा रहा है। कान को मर्म बिंदुओं, या महत्वपूर्ण ऊर्जा केंद्रों से भरा एक संवेदनशील क्षेत्र माना जाता है, जो शारीरिक और भावनात्मक दोनों तरह के स्वास्थ्य को प्रभावित करते हैं। माना जाता है कि कर्णवेध पालि को छेदने से अपान वात संतुलित होता है, जो प्रजनन स्वास्थ्य और आत्म-अभिव्यक्ति में सहायक होता है।

सोने या चांदी से बने आभूषण

लोला 18 कैरेट सोना, पन्ना और हीरे का ईयरकफ, अनीता को, रु 482,900

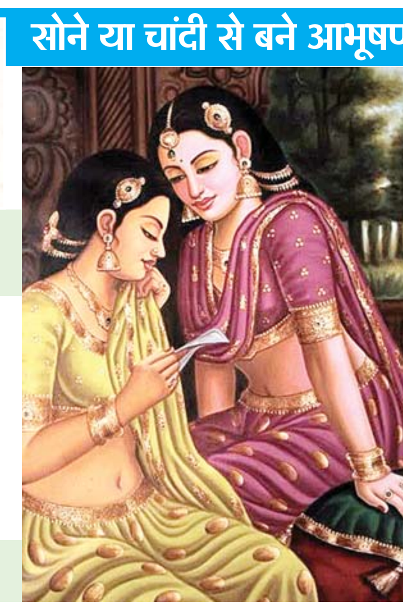

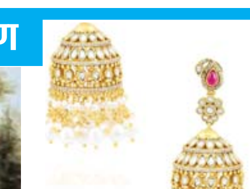

2 निवृत्ति सिल्वर झुमका इयररिंग, ट्राइब आम्रपाली, रु 22,351

लैला क्लिप-ऑन (दो का सेट), अमामा, रु 2,200

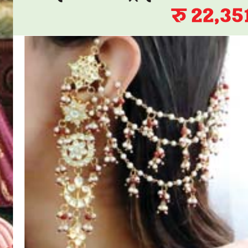

अमीसा कुंदन लाल ईयर-चेन इयररिंग, काशनी, रु 8,999

ऐसी धातुएं जिनमें सात्विक ऊर्जा होती है - इन बिंदुओं को धीरे से उत्तेजित करने, तंत्रिका तंत्र को ठंडा करने, मन को स्थिर करने और यहां तक कि नकारात्मक प्रभावों से सुरक्षा प्रदान करने के लिए जाने जाते हैं। आज, इन पारंपरिक रूपों को आधुनिक मोड़ के साथ पुनः परिकल्पित किया जा रहा है।

एनडीयूएस गोल्ड डैंगलर, निकोबार, रु 7,000

फ्लावर ईयरकफ, क्वर्कस्मिथ, रु 2,900

गोल्ड-टोन क्रिस्टल ईयरकफ, जिमरमैन रु 52,168

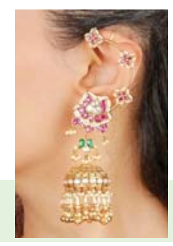

गोल्ड-प्लेटेड अनकट-पोल्की और मनके जड़ाऊ झुमका इयररिंग, मोतंत्रा, रु 8,500

नागा ईयरकफ (सिंगल), जिद्दी, रु 3,800

चेन के साथ ब्रिटिश रोज़ स्टड, एरा स्टोरीज़, रु 3,999

संतनगर में गंदगी बढ़ा रही सड़क किनारे अवैध कार पार्किंग, व्यवस्थाएं बिगड़ीं

नहीं निकाल पा रहे नालियों से कचरा, पुलिस व प्रासन बना लापरवाह

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। संत हिरदाराम नगर जोन एक एवं लालधाटी गांधीनगर जोन 20 के अन्तर्गत सडकों के किनारे अवैध रूप से पार्क होने वाली कारों की समस्या दिन प्रतिदिन विकराल रूप धारण करती जा रही है। शायद ही कोई ऐसी सडक को जहां कार पार्क नहीं होती हो। गांधीनगर वार्ड एक में शिवाजी वार्ड, टेगोर वार्ड, प्रताप वार्ड, वार्ड 2 में सीटीओ, देवलोक कालोनी, कैलाश नगर, मथाई नगर, वार्ड 3 में सीहोर रोड, वार्ड 4 में सीआरपी, आरा मीन रोड, भोपाल इंदौर राजमार्ग, बी ओल्ड, बी न्यू वार्ड वार्ड 5 में प्रेम रामचंदानी मार्ग, कम्युनिटी हाल रोड, समूचा ए न्यू वार्ड, एफ वार्ड ओर यहां के भीतर की सडकें, शासकीय कन्या एवं बालक हायर सेकण्डरी स्कूल के आस पास, वन ट्री हिल्स कालोनी, ओल्ड डेयरी फार्म रोड, लक्ष्मण नगर, चंचल रोड सहित तमाम सडकों के किनारे अवैध रूप से वाहनों की लम्बी कतारें देखी जा सकती हैं। इसके अलावा वार्ड 6 के अन्तर्गत आने वाले नेवरी मंदिर रोड, सावन नगर, ओम नगर, विजय नगर, जैन कालोनी में भी सडकों के किनारे घरों के बाहर अवैध रूप से सैकडों की संख्या में पार्क होती कारों ने गंभीर समस्या पैदा कर दी है।

यातायात प्रभावित : न केवल सडक किनारे खडी कारों की वजह से नालियों की सफाई प्रभावित हो रही है और झाड़ू सही ढंग से नहीं लग पा रहा है बल्कि यातायात भी बुरी तरह से अस्त व्यस्त हो जाता है। जब भी सुबह के समय स्कूल बसें प्रेम रामचंदानी मार्ग या अन्य सडक से विद्यार्थियों को लेने आती है, तब इन बस चालकों को सडक किनारे अवैध रूप से पार्क कारों की वजह से काफी परेशानी होती है। बस जब तक बच्चों को बैठाए, समीप से खाली जगह पर कार खडी होने के कारण रास्ता बंद हो जाता है तथा पीछे वाहनों की लम्बी कतार लग जाती है। चंचल रोड पर तो दोनो तरफ सडक किनारे कारें पार्क किए जाने की वजह से बार बार जाम का सामना करना पडता है और यहां सामान्य वाहन चालकों को गुजरने में भारी दिक्कत हो रही है।

संत हिरदाराम नगर के अनेक सडकों पर किनारे पार्क होने वाली वाहनों की समस्या का समाधान अगर जल्द नहीं खोजा गया तो न केवल सफाई एवं यातायात की समस्या विकराल रूप धारण करती जाएगी बल्कि इसके कारण लडाई झगडे भी होंगे।

कार का शौक, पर पार्किंग नहीं

इन दिनों न केवल साहूकारों बल्कि मध्यम वर्ग में भी कार रखने का शौक है। बैंक से आसान कितों पर लोन लेकर कार तो खरीद ली जाती है, लेकिन उसे रखने के लिए घर में पार्किंग की कोई व्यवस्था नहीं है उसके लिए सार्वजनिक सडकों का इस्तेमाल किया जा रहा है और ऐसी कोई सडक नहीं बची है, जहां अवैध रूप से किनारे कार पार्क नहीं होती हो।

सफाई व्यवस्था प्रभावित

इस प्रतिनिधि ने जब वार्डो में झाडू लगाने वाले कामगारों के अलावा दरोगा से चर्चा की तब उन्होंने कहा कि सडकों पर अवैध रूप से पार्क होती कारों की लम्बी कतारों की वजह से झाडू नहीं लग पाती है और जब कार दुकान या आफिस ले जाई जाती है तब तक कामगार झाडू लगाकर अपनाकाम खत्म कर जा चुका होता है, उसके बाद कारों के नीचे पडे कचरे को हटाना संभव नहीं हो पाता। अनेक जगहों पर सडकों के किनारे गन्दगी की निकासी के लिए नालियां बनी हैं जिनमें मुख्य रूप से प्रेम रामचंदानी मार्ग शामिल है। यहां कैलाश डेयरी से समाज सेवी ईवरदस हिमथानी निवास के बाद शासकीय कन्या हायर सेकण्डरी स्कूल, डा. ज्ञानचंदानी क्लीनिक से पुलिस चौकी के सामने तक नाली बनी है उसकी सफाई पोकलिन मशीन से की जाती है लेकिन अनेक बार यह मशीन बुलाई जाती है पर कारों की अवैध पार्किंग के कारण नाली की सफाई नहीं हो पाती है।

हिंदू उत्सव समिति द्वारा हर्षोल्लास के साथ निकाला गया गणेश विसर्जन चल समारोह

बैरसिया। अनंत चतुर्दशी शनिवार को हिंदू उत्सव समिति बैरसिया के तत्वाधान में नगर में गणेश विसर्जन चल समारोह बड़े ही हर्षोल्लास के साथ निकाला गया। हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष पत्रकार श्याम साहू एवं नगर के वरिष्ठ समाज सेवी दीपक दुबे ने स्थानीय सांवलिया मंदिर से पंडित प्रमोद शास्त्री से पूजा अर्चना करवा कर रात्रि 9 बजे बैड बाजे एवं ढोल नगाड़ों के साथ प्रारंभ कराया।गणेश विसर्जन चल समारोह में अखाड़े भजन मंडलिया एवं चलित झांकियों का समावेश था। चल समारोह स्थानीय सांवलिया मंदिर से प्रारंभ होकर नगर के मुख्य मार्ग चौपड़ बाजार महावीर चौक बाल बिहार शिवाजी चौक शेर पूरा बस स्टैंड चौराह से होता हुआ विसर्जन घाट वाह नदी पहुंचा।चल समारोह रात भर चलता रहा दूसरे दिन रविवार को यहां गणेश प्रतिमाओं की पूजा अर्चना एवं महा आरती प्रसादी वितरण के साथ गणपति बप्पा मोरया अगले बरस तू जल्दी आ के जय घोष के साथ परंपरागत रीती रिवाज और वैदिक मंत्रों के बीच गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन के साथ दस दिवसीय गणेश उत्सव का समापन हुआ।विसर्जन के दौरान भक्तों की आंखे नम थी लेकिन माहौल पूरी तरह भक्ति और उल्लास से सरोवर था।चल समारोह में ढोल नगाड़ों की गूंज भक्ति गीतों और नृत्य गायन से वाता वरण मंगल मय हो गया था। एस डी एम आशुतोष शर्मा एस डी ओ पी सर्वप्रिय सिन्हा एवं थाना प्रभारी वीरेन्द्र सेन द्वारा नगर में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे।

सड़कों पर उड़ता रहा गुलाल

नजीराबाद। नजीराबाद में गणेश विसर्जन उत्साह उमंग के साथ हुआ संपन्न नगर के मुख्य मार्गों से चल समारोह निकाला गया सभी जगह गणपति बप्पा की आरती कार पुष्प बरसाए चल समारोह में बड़ी संख्या में महिलाएं और पुरुष शामिल हुए।श्रद्धालुओं ने गुलाल उड़ाते हुए %गणपति बप्पा मोरिया, अगले बरस तू जल्दी आ% के जयकारे लगाए। बरसते पानी में डीजे की धुन पर युवाओं ने जमकर डांस किया नगर के मुख्य मार्ग से होते हुए चल समारोह पार्वती नदी पर पहुंचा घाट पर ।सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर पुलिस बल भी तैनात रहा। पार्वती नदी के तट पर पहुंचने के बाद विधि-विधान से भगवान गणेश की पूजा अर्चना कर प्रतिमा का विसर्जन किया गया।

कार्यालय सेनानी, 7वीं वाहिनी विसबल, भोपाल

ई-मेल :> co7bn_saf@mppolice.gov.in

क्रमांक-7वीं बटा/विसबल/सअ/I/476723/2025 दिनांक 03.09.2025

ई-निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2025-26 में 7वीं वाहिनी आधिपत्य अश्वारोही दल परिसर में कोलिक बॉक्स का निर्माण कराये जाने हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है-

क्रं.	कार्य विवरण	प्राक्कलन राशि	धरोहर राशि रू0 (ईएमडी)	निविदा शुल्क रू0	कार्यावधि
01	7वीं वाहिनी विसबल भोपाल अश्वारोही दल परिसर में कोलिक बॉक्स का निर्माण कार्य।	3,29,947.00	9800.00	1000	30 (दिवस)

निविदा की विस्तृत शर्तें MP TENDERS/MP POLICE Website पर उपलब्ध है। ई- निविदा प्रकाशन उपरांत संशोधन व परिवर्तन होने पर वह मात्र उपरोक्त उल्लेखित ई-निविदा पोर्टल (mp tenders) पर उपलब्ध) रहेगा।

digitally signed by hitesn choudhary Date : 03.09.2025 15:15:03

सेनानी
8वी वाहिनी विसबल भोपाल

जी- 18367/25

पारिवारिक सांस्कृतिक गरबा महोत्सव की तैयारियां पूर्ण, 26 सितंबर से प्रारंभ

हिरदाराम नगर। सिंधी मेला समिति द्वारा सांस्कृतिक गरबा महोत्सा का शुभारंभ इस वर्ष 26, 27 ,28, 29 सितम्बर को शाम 7 बजे से रात 11 बजे तक भोपाल के लालघाटी स्थित सुंदरवन गार्डन में आयोजित किया जा रहा है। इस वर्ष यह गरबा अपने 19 वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। इस पारिवारिक सांस्कृतिक गरबा महोत्सव की तैयारियों को लेकर रविवार को सुंदरवन गार्डन में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया, जिसमे प्रमुख रूप से सिंधी मेला समिति के अध्यक्ष मनीष दरयानी, महासचिव नरेश तलरेजा, कार्यक्रम के संयोजक अर्जुनदास नेभनानी, सह संयोजक हरीश मेघानी एवं सह संयोजिका मीना भागचंदानी विशेष रूप से उपस्थित रही। बैठक में भोपाल के सभी 11 सेंटरो के व्यस्थापक विशेष रूप से उपस्थित रहे, सभी ने अपने अपने सेंटरो के बारे में विस्तार से जानकारी दी एवं इस इस सांस्कृतिक गरबे को और बेहतर बनाने के लिए अपने अपने विचार रखे, यहां बता दें कि 1 सितंबर से भोपाल के 11 प्रशिक्षण स्थलों पर गरबे का प्रशिक्षण चल रहा है जो 25 सितंबर तक जारी रहेगा। इस मीटिंग में प्रमुख रूप से सुनील मंगवानी , अशोक माता, किरण वाधवानी, वासु गोलानी, राम आसूदानी,कपिल भाटिया, मनोहर लालवानी, भावना जगवानी, सिया असुदानी, पूजा भाटिया, रेखा कमल, मनोहर उतवानी , हनी लोकवानी,प्रमुख रूप से उपस्थित थे। गरबे की जानकारी को साझा करने के लिए समिति द्वारा एक पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया।

चार दिवसीय गरबा महोत्सव

प्रांतीय सह मंत्री का हुआ आगमन, गर्मजोशी से स्वागत

जागरण प्रतिनिधि ओबेदुल्लागंज। भाजपा किसान मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष एवं मध्यप्रदेश कुर्मी क्षत्रिय युवा समाज के प्रदेश उपाध्यक्ष सर्वेश गौर 'आँखखेड़ी' के निवास पर विश्व हिन्दू परिषद के प्रांतीय संगठन मंत्री सुरेन्द्र सिंह चौहान का आगमन हुआ जहां उनका गर्मजोशी से किया गया इस अवसर पर प्रांतीय सह मंत्री मलखान सिंह , भोपाल विभाग के सहमंत्री हरिओम शर्मा , कामता पटेल , शिवराज धाकड़ सहित विश्व हिन्दू परिषद एवं बजरंग दल के पदाधिकारी भी साथ उपस्थित थे।

संत हिरदाराम नगर भोपाल जारी रहेगा विकास : हिंगोरानी

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। संत हिरदाराम नगर में विकास कार्य लगातार जारी रहेंगे। हमने नगर निगम चुनाव के समय आम जनता के साथ जो वादे किए हैं उन्हें समय सीमा में पूरा किया जाएगा। यह कहना है एमआईसी सदस्य राजेश हिंगोरानी का। वे अपने वार्ड 4 में 5.50 लाख की लागत से पेवर ब्लॉक लगाने के कार्य का भूमिपूजन कर रहे थे। भाजपा नेता सुशील वासवानी, रमेश जानियानी , वासुदेव वाधवानी नरेंद्र लालवानी, राहुल राजपूत , कमल विधानी , राजू गुलानी की मौजूदगी यूं आयोजित कार्यक्रम मु राजेश हिंगोरानी ने बताया कि पिछले साल 1.60 करोड़ के विकास के काम करवाए गए हैं जबकि इस वित्तीय वर्ष में दो करोड़ से अधिक के काम करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा कि सभी विकास कार्यों की फाइलें तैयार हैं और बारी बारी से काम 31 मार्च 2026 से पहले क्या लिए जाएंगे।

5.50 लाख से लगेंगे पेवर ब्लॉक

ब्रह्मलीन साध्वी द्रोपती धनवानी का 67वां अवतरण दिवस मनाया जाएगा

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। साध्वी द्रोपती धनवानी दीदी का 67वां अवतरण दिवस बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा जिसके उपलक्ष्य में 10 सितंबर तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगें जिसमें धन-धन श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के पांच अखंड पाठ एवं बाल मंडली कटनी द्वारा भव्य कीर्तन व 108 श्री सुखमनी पाठ साहिब किये जाएंगें तत्पश्चात गुरु का अटूट लंगर वरतेगा।

भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in

मध्य प्रदेश राज्य सरकार की 17 और 19 वर्षीय प्रतिभूतियों की नीलामी और 6.99% एसडीएल 2041 का पुनर्निर्गम

मध्य प्रदेश राज्य सरकार ने नीलामी के माध्यम से कुल ₹ **4,000 करोड़ (अंकित मूल्य)** राशि की प्रतिभूतियों की बिक्री का प्रस्ताव किया है।

एकाधिक मूल्य प्रारूप के अंतर्गत प्रतिफल आधारित नीलामी भारतीय रिज़र्व बैंक के कोर बैंकिंग सोल्यूशन **(ई-कुबेर)** पर **09 सितंबर 2025 (मंगलवार)** को आयोजित की जाएगी। व्यक्तिगत निवेशक भी **रिटेल डायरेक्ट पोर्टल (https://rbiretaildirect.org.in)** के माध्यम से गैर-प्रतिस्पर्धी योजना के अनुसार बोली लगा सकते हैं।

अधिक जानकारी के लिए कृपया भारतीय रिज़र्व बैंक की वेबसाइट **(www.rbi.org.in)** पर **04 सितंबर 2025 (गुरुवार)** की प्रेस प्रकाशनी देखें।

''पैसे का वादा करने वाले ई-मेल/एसएमएस/टेलीफोन द्वारा धोखा न खाएं''

कार्यालय, पुलिस अधीक्षक, पुलिस प्रशिक्षण शाला (एमटी), भोपाल (म.प्र.)

पुलिस विभाग के वाहनों के रख-रखाव के लिए आवश्यकतानुसार सामग्री क्रय करने हेतु 3 माह के लिए अनुबंध हेतु

कार्यालय पुलिस अधीक्षक, पी.टी.एस. (एमटी), पुलिस मुख्यालय, भोपाल द्वारा पुलिस विभाग के वाहनों के रख-रखाव के लिए आवश्यकतानुसार विविध प्रकार की सामग्री (स्टोर-2 भाग-1) क्रय करने हेतु 3 माह के लिए दर अनुबंध किए जाने हेतु खुली निविदा आमंत्रित की गई है। नियम एवं शर्तें तथा अनुबंध की विस्तृत जानकारी mptenders.gov.in तथा www.mppolice.gov.in की बेवसाइट पर प्राप्त की जा सकती है।

निविदा प्रकाशन की दिनांक	28/08/2025 के 17.00 बजे
निविदा प्रप्त्र डाउनलोड करने की प्रारंभ दिनांक	28/08/2025 के 18.00 बजे
प्री-बिड मीटिंग दिनांक	02/09/2025 के 11.00 बजे
निविदा जमा करने की प्रारंभ दिनांक	08/09/2025 के 11.00 बजे
निविदा जमा करने की अंतिम दिनांक	18/09/2025 के 14.00 बजे
तकनीकी निविदा खोलने की दिनांक	19/09/2025 के 16.00 बजे

पुलिस अधीक्षक
पी.टी.एस. (एमटी), भोपाल

जी- 18349/25

कार्यालय, कार्यपालन यंत्री, राजधानी परियोजना खण्ड क्रमांक-2 लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग, भोपाल

ई मेल eephedcp2bpl@mp.gov.in

क्र. 81,82,83,84,85,86,87,88/का.यं./रा.परि.खण्ड-2/लोस्वायावि/ दिनांक 04.09.25

निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्य की निविदा ई-टेण्डरिंग पद्धति से ई-प्रोक्योरमेन्ट पोर्टल http://mptenders.gov.in पर आमंत्रित है। निविदा का विवरण निम्नानुसार है-

क्र	ऑनलाईन निविदा क्र0	कार्य का नाम	अनुमानित राशि (रू. लाख में)	धरोहर राशि (रूपये)	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2025-PHED_448746	Repairing of damaged manhole chamber i/c de silting and cleaning of manholes and sewer line at Section 8 under Sub division No.05, PHED, Bhopal	7,90,508=00	15,810=00	2,000=00	30 Days Including rainy season
2	2025-PHED_448747	Repairing of damaged manhole chamber with cleaning of manholes and sewer line at Akash Nagar and Rishi Valley Colony, Kotra Network Area, Bhopal	7,71,727=00	15,435=00	2,000=00	30 Days Including rainy season
3	2025-PHED_448748	Repairing, Reconstruction and Raising of damaged manhole chambers including cleaning of manholes and sewer line of Ekant park oxidation pond, Bhopal	7,23,233=00	14,465=00	2,000=00	30 Days Including rainy season
4	2025-PHED_448750	Providing and laying of 200 mm dia RCC sewer line and reconstruction of fully damaged manhole chamber i/c de silting and cleaning of manholes and sewer line at Housing Board Colony area of section 04 under C.P.Sub Div.-5, Bhopal	7,01,247=00	14,025=00	2,000=00	30 Days Including rainy season
5	2025-PHED_448751	Reconstruction of fully damaged manhole chamber i/c de silting and cleaning of sewer line at Shyamla hils NHDC Office area, Section-A, Banganga, Bhopal	8,50,275=00	17,006=00	2,000=00	30 Days Including rainy season
6	2025-PHED_448753	Providing inspection vehicle such as Bolero/Ertiga/TUV Mahendra or equivalent in Taxi quota cost up to 8.00 lakh on hire charges without Diesel/Petrol/CNG for Superintending Engineer, PHED, Bhopal Circle, Bhopal	3,07,520=00	6,150=00	2,000=00	365 Days Including rainy season
7	2025-PHED_448754	Repairing of damaged manhole chamber i/c de silting and cleaning of manholes and sewer line constructed under BWL Project at Section No. 3 of Sub Div. No. 5 PHED Bhopal	7,98,423=00	15,968=00	2,000=00	30 Days Including rainy season
8	2025-PHED_448755	Providing inspection vehicle such as Bolero/Ertiga/TUV Mahendra or equivalent in Taxi quota cost up to 8.00 lakh on hire charges without Diesel/Petrol/CNG for Chief Engineer, PHED, Bhopal Zone, Bhopal	3,81,177=00	7,624=00	2,000=00	365 Days Including rainy season

- निविदा प्रपत्र की निर्धारित राशि एवं धरोहर राशि एवं अन्य दस्तावेज आनलाईन प्रस्तुत करने होंगे एवं अन्य समस्त विस्तृत जानकारी mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है।
- निविदा संशोधन केवल वेबसाइट पर ही दर्शाया जाएगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।
- निविदा क्रय करने की अंतिम तिथ 19.09.25 है।

कार्यपालन यंत्री
राजधानी परियोजना खण्ड क्र-2
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग भोपाल

जी- 18372/25

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग, संभाग विदिशा (म.प्र.)

निविदा सूचना

निविदा सूचना क्रमांक 55 से 62/ 2025-26 विदिशा दिनांक 01.09.2025

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेवसाइट www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर कमांक	जिला	कार्य का प्रकार	कार्य का नाम	आमंत्रण क्र.	कार्य की अनु. राशि (रू.लाख में)	ई.एम.डी.
1	2	3	4	5	6	7	8
1	2025_PWDRB_448643_1	विदिशा	भवन मरम्मत	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग कमांक-1 विदिशा अंतर्गत गुलाबगंज एवं ग्यारसपुर सेक्शन में आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों कें ए.आर., एस.आर., एम.ओ.डब्ल्यू एवं डिपॉजिट कार्य।	प्रथम	15.00	30000
2	2025_PWDRB_448651_1	विदिशा	भवन मरम्मत	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग कमांक-1 विदिशा अंतर्गत आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों के ए.आर., एस.आर., एम.ओ.डब्ल्यू एवं डिपॉजिट कार्य।	प्रथम	19.90	39800
3	2025_PWDRB_448665_1	विदिशा	भवन मरम्मत	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग कमांक-1 विदिशा अंतर्गत न्यायाधीश आवासीय परिसर कालापाठा एवं टीलाखेड़ी स्थित आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों के ए.आर., एस. आर., एम.ओ.डब्ल्यू एवं डिपॉजिट कार्य।	प्रथम	15.00	30000
4	2025_PWDRB_448672_1	विदिशा	भवन मरम्मत	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग कमांक-1 विदिशा अंतर्गत मुख्यालय सेक्शन अंतर्गत आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों के व्हाईट वाशिंग, कलर वाशिंग, डिस्टेम्परिंग कार्य।	प्रथम	19.90	39800
5	2025_PWDRB_448684_1	विदिशा	रंगाई पुताई कार्य	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग कमांक-1 विदिशा अंतर्गत ग्यारसपुर एवं गुलाबगंज सेक्शन अंतर्गत आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों के व्हाईट वाशिंग, कलर वाशिंग, डिस्टेम्परिंग कार्य।	प्रथम	15.00	30000
6	2025_PWDRB_448717_1	विदिशा	रंगाई पुताई कार्य	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग कमांक-1 विदिशा अंतर्गत न्यायाधीश आवासीय परिसर कालापाठा एवं टीलाखेड़ी स्थित आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों के व्हाईट वाशिंग, कलर वाशिंग, डिस्टेम्परिंग कार्य।	प्रथम	19.90	39800
7	2025_PWDRB_448919_1	विदिशा	वाटर प्रुफिंग कार्य	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग कमांक-1 विदिशा अंतर्गत आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों में वॉटर प्रुफिंग कार्य।	प्रथम	15.00	30000
8	2025_PWDRB_448921_1	विदिशा	वाटर प्रुफिंग कार्य	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग कमांक-1 विदिशा अंतर्गत न्यायाधीश आवासीय परिसर कालापाठा एवं टीलाखेड़ी स्थित आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों में वॉटर प्रुफिंग कार्य।	प्रथम	19.90	39800
				योग		139.60	

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर गाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम तिथि 19.09.2025 (17.30) बजे निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाईट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग, संभाग विदिशा

जी- 18373/25

SUDOKU 45

8					1		3	
		5		6	8			1
3				9		5	7	
	6		1			2		5
				2	6			
	7	2	9					6
5						1	6	
	9		6		7			4
6		4			9	7		

SOLUTIONS 44

5	8	4	2	6	1	3	7	9
3	6	7	5	4	9	8	1	2
1	2	9	7	3	8	5	6	4
4	9	5	3	8	6	1	2	7
6	3	2	1	9	7	4	8	5
8	7	1	4	5	2	6	9	3
9	4	6	8	7	3	2	5	1
7	1	3	6	2	5	9	4	8
2	5	8	9	1	4	7	3	6

Rules : The 3x3 sub-grids are called regions. Number already filled in the grid are called givens. The goal of the player is to fill the blank grids of every row, every column and every 3x3 box with the numbers 1,2,3,4,5,6,7,8,9 However, All rows, colums and regions (3x3) should contain numbers 1 to 9 without repeating.

राशिफल

मेष : आपकी एनर्जी हाई रहने वाली है। चाहे कुछ नया प्रयास करना हो या नया रास्ता अपनाना हो, आज का दिन बदलाव को अपनाने और नए अवसरों का स्वागत करने का है।

वृषभ : आज के दिन सरप्राइज के लिए तैयार रहें। अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकलें। आप रिजल्ट्स से आश्चर्यचकित हो सकते हैं।

मिथुन : परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। आर्थिक स्थिति स्थिर रहेगी। बेहतर भविष्य के लिए क्रिएटिव योजनाएं बनाएं।

कर्क : आज का दिन आपके जीवन में खुशियां और संतुष्टि लेकर आने वाला है। आपको अपने रिश्ते को बेहतर बनाने के लिए किसी बाहरी हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं है।

सिंह : आज आप आध्यात्मिक और प्रोफेशनल तौर पर विकास हासिल करने में भी सफल रहेंगे। करियर में आपकी प्रतिभा आपके काम आएगी। जीवनसाथी का साथ मिलेगा

कन्या : आर्थिक मामलों में भाग्य साथ देगा। धन का आवक बढ़ेगा। कुछ जातकों को अच्छे पैकेज के साथ नई जॉब का ऑफर मिल सकता है।

तुला : आज के दिन आपकी वित्तीय स्थिति में सुधार होगा। पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ में उन्नति के कई अवसर मिलेंगे। कुछ लोगों को स्किन एलर्जी की समस्या हो सकती है।

वृश्चिक : स्थिति में सुधार के लिए आपको कुछ वित्तीय विचारों के साथ प्रयोग करने की आवश्यकता है। बौद्धिक कार्यों में मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। खर्चों में वृद्धि होगी।

धनु : आज के दिन भविष्य के बारे में सोचना आपके लिए फायदेमंद होगा। आर्थिक रूप से उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ सकता है।

मकर : मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आ सकते हैं। सचेत रहें। मानसिक शांति बनाए रखने के लिए प्रयास करें।

कुंभ : कुछ बड़ा हासिल करने के लिए आपको अपने निजी समय का त्याग करना होगा। व्यक्तिगत मामलों को सुलझाने में सफल रहेंगे।

मीन : आज के दिन आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आज पुराने इनवेस्टमेंट से धन लाभ होगा। प्रोफेशनल लाइफ में सफलता की सीढ़ियां चढ़ेंगे। पारिवारिक जीवन सुखद होगा।

आज का पंचांग: 08 सितम्बर सोमवार 2025। **दिशाशूल :** पूर्व दिशा में रहेगा। **पर्व एवं त्योहार :** प्रतिपदा श्राद्ध। **विशेष :** पंचक। विक्रम संवत 2082 शके 1947 दक्षिणायण, उत्तरगोल, वर्षा ऋतु आश्विन मास कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा 21 घंटे 12 मिनट तक तत्पश्चात् द्वितीया पूर्वभाद्रपद नक्षत्र 20 घंटे 3 मिनट तक, तत्पश्चात् सूल योग कुंभ में चंद्रमा 14 घंटे 28 मिनट तक तत्पश्चात् मीन में। **राहुकाल :** प्रातः 7.30 से 9.00 तक रहेगा।

आर्यना सबालेंका ने 100वीं जीत के साथ जीता चौथा यूएस ओपन

न्यूयॉर्क, जेएनएन। वर्ल्ड नंबर वन आर्यना सबालेंका ने शनिवार को यूएस ओपन में शानदार जीत हासिल की। उन्होंने अमांडा अनिसिमोवा को सीधे सेटों में हराया। यह सबालेंका के करियर का चौथा ग्रैंड स्लैम खिताब है। सबालेंका ने आर्थर एशे स्टेडियम में 6-3, 7-6 (7/3) से जीत दर्ज की। ऑस्ट्रेलियन और फ्रेंच ओपन के फाइनल में हार के बाद सबालेंका के लिए 2025 में ग्रैंड स्लैम जीतने का यह आखिरी मौका था। उन्होंने इस मौके को भुनाया और अनिसिमोवा का सपना तोड़ दिया। इससे पहले अनिसिमोवा को विंबलडन के फाइनल में इगा स्विएटेक ने 6-0, 6-0 से हराया था। अनिसिमोवा ने पहले सबालेंका के खिलाफ 9 मुकाबलों में से 6 जीते थे। इसमें विंबलडन के सेमीफाइनल में मिली जीत भी शामिल है। लेकिन सबालेंका ने अपने अनुभव का इस्तेमाल किया और अनिसिमोवा को अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने से रोक दिया। सबालेंका 7वीं बार किसी ग्रैंड स्लैम के फाइनल में खेल रही थीं।अनिसिमोवा ने फिर से ब्रेक किया और 3-2 की बढ़त बना ली। लेकिन सबालेंका ने हार नहीं मानी और उन्होंने ब्रेक करके स्कोर बराबर कर दिया। आठवें गेम में अनिसिमोवा ने दो डबल-फॉल्ट किए। इससे सबालेंका को दो ब्रेक पॉइंट मिले। सबालेंका ने इसका फायदा उठाया और पहला सेट जीत लिया। दूसरे सेट में भी सबालेंका ने अनिसिमोवा की कमजोर सर्विस का फायदा उठाया और 3-1 की बढ़त बना ली। लेकिन अनिसिमोवा ने हार नहीं मानी और उन्होंने ब्रेक करके स्कोर 3-3 कर दिया। अनिसिमोवा ने एक आसान फोरहैंड शॉट बाहर मार दिया। इससे सबालेंका को 15-40 की बढ़त मिल गई। सबालेंका ने फिर से ब्रेक किया।

लगातार चौथा खिताब बचाने वाली पहली खिलाड़ी

सबालेंका पिछले 11 वर्षों में पहली महिला खिलाड़ी बन गई है जिन्होंने अमेरिकी ओपन में अपने खिताब का बचाव किया। उनसे पहले यह कारनामा सेरेना विलियम्स ने किया था। वह 2012 से लेकर 2014 तक लगातार तीन बार चैंपियन बनी थी। अमांडा को लगातार दूसरे ग्रैंड स्लैम के फाइनल में हार का सामना करना पड़ा।सबालेंका ने टाईब्रेक में अपनी शानदार क्षमता दिखाई। उन्होंने लगातार 19वां टाईब्रेक 7/3 से जीता और एक घंटे 34 मिनट में मैच अपने नाम कर लिया। अनिसिमोवा को अहम मौकों पर ब्रेक पॉइंट का फायदा नहीं उठाने का अफसोस रहा। वहीं सबालेंका ने 6 में से 5 ब्रेक पॉइंट को भुनाया। पहले सेट में अनिसिमोवा को तीन ब्रेक पॉइंट मिले लेकिन वह उन्हें भुना नहीं पाईं। सबालेंका ने 2-0 की बढ़त बना ली। अनिसिमोवा ने तीसरे गेम में वापसी की और बैकहैंड विनर लगाकर ब्रेक पॉइंट हासिल किया। फिर उन्होंने फोरहैंड विनर लगाकर स्कोर 2-2 कर दिया।

इंग्लैंड को मिली वनडे की सबसे बड़ी जीत, द. अफ्रीका को 342 रन से हराया

साउथैम्प्टन, जेएनएन। इंग्लैंड ने साउथ अफ्रीका को तीसरे वनडे में 342 रन से हरा दिया। यह वनडे इतिहास में रन के अंतर से सबसे बड़ी जीत का रिकॉर्ड रहा। इससे पहले भारत ने 2023 में श्रीलंका को 317 रन से हराया था। रविवार को साउथैम्प्टन में पहले बैटिंग करते हुए इंग्लैंड ने 414 रन बनाए। प्रोटियाज टीम महज 72 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। इसके बावजूद, साउथ अफ्रीका ने वनडे सीरीज 2-1 से जीत ली।

इंग्लैंड से जैकब बेथेल और जो रूट ने सेंचुरी लगाईं। वहीं तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने 4 विकेट लिए। इंग्लैंड ने इससे पहले सबसे बड़ी जीत 2018 में आई थी, तब उन्होंने ऑस्ट्रेलिया को 242 रन से हराया था। इंग्लैंड के खिलाफ साउथ अफ्रीका ने भी अपना सबसे छोटा स्कोर बनाया। टीम 2008 में 83 रन पर ऑलआउट हुई थी। यह वनडे में साउथ अफ्रीका का दूसरा सबसे छोटा स्कोर रहा। टीम 1993 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 69 रन पर भी सिमट चुकी है। द रोज़ बाउल स्टेडियम में साउथ अफ्रीका ने फील्डिंग चुनी। इंग्लैंड को बेन डकेट और जैमी स्मिथ ने मजबूत शुरुआत दिलाई।

रूट और बेथेल ने लगाए शतक

117 रन पर 2 विकेट गंवाने के बाद इंग्लैंड को जो रूट और जैकब बेथेल ने संभाल लिया। दोनों ने 40 ओवर के बाद टीम का स्कोर 299 तक पहुंचा दिया। दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए 182 रन की पार्टनरशिप हुई। बेथेल 110 रन बनाकर आउट हुए। उनके बाद कप्तान हैरी ब्रुक भी 3 ही रन बनाकर पवेलियन लौट गए। रूट ने टीम को 350 के पार पहुंचा दिया। वे 100 रन बनाकर कैच आउट हुए। उनके बाद विकेटकीपर जोस बटलर ने 62 और विल जैक्स ने 19 रन बनाकर टीम को 414 रन तक पहुंचा दिया। साउथ अफ्रीका से कॉर्बिन बॉश और केशव महाराज ने 2-2 विकेट लिए। एक बैटर रन आउट भी हुआ। 415 रन के बड़े टारगेट का पीछा करने उतरी साउथ अफ्रीका टीम की शुरुआत खराब रही। जोफ्रा आर्चर ने पहले ही ओवर में ऐडन मार्करम को कॉट बिहाइंड करा दिया। आर्चर ने अपने स्पेल के शुरुआती 3 ओवर में रायन रिकेल्टन और मैथ्यू ब्रीट्जकी को भी कॉट बिहाइंड कराया।

डबल धमाका

भारत ने जीती एशिया कप चैंपियनशिप विश्वकप के लिए भी किया क्वालीफाई

राजगीर, जेएनएन। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने रविवार वर्ल्ड को दक्षिण कोरिया को 4-1 से हराकर एशिया कप का खिताब जीता। भारत ने चौथी बार एशिया कप ट्रॉफी जीती है। महाद्वीपीय टूर्नामेंट जीतने के साथ ही भारतीय टीम ने अगले साल बेल्जियम और नीदरलैंड द्वारा संयुक्त मेजबानी में आयोजित होने वाले विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर लिया है। राजगीर में खेले गए फाइनल में भारत की ओर से सुखजीत, दिलप्रीत और अमित ने गोल किए। भारत ने एशिया कप में दमदार प्रदर्शन किया। हरमनप्रीत सिंह के नेतृत्व में टीम ने ग्रुप स्टेज में चीन को 4-3 से, जापान को 3-2 से और कजाकिस्तान को 15-0 से रौंदा था। इसके बाद सुपर-4 में भी टीम का दबदबा कायम रहा। पहला मुकाबला कोरिया से 2-2 से ड्रॉ रहा। दूसरे मुकाबले में टीम ने मलेशिया को 4-1 से धोया। अंतिम सपर-4 मुकाबले में भारत ने चीन को 7-0 से धोया। वहीं फाइनल में भारत ने दक्षिण कोरिया को 4-1 से हराकर खिताब अपने नाम किया। सुखजीत सिंह ने 30वें सेकंड में भारत के लिए पहला गोल किया। इसके बाद दूसरे क्वार्टर में दिलप्रीत ने गोल दागा। 45वें मिनट में दिलप्रीत सिंह ने फिर गोल किया। अमित ने 50वें मिनट में गोल करके भारत की बढ़त को मजबूत किया। 51वें मिनट में कोरिया ने मैच का पहला गोल किया।

दूसरे क्वार्टर में दिलप्रीत ने दिखाया दम

दूसरे क्वार्टर में भारत और कोरिया गोल करने के लिए प्रयासरत रहे। भारत के जुगराज को ग्रीन कार्ड मिला और वह दो मिनट के लिए बाहर बैठे। भारत ने दूसरा गोल करके 2-0 की बढ़त बना ली थी। दिलप्रीत ने 26वें मिनट में भारत के लिए दूसरा गोल दागा। तीसरे क्वार्टर में भारतीय हॉकी टीम ने अच्छी शुरुआत की। भारत ने पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया था लेकिन कोरिया ने रिव्यू लेकर उसके खत्म किया। कोरिया को 40वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन दो बार प्रयास के बाद वह भुना नहीं सकी। 45वें मिनट में दिलप्रीत सिंह ने गोल करके भारत की बढ़त 3-0 कर दी। भारत ने चौथे क्वार्टर के शुरुआत में ही गोल किया।

एशिया कप में भारतीय टीम का प्रदर्शन रहा शानदार

हरमनप्रीत सिंह के नेतृत्व वाली भारतीय टीम ने सुपर-4 के आखिरी मुकाबले में चीन को 7-0 से हराया, जबकि कोरिया ने मलेशिया को 4-3 से धूल चटाई। भारतीय टीम का एशिया कप में प्रदर्शन शानदार रहा। टीम ने एक भी मैच नहीं गंवाया है। भारत ने जारी टूर्नामेंट में सात मैच खेले हैं और 6 में जीत दर्ज की। कोरिया के खिलाफ मुकाबला ड्रॉ रहा था। एशिया कप 2025 में तीसरे स्थान के लिए हुए मैच में मलेशिया ने चीन को 4-1 से हराया।

विश्व चैंपियनशिप में फ्रांस को हराकर रचा इतिहास, दबाव में भी दिखाया धैर्य

भारतीय कंपाउंड तीरंदाजी टीम ने स्वर्ण पदक पर लगाया निशाना, मिश्रित टीम ने भी जीता रजत

ग्वांगजू (दक्षिण कोरिया)। भारतीय पुरुष कंपाउंड तीरंदाजी टीम ने रविवार को यहां फाइनल में फ्रांस को हराकर विश्व चैंपियनशिप में अपना पहला स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा और इस तरह से महिला टीम को मिली निराशा को दूर कर दिया जो आठ साल में पहली बार पोडियम पर जगह बनाने में नाकाम रही। व्यक्तिगत वर्ग में आठवें स्थान पर रहने वाले ऋषभ यादव ने भी मिश्रित टीम स्पर्धा में अनुभवी ज्योति सुरेखा वेन्नम के साथ रजत पदक जीतकर वापसी की। महिला वर्ग में निराशा हाथ लगी क्योंकि टीम प्री-क्वार्टर फाइनल में बाहर हो गई और 2017 से लगातार पदक जीतने का उसका अभियान समाप्त हो गया। तेईस वर्षीय ऋषभ ने अमन सैनी और प्रथमेश फुगे के साथ मिलकर भारत को पुरुष कंपाउंड टीम के खिताबी मुकाबले में फ्रांस पर 235-233 से रोमांचक जीत दिलाई। फ्रांस ने निकोलस गिरार्ड, जीन फिलिप बौल्च और फ्रेंकोइस डुबोइस को मैदान में उतारा, लेकिन भारतीय टीम ने दबाव में भी उल्लेखनीय धैर्य दिखाया। इसका श्रेय फुगे को जाना चाहिए, जो क्वालीफायर में 19वें और भारतीय खिलाड़ियों में अंतिम स्थान पर रहे थे। इस 23 वर्षीय खिलाड़ी ने पहले चरण में 9-9 का स्कोर बनाया लेकिन इसके बाद उन्होंने लगातार छह परफेक्ट 10 लगाए।

खिलाड़ियों ने दिखाया जज्बा

भारत के मुख्य कंपाउंड कोच जीवनजोत सिंह तेजा ने कहा, यह सिर्फ फुगे की बात नहीं है, बल्कि तीनों खिलाड़ियों ने अपना जज्बा दिखाया और दबाव में आए बिना एक-दूसरे का साथ दिया। पहले चरण के बाद भारत 57-59 से पीछे था, लेकिन दूसरे चरण में उसने छह 10-10 के साथ वापसी करते हुए स्कोर 117-117 पर बराबर कर दिया। तीसरे चरण में दोनों टीमों ने 59-59 अंक बनाए, जिससे स्कोर 176-176 से बराबर रहा। अंतिम चरण में फ्रांस की टीम लड़खड़ा गई और भारत स्वर्ण पदक जीत कर इतिहास रचने में सफल रहा। भारत ने फाइनल तक के अपने सफ़र में ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका और तुर्की पर प्रभावशाली जीत दर्ज की थी।

महिलाओं ने किया निराश

इससे पहले दिन में यादव और ज्योति को मिश्रित टीम फाइनल में नीदरलैंड के विश्व नंबर एक माइक श्लोएसर और साने डे लाट की जोड़ी से 155-157 से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय जोड़ी ने पहले चरण के बाद एक अंक की बढ़त बना ली थी, लेकिन दूसरे चरण में उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा और वे 76-77 से पीछे हो गए। नीदरलैंड की जोड़ी ने इसके बाद भी अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखा और छह 10 अंक बनाकर स्वर्ण पदक हासिल किया। भारत का इस स्पर्धा में 2021 के बाद यह पहला पदक है।

पूरे साल फिटनेस बनाये रखने के लिए 'ब्रेक' लेना जरूरी : शार्दुल

बेंगलुरु। भारत के तेज गेंदबाज शार्दुल ठाकुर ने रविवार को खिलाड़ियों को खेल से कभी-कभी 'ब्रेक (खेल से विश्राम)' लेने का समर्थन करते हुए कहा कि आधुनिक क्रिकेटरों के लिए पूरे साल अपनी फिटनेस बनाए रखना एक बड़ी चुनौती है। इंग्लैंड के खिलाफ पिछले महीने

समाप्त हुई पांच मैचों की एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के केवल तीन टेस्ट खेलने के बाद भारतीय क्रिकेट जगत में कार्यभार प्रबंधन (चोट और थकान से बचने लिए) चर्चा का विषय बन गया है। शार्दुल ने इस बारे में पूछे जाने पर कहा, ''मैं इन सवालों की सराहना करता हूं। कोई भी वास्तव में आकर हमसे नहीं पूछता कि इतने महीनों तक खेलने के बाद हमारे शरीर को कैसा महसूस होता है। कई बार हमें हल्के में लिया जाता है और इससे जुड़ा प्रबंधन शीर्ष स्तर का नहीं होता है।'' दलीप ट्रॉफी के सेमीफाइनल में पश्चिम क्षेत्र की अगुवाई करने के बाद ठाकुर ने कहा, '' मैं फिजियो और एसएनसी (स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग कोच) के साथ लगातार काम करके अपने शरीर को प्रबंधित कर रहा हूं, क्योंकि यह क्रिकेट खेलने के बारे में है।'' ठाकुर ने कहा कि इस युग के खिलाड़ियों का कार्यक्रम काफी व्यस्त होता है।

फीफा विश्व कप क्वालीफाइंग मुकाबले में पुर्तगाल ने आर्मेनिया को 5-0 से दी शिकस्त

नई दिल्ली, जेएनएन। पुर्तगाल ने फीफा विश्व कप 2026 के लिए यूईएफए क्वालीफाइंग के अपने शुरुआती मुकाबले में आर्मेनिया को 5-0 से रौंदा। पुर्तगाल की जीत में क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने अहम भूमिका निभाई, जिन्होंने दो गोल दागे। रोनाल्डो के अलावा, जोआओ फेलिक्स ने भी दो गोल किए, जबकि जोआओ कैंसिलो ने एक गोल दागा। रॉबर्टो मार्टिनेज की टीम ने ग्रुफ-एफ में शुरुआत से ही अपना इरादा जाहिर कर दिया था। 40 वर्षीय रोनाल्डो ने अपने अंतरराष्ट्रीय गोल की संख्या 140 तक पहुंचा दी है। वह कार्लोस रुइज के वर्ल्ड कप क्वॉलिफाइंग में सर्वाधिक 39 गोलों के रिकॉर्ड से सिर्फ एक कदम दूर रह गए हैं। दिन का सबसे रोमांचक मुकाबला डबलिन में खेला गया, जहां रिपब्लिक ऑफ आयरलैंड ने हंगरी के खिलाफ शानदार वापसी करते हुए मैच 2-2 से ड्रॉ किया। हंगरी को बर्नाबास वार्गा और रोलैंड सलाई के शुरुआती गोलों ने शानदार बढ़त दिलाई थी, लेकिन ब्रेक के तुरंत बाद इवान फर्ग्यूसन ने इस अंतर को कम कर दिया। इसके बाद सलाई को बाहर भेजा गया। इंजरी टाइम में एडम इदाह ने हेडर के जरिए गोल दागकर मेजबानों को एक अंक दिला दिया। एक अन्य मुकाबले में सर्बिया ने लातविया को 1-0 से हराकर दबाव बनाए रखा। इस

मैच में दुसान व्लाहोविच का शुरुआती गोल निर्णायक साबित हुआ, हालांकि मेजबान टीम ने अंत में कड़ा दबाव बनाया। ऑस्ट्रिया ने ग्रुप-एच में शानदार अभियान जारी रखते हुए साइप्रस को 1-0 से शिकस्त दी। यह गोल मार्सेल सबिट्ज़र ने पेनाल्टी पर किया। बोस्निया एंड हर्जेगोविना ने सैन मरीनो को 6-0 से रौंदते हुए शीर्ष स्थान बरकरार रखा। इस जीत में एडिन डेजेको ने दूसरे हाफ में दो गोल दागे।

एएफसी अंडर-23 एशियाई कप क्वालीफायर : भारत कतर से 1-2 से हारा

दोहा, जेएनएन। भारतीय फुटबॉल टीम को एएफसी अंडर 23 एशियाई कप क्वालीफायर के ग्रुप एच के अपने दूसरे मुकाबले में 10 खिलाड़ियों के साथ खेलने के बाद मेजबान कतर से 1-2 से हार का सामना करना पड़ा। अल हाशमी मोहियालदीन (18वें मिनट) ने कतर को शुरुआत में ही बढ़त दिला दी थी, लेकिन मुहम्मद सुहैल (52वें मिनट) ने बराबरी का गोल दाग दिया। जसीम अल शरशानी (67वें मिनट) के पेनल्टी पर किए गए गोल ने शनिवार को खेले गए मैच में कतर के लिए तीन अंक सुनिश्चित कर दिए। पिछले मैच में बहरीन के खिलाफ 2-0 की जीत से उत्साहित भारत ने अच्छी शुरुआत की। सुहैल को शुरुआत में ही मौका मिल गया, जहां दूसरे मिनट में ही उन्होंने बॉक्स के बाहर से शॉट मारा लेकिन गेंद क्रॉसबार के ऊपर से बाहर चली गई। मेजबान टीम ने धीरे-धीरे खेल पर नियंत्रण हासिल कर लिया और 18वें मिनट में बढ़त बना ली। भारत ने दूसरे हाफ में जोरदार वापसी की।

मुझे वह ट्रेनिंग या कोच नहीं मिलता जो मुझे वास्तव में चाहिए: लवलीना

लीवरपूल, जेएनएन। ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन ने विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप के पहले दौर से बाहर होने के बाद ट्रेनिंग के कम अवसरों पर निराशा व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें हमेशा वह ट्रेनिंग नहीं मिलती जो उन्हें वास्तव में चाहिए। एक साल से अधिक समय बाद अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में वापसी करने वाली तोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता लवलीना शनिवार को 75 किग्रा वर्ग के राउंड ऑफ 16 मुकाबले में तुर्की की बुसरा इस्लिदार के खिलाफ 0-5 की हार के दौरान लय में नहीं दिखी। लवलीना ने शनिवार को 'एक्स' पर लिखा, ''एक साल बाद मैंने अपनी पहली अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। मैं अपने पहले ही मुकाबले में हार गई। इससे पीड़ा पहुंचती है। मुझे खेद है कि मैं इस बार ऐसा नहीं कर पाई। लेकिन सभी जानते हैं- मैं कभी भी किसी और चीज के लिए नहीं लड़ती, सिर्फ अपनी ट्रेनिंग के लिए। मैं कभी विलासिता की चीजें नहीं मांगती। मैं

सिर्फ अच्छी ट्रेनिंग मांगती हूं। इस 27 वर्षीय भारतीय मुक्केबाज ने पेरिस ओलंपिक और उसके बाद के मुकाबलों के लिए तैयारी के दौरान कम अनुभव मिलने पर अफसोस जताया और तोक्यो खेलों से पहले मिली सहयोग प्रणाली से तुलना की। उन्होंने कहा, तोक्यो ओलंपिक से पहले हमारे पास अच्छे अंतरराष्ट्रीय शिविर थे। मैं ट्रेनिंग के लिए अंतरराष्ट्रीय स्परिंग जोड़ीदार के लिए अनुरोध करती थी लेकिन पेरिस ओलंपिक से पहले मुझे बहुत कम प्रतियोगिताएं और बहुत कम अंतरराष्ट्रीय शिविर का मौका मिला।

5 साल में बीसीसीआई का 'बैंक बैलेंस' 6000 करोड़ से बढ़कर हुआ 20,000 करोड़ रुपए

मुंबई, जेएनएन। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड यानी बीसीसीआई के खजाने में पिछले पांच सालों में 14,627 करोड़ रुपये आए हैं और इनमें से 4,193 करोड़ रुपये पिछले वित्तीय वर्ष में ही आए। इस प्रकार बीसीसीआई का 'बैंक बैलेंस' जो 2019 में 6,059 करोड़ का था वो अब 2025 में बढ़कर 20,686 करोड़ रुपए का हो गया है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि राज्य इकाइयों को सभी बकाया राशि का भुगतान करने के बाद भी, सामान्य कोष में भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई और 2019 में यह कोष 3,906 करोड़ रुपये का था, जो 2024 में बढ़कर लगभग दोगुना यानी 7,988 करोड़ रुपये हो गया है। ये आंकड़े राज्य एसोसिएशन के साथ साझा किए गए। रिपोर्ट के अनुसार, 2024 की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में पेश किए गए लेखा-जोखा में कहा गया है कि मानद सचिव ने सदस्यों को बताया कि 2019 से बीसीसीआई की नकद और बैंक में जमा राशि 6,059 करोड़ रुपये से बढ़कर 20,686 करोड़ रुपये हो गई है। इसमें कहा गया है कि 6,059 करोड़ रुपये तब थे जब राज्य क्रिकेट संघों को भुगतान नहीं किया गया था, जबकि 20,686 करोड़ रुपये राज्य क्रिकेट संघों का बकाया भुगतान करने के बाद हैं। बोर्ड की अंतर्राष्ट्रीय मैचों से मीडिया अधिकारों से आय पिछले साल के 2,524.80 करोड़ रुपये से बढ़कर 813.14 करोड़ रुपये हो गई, जिसका मुख्य कारण आईसीसी क्रिकेट वर्ल्ड कप 2023 के दौरान कम अंतरराष्ट्रीय घरेलू मैच हैं।

दलीप ट्रॉफी : फाइनल में सेंट्रल जोन का सामना साउथ जोन से होगा

बेंगलुरु, जेएनएन। सेंट्रल जोन ने रविवार को दलीप ट्रॉफी के फाइनल में अपना स्थान पक्का कर लिया है। इस टीम ने बीसीसीआई सीओई ग्राउंड पर वेस्ट जोन के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबले की पहली पारी में बढ़त के आधार पर खिताबी मुकाबले में जगह बनाई है। अब फाइनल मैच में सेंट्रल जोन का सामना साउथ जोन से होगा। खिताबी मुकाबला 11 सितंबर से खेला जाएगा। टॉस जीतकर बल्लेबाजी के लिए उतरी वेस्ट जोन पहली पारी में 438 रन पर सिमट गई। खराब शुरुआत के बावजूद सेंट्रल जोन ने ऋतुराज गायकवाड़ की पारी के दम पर मजबूत स्कोर बनाया। टीम 179 के स्कोर तक पांच विकेट गंवा चुकी थी। यहां से ऋतुराज गायकवाड़ ने तनुष कोटियान के साथ छठे विकेट के लिए 148 रन जोड़ते हुए टीम को मजबूती दी। गायकवाड़ 206 गेंदों में 184 रन बनाकर आउट हुए। उनकी इस पारी में एक छक्का और 25 चौके शामिल थे।

विराट कोहली ने फुटबॉलर सुनील छेत्री के साथ शेयर किया अपना फिटनेस टेस्ट

नई दिल्ली, जेएनएन। टीम इंडिया के पूर्व कप्तान विराट कोहली के मैदान पर उतरने का इंतजार फैन्स को बेसब्री से है। कोहली इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की खिताबी जीत के बाद से क्रिकेटिंग एक्शन से दूर हैं। कोहली अब ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसकी धरती पर अक्टूबर में होने वाली 3 मैचों की वनडे सीरीज में खेलते नजर आ सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया दौरे के मद्देनजर मद्देनजर विराट कोहली ने हाल ही में लंदन में अपना फिटनेस टेस्ट दिया है जबकि बाकी भारतीय खिलाड़ियों ने यह टेस्ट

बेंगलुरु स्थित भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में दिया था। विजय कुमार वैशाक को छोड़ दें, तो बाकी खिलाड़ी फिटनेस टेस्ट पास करने में सफल रहे। विराट कोहली ने अपने फिटनेस टेस्ट के स्कोर भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान सुनील छेत्री संग शेयर किए हैं। छेत्री विराट के फिटनेस स्कोर देखकर काफी प्रभावित हुए। हालांकि छेत्री ने ये नहीं बताया कि कोहली को फिटनेस टेस्ट में कितने अंक मिले। छेत्री और कोहली के बीच काफी अच्छी दोस्ती है। छेत्री ने कोहली की तुलना फुटबॉल के दिग्गज क्रिस्टियानो रोनाल्डो से की। सुनील छेत्री ने देसीपीएल ने कहा, कुछ दिन पहले विराट ने मुझे अपने फिटनेस टेस्ट के स्कोर भेजे थे।

संक्षिप्त समाचार

ओडिशाः मदरसे में 12 साल के बच्चे की हत्या

भुवनेश्वर, जेएनएन। ओडिशा के नयागढ़ जिले से दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां रानपुर थाना क्षेत्र में मदरसे के पांच नाबालिग छात्रों को पुलिस ने हिरासत में लिया है। पुलिस का कहना है कि इन आरोपियों ने मदरसे के 12 साल के छात्र की हत्या कर दी और शव को सेप्टिक टैंक में फेंक दिया। पुलिस ने बताया कि यह घटना 2 सितंबर की है। मृतक छात्र का नाम सार्वजनिक नहीं किया गया है। शुरुआती जांच में पता चला है कि पीड़ित छात्र कट्टक जिले के बदंबा क्षेत्र का था, उसने सीनियर छात्रों द्वारा जूनियर छात्रों के साथ किए जा रहे यौन शोषण की बात उजागर करने की धमकी दी थी, इसी को लेकर आरोपी छात्रों ने उसे निशाना बनाया और हत्या कर दी। मृतक छात्र के साथ सीनियर छात्र पिछले छह महीने से यौन उत्पीड़न कर रहे थे। 31 अगस्त को भी हत्या का प्रयास किया गया था, जब शव सेप्टिक टैंक से बरामद किया तो शुरुआत में एक्सीडेंट जैसा मामला लगा, लेकिन जांच में पता चला कि छात्र को शारीरिक यातना दी गई और गला घोंटकर उसकी हत्या की गई है। जांच में यह भी सामने आया कि हत्या से पहले पीड़ित को दो सीनियर छात्रों, जिनमें 15 साल का छात्र भी शामिल था।

कोलकाता में दो दोस्तों ने युवती से किया दुष्कर्म

कोलकाता, जेएनएन। कोलकाता के हरिदेवपुर इलाके में 20 वर्षीय युवती के साथ उसके दो दोस्तों ने सामूहिक दुष्कर्म किया। एक पुलिस अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, पीड़िता का आरोप है कि दोनों आरोपियों ने शनिवार रात को उसे अगवा किया। आरोपी उसे मलांचा के पास एक स्थान पर ले गए और उसके साथ बलात्कार किया। अधिकारी ने बताया कि पुलिस दोनों आरोपियों की तलाश कर रही है। पीड़िता की चिकित्सकीय जांच की जा रही है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया है। उन्होंने बताया, आरोपी चंदन मलिक ने युवती को शनिवार को जन्मदिन पार्टी में बुलाया था, लेकिन युवती नहीं जाना चाहती थी। बाद में चंदन और उसके दोस्त देबांग्शु बिस्वास ने उसे घर से अगवा कर लिया और मलांचा इलाके में ले जाकर उसके साथ कई बार दुष्कर्म किया। पीड़िता ने घर जाकर पूरी घटना अपने परिवार वालों को बताई। उसके बाद परिजन उसे लेकर थाने पहुंचे और अपहरण व गैंगरेप की रिपोर्ट दर्ज कराई।

टैरिफ टेंशन के बीच ट्रंप से मिले भारत के लॉबिस्ट

वॉशिंगटन, जेएनएन। अमेरिका में पैरवी करने भारत से नियुक्त पॉलिटिकल लॉबिस्ट जेसन मिलर ने ट्रेड और टैरिफ पर वॉशिंगटन से तनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और प्रशासन के अधिकारियों से मुलाकात की है। मिलर एसएसडब्ल्यू पार्टनर्स एलएलसी के प्रमुख हैं, जिसे भारतीय दूतावास ने अप्रैल में कथित तौर पर एक साल के लिए 1.8 मिलियन अमेरिकी डॉलर में नियुक्त किया था। मिलर ने ट्रंप और अन्य अधिकारियों के साथ बैठक का मकसद तो नहीं बताया, लेकिन ट्रंप के साथ वाली तस्वीर सहित कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट की हैं। उन्होंने पोस्ट किया, 'वॉशिंगटन में बहुत ही शानदार सप्ताह रहा, जहां बहुत सारे दोस्त शहर में थे, और सबसे बढ़िया बात यह रही कि हमें यहां रुकने और अपने राष्ट्रपति को काम करते हुए देखने का मौका मिला! ट्रंप के भारतीय सामानों पर टैरिफ दोगुना 50 प्रतिशत करने के बाद नई दिल्ली और वॉशिंगटन के बीच संबंधों में भारी गिरावट आई है। अमेरिका ने रूसी तेल खरीदने को लेकर भारत पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क भी लगाया है, जो इस 50 फीसदी टैरिफ में शामिल है। भारत ने अमेरिकी एक्शन को गलत और अविवेकपूर्ण बताया है। हालांकि, संबंधों में आई इस गिरावट को रोकने की कोशिशों के संकेत भी मिले हैं।

इंडिया ब्लॉक के सांसदों की डिनर बैठक कैंसिल

नई दिल्ली, जेएनएन। इंडिया ब्लॉक के सांसदों का डिनर बैठक का कार्यक्रम कैंसिल हो गया है। कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने सांसदों के लिए डिनर बैठक का सोमवार को आयोजन करने वाले थे। उपराष्ट्रपति उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी के सम्मान में ये बैठक आयोजित किया जा रहा था। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने खुद एक संदेश जारी करते हुए बताया कि आयोजित डिनर को रद्द कर दिया गया है। मल्लिकार्जुन खरगे ने संदेश में कहा कि पंजाब समेत विभिन्न राज्यों में आई विनाशकारी बाढ़ से हुई तबाही और पीड़ितों के प्रति सहानुभूति व्यक्त करते हुए यह विचार किया गया कि इस बैठक को रद्द कर दिया जाए। 9 सितंबर को उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान होने वाला है। चुनाव आयोग के निगरानी और संचालन में मतदान प्रक्रिया पूरी की जाएगी। ये बैठक मतदान के एक दिन पहले आयोजित होने वाला था। इस डिनर बैठक के ज़रिए विपक्ष एकता का संदेश देने की कोशिश कर कर रहा था, साथ ही अपने उम्मीदवार के लिए समर्थन जुटाना और पार्टीगत मतभेदों को भुलाकर एकसाथ आकर तालमेल बैठाना।

गणेशोत्सव का समापन होते ही दुर्गोत्सव की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। कलाकार देवी दुर्गा की मूर्तियों को अंतिम रूप देने में जुट गए हैं। देशभर में दुर्गा पूजा त्योहार से पहले मिट्टी की प्रतिमाओं को आकार दिया जा रहा है। गुवाहाटी में देवी दुर्गा की मूर्ति बना रहा कलाकार।

रूस की यूक्रेन पर सबसे बड़ी एयरस्ट्राइक, 800 से ज्यादा ड्रोन दागे

कीव में कैबिनेट बिल्डिंग पर हमला, 3 की मौत

मॉस्को, जेएनएन। रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव पर ताजा हमला किया है, जिसके बाद पेचेर्स्की जिले में कैबिनट बिल्डिंग में आग लग गई। यूक्रेनी सैन्य प्रशासन के प्रमुख तैमूर तकाचेंको ने रविवार को सोशल मीडिया पर इस बात की जानकारी दी है। रिपोर्ट के मुताबिक चश्मदीदों ने यूक्रेनी सरकार की मुख्य इमारत से घना धुआं उठते देखा। यूक्रेनी अधिकारियों ने बताया कि रूस ने कीव पर रात भर हमले किए हैं, जिसमें एक नवजात समेत तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि 18 अन्य घायल हुए हैं। राजधानी में सरकारी मुख्यालय समेत कई इमारतों को आग के हवाले कर दिया गया। कीव के मेयर विटाली क्लिट्स्को ने बताया कि हमले की शुरुआत शहर पर ड्रोन हमलों से हुई और उसके बाद मिसाइल अटैक किए गए। यूक्रेन की प्रधानमंत्री यूलिया स्विरीडेंको ने कहा कि युद्ध के दौरान पहली बार दुश्मन के हमले में यूक्रेनी

सरकार की मुख्य इमारत को नुकसान पहुंचा है। यूक्रेन की वायुसेना का कहना है कि रूस ने रातभर में यूक्रेन पर 805 ड्रोन और 13 मिसाइलें दागीं हैं। क्लिट्स्को ने टेलीग्राम मैसेजिंग ऐप पर बताया कि ड्रोन हमलों में एक बच्चे और एक युवती की मौत हो गई, जबकि एक प्रेग्नेंट महिला सहित पांच लोग अस्पताल में भर्ती हैं।

यमन के हूती विद्रोहियों ने इजरायल पर किए ड्रोन हमले

तेल अवीव। हूती विद्रोहियों ने रविवार को यमन के नियंत्रण वाले इलाकों से इजरायल पर ड्रोन अटैक किए। मिस्र की सीमा पर स्थित इजरायली इलाकों में संदिग्ध ड्रोन घुसपैठ की चेतावनी वाले सायरन बजने की रिपोर्ट लोगों ने दी। आईडीएफ ने यमन से किए गए ड्रोन अटैक की पुष्टि की। साथ ही वायु सेना यमन से इजरायल पर दागे गए तीन ड्रोन को मार गिराया, जिनमें से दो को पहले ही नष्ट कर दिया गया। इसके पहले यमन की हूती नियंत्रित राजधानी सना पर 28 अगस्त को हमला किया था, जिसमें पीएम अहमद अल राहवी, कैबिनेट के 9 मंत्री और दो अन्य शीर्ष अधिकारी मारे गए थे।

एक ही पते पर दर्ज सैंकड़ों वोटर आईडी को लेकर मचे बवाल के बाद बदलाव की कवायद

वोटर आईडी कार्ड में मकान नंबर देने की अनिवार्यता होगी खत्म!

अब मकान नंबर 0 नहीं होगा, आवासहीन को नहीं दिए जाएंगे काल्पनिक नंबर

नई दिल्ली, जेएनएन। कर्नाटक में सैकड़ों मतदाता पहचान पत्रों में मकानों का एक ही पता 'जीरो' दर्ज होने से मचे बवाल के बीच चुनाव आयोग कुछ परिस्थितियों में नोशनल नंबर देना खत्म करने जा रहा है। इसके लिए मतदाता के पते के बारे में नए फॉर्मेट पर विचार किया जा रहा है, ताकि काल्पनिक नंबर देने की मजबूरी खत्म हो जाए। इसके तहत वोटर आईडी में मकान नंबर डालने की अनिवार्यता समाप्त करना भी शामिल है। मकान नंबर की जगह आधार नंबर डालने को भी विकल्प के तौर पर देखा जा रहा है। गौरतलब है कि कांग्रेस ने बड़ी संख्या में मकानों को नंबर 00 या 77777 या 9999 देने को राजनीतिक मुद्दा बनाया हुआ है। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने कर्नाटक की वोटर लिस्ट में ऐसे कई पते दिखाए थे, जिनके आगे यही नंबर लिखे हुए थे। इसके बाद ऐसे वोटर्स को लेकर नई बहस छिड़ गई थी। चुनाव आयोग पर भी सवाल उठ रहे थे।

चीफ इलेक्शन कमिश्नर ज्ञानेश कुमार ने 17 अगस्त को प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह बताया था कि बड़ी संख्या में ऐसे मतदाता होते हैं जो फुटपाथ पर, पुलों के नीचे या किसी लैंपपोस्ट के नीचे रात बिताते हैं। ऐसे मतदाताओं के घर के पते में मकान नंबर जीरो दर्ज किया जाता है। आधार जारी करने वाली संस्था यूआईडीएआई का अनुमान है कि 12 लाख लोगों के आधार में स्थाई पता दर्ज नहीं है। आधार अथॉरिटी ने ऐसे लोगों के लिए हेड ऑफ द फैमिली को केयर ऑफ दिखाकर पता दर्ज किया हुआ है।

देश में 17.73 लाख लोगों के पास मकान नंबर नहीं

पिछली जनगणना में यह भी सामने आया कि देश में करीब 17 लाख 73 हजार लोग बेघर हैं। उनके पास कोई जनगणना आवास नंबर नहीं था। ऐसे करीब 9 लाख 38 हजार लोग शहरी इलाके में और 8 लाख 34 लाख लोग ग्रामीण इलाके में दर्ज किए गए। नागरिक संगठनों ने इस संख्या पर एतराज भी जताए थे और कहा था कि बेघर लोगों की संख्या इससे कहीं अधिक है। अब 2027 की जनगणना में सही तस्वीर सामने आएगी। इस जनगणना के जरिए भी मकान संख्या ठीक से दर्ज करने और उन्हें घरों सामने पते तौर पर लिखने की पुख्ता व्यवस्था होने की उम्मीद की जा रही है।

बिहार में 2.90 लाख मकानों पर 0, 00 या 000 दर्ज

आयोग का कहना है कि रिकॉर्ड में हर राज्य में ऐसे लाखों मतदाता मिले हैं, जिनके मकान नंबर पर जीरो दर्ज हैं। इसका कारण है कि कई गांवों में मकानों को नंबर देने की व्यवस्था नहीं है। बिहार में ऐसे करीब 2.90 लाख से अधिक मतदाता हैं, जिनके मकान नंबर के सामने 0 या 00 या 000 लिखा है। इसमें अगर मकान संख्या के आगे का कॉलम खाली रखा जाए, तो कंप्यूटर उस एंट्री को स्वीकार नहीं करता।

क्या चुनाव आयोग भाजपा का ऑफिस बन गया : खरगे

कर्नाटक की अलंद सीट पर गड़बड़ी का मामला कहा, वोटर फ्रॉड की जानकारी रोकी

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने रविवार को सवाल किया कि क्या चुनाव आयोग (ईसी) अब भाजपा का बैक ऑफिस बन गया है? खड़गे ने आरोप लगाया कि ईसी ने अब वोटर फ्रॉड मामले से जुड़ी जानकारी देना भी बंद कर दिया है। खड़गे ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा–मई 2023 विधानसभा चुनाव से पहले अलंद विधानसभा क्षेत्र में बड़ी संख्या में मतदाता सूची से नाम हटाए गए थे। इसको लेकर जांच की जा रही है। चुनाव आयोग ने शुरुआत में कुछ दस्तावेज जरूर दिए, लेकिन अब अहम सबूत देने से इनकार कर रहा है, जिससे असली गुनहगारों को बचाया जा सके। इधर, चुनाव आयोग ने अब तक खड़गे के आरोपों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। हालांकि पहले ईसी कांग्रेस के वोट चोरी के दावों को बेबुनियाद करार दे चुका है। खड़गे ने एक्स पर लिखा कि मई 2023 विधानसभा चुनाव से पहले अलंद विधानसभा क्षेत्र में जांच एजेंसियों ने 5,994 फर्जी आवेदन पकड़े थे, जो बड़े स्तर पर वोटरों को हटाने की कोशिश का सबूत था। इसको लेकर कांग्रेस सरकार ने सीआईडी जांच के आदेश दिए। जांच की शुरुआत में ईसी ने सबूत दिए, लेकिन अब भाजपा के दबाव में आकर जानकारी साझा नहीं कर रही है।

पीएम बन गए हैं देश के दुश्मन

खरगे ने रविवार को प्रधानमंत्री मोदी के लिए एक बड़ी बात कह दी है। भारत पर अमेरिका की ओर से लगाए गए टैरिफ के संदर्भ में बोलते हुए मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देश का दुश्मन कह दिया। खरगे कर्नाटक के कलबुर्गी में एक प्रेस मीटिंग को संबोधित कर रहे थे। खरगे ने कहा, 'पीएम मोदी और डोनाल्ड ट्रंप दोस्त हो सकते हैं, एक-दूसरे के लिए अच्छे हो सकते हैं, क्योंकि वे एक-दूसरे के लिए वोट मांगते हैं।' उन्होंने दावा करते हुए कहा, 'मोदी और ट्रंप का गठबंधन भारत की कीमत पर हुआ है। उन्होंने पूरे देश का माहौल को खराब करके रख दिया है।'

टिफिन मीटिंग, स्वच्छता और इनोवेटिव पर दें जोरः पीएम

मोदी ने सांसदों को दिए सफलता के टिप्स

नई दिल्ली, जेएनएन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को भाजपा सांसदों के लिए आयोजित एक वर्कशॉप में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने जीएसटी सुधारों की तारीफ की और एक प्रस्ताव भी पास किया गया। पार्टी देशभर में जीएसटी के फायदों को जनता तक पहुंचाने अभियान शुरू करेगी। पीएम मोदी रविवार को सांसदों के साथ रहे और कार्यशाला के पहले दिन कई सत्रों में भाग लिया। इस दौरान वह सबसे पीछे बैठे। संसद भवन में हुई बैठक में पीएम ने सांसदों से कहा, क्षेत्र की हर विधानसभा में महीने में एक बार टिफिन मीटिंग करें, ताकि आमजन से सीधे मिलकर समस्याएं सुन सकें और उनका समाधान हो सके। पीएम ने निर्देश दिया कि संसदीय समिति की बैठक से पहले, बाद में मंत्री व अधिकारियों से विषयों पर बेहतर जानकारी प्राप्त करें। अधिकारियों से हमेशा ठीक से पेश आएं। वर्कशॉप में स्वच्छता अभियान पर जोर दिया गया। पीएम ने सिंगापुर का उदाहरण देते हुए कहा, कुछ इनोवेटिव सोचिए और करिए तभी हम आगे बढ़ पाएंगे।

सांसदों का डिनर कैंसिल

उपराष्ट्रपति चुनाव से एक दिन पहले 8 सितंबर को पीएम मोदी एनडीए सांसदों के लिए डिनर देने वाले थे, लेकिन पंजाब समेत कई राज्यों में आई बाढ़ को देखते हुए यह कार्यक्रम रद्द कर दिया गया। सूत्रों के अनुसार, पीएम मोदी बाढ़ प्रभावित राज्यों का दौरा करेंगे और हालात की समीक्षा बैठक भी लेंगे। दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और गुजरात में बाढ़ से भारी नुकसान हुआ है।

वर्कशॉप में आज हिस्सा लेंगे एनडीए सांसद

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, भाजपा के सहयोगी दलों के सांसद भी सोमवार को बैठक में हिस्सा लेंगे। पीएम एनडीए के सभी सदस्यों को संबोधित करेंगे। बैठक में सांसदों को 9 सितंबर को होने वाले उपराष्ट्रपति चुनाव की तैयारी के लिए मॉक पोलिंग अभ्यास में भी शामिल किया जाएगा।

पीएम के 75वें जन्मदिन पर 'नमो युवा रन'

पीएम मोदी के 75वें जन्मदिन पर भाजपा युवा मोर्चा ने 'नमो युवा रन' आयोजित करने का ऐलान किया है। इसमें देशभर के 75 स्थानों पर 10 से 15 हजार युवाओं की दौड़ होगी, जिसमें 10 लाख युवा भाग लेंगे। इस पहल का मुख्य उद्देश्य युवाओं को नशे से दूर कर 'नशा मुक्त भारत' का संदेश देना है।

पूर्व पीएम के पोते को जेल में मिला काम

रेवन्ना जेल में संभालेगा लाइब्रेरी रोजाना मिलेगी 522 रु. मजदूरी

बेंगलुरु, जेएनएन। पूर्व जेडीएस सांसद और पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा का पोता प्रज्वल रेवन्ना जेल में लाइब्रेरी संभालेगा। बेंगलुरु की परप्पना अग्रहारा सेंट्रल जेल प्रशासन ने रविवार को जानकारी दी। जेल प्रशासन ने बताया कि रेवन्ना का काम जेल की लाइब्रेरी में कैदियों को किताबें जारी करना और उनका रिकॉर्ड संभालना होगा। जेल के नियमों के मुताबिक, कैदियों को हर महीने कम से कम 12 दिन यानी हफ्ते में तीन दिन काम करना जरूरी है। अगर रेवन्ना तय शर्तों को पूरा करते हैं तो उन्हें हर दिन की मजदूरी 522 रुपए के हिसाब से मिलेगी। हर कैदी को उसकी योग्यता और इच्छा के आधार पर काम दिया जाता है। बेंगलुरु की स्पेशल कोर्ट ने 2 अगस्त को रेवन्ना को नौकरानी से रेप केस में उम्रकैद की सजा सुनाई थी। स्पेशल कोर्ट ने 2 अगस्त को रेवन्ना पर 11.50 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया था। इसमें से 11.25 लाख रुपए पीड़ित को दिए जाएंगे।

प्रज्वल पर कई महिलाओं से यौन उत्पीड़न का आरोप

रेवन्ना के परिवार के फार्महाउस में काम करने वाली 47 साल की महिला ने अप्रैल 2023 में रेवन्ना के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। इसमें रेवन्ना पर 2021 से कई बार रेप करने और किसी को भी घटना के बारे में बताने पर वीडियो लीक करने की धमकी देने का आरोप लगाया था। साथ ही प्रज्वल रेवन्ना का नाम कर्नाटक सेक्स स्कैंडल में भी आया था। उस पर 50 से ज्यादा महिलाओं से यौन उत्पीड़न का आरोप भी है।

सलमान का ट्रंप पर तंज

दुनिया में जो सबसे ज्यादा ट्रबल फैला रहे, उन्हें शांति प्राइज चाहिए

नई दिल्ली। बिग बॉस 19 होस्ट कर रहे सलमान खान ने शो में कंटेस्टेंट्स को लताड़ लगाई। एपिसोड में उन्होंने बहस को लेकर रिएक्ट किया और उनके बीच चीजों को शांत करने की कोशिश की। इसी दौरान उन्होंने फरहाना की क्लास लगाई। वहीं उन्होंने एक बयान दिया, जिसके बाद सोशल मीडिया पर चर्चा होने लगी कि उन्होंने डोनाल्ड ट्रंप पर तंज कसा। सलमान फरहाना की क्लास लगाते हुए कहा कि आप पीस एक्टिविस्ट हैं। पर आप शांति बनाए रखने की बजाय आप शांति पर ही अटैक कर रही हैं। पीस एक्टिविस्ट झगड़े सुलझाते हैं। दोस्ती कराते हैं। आगे सलमान ने बिना नाम लिए कहा, ये क्या हो रहा है पूरी दुनिया में, जो सबसे ज्यादा ट्रबल फैला रहे हैं, उन्हीं को शांति प्राइज चाहिए। सलमान खान ने किसी का नाम तो नहीं लिया, लेकिन उनका बयान सोशल मीडिया पर वायरल है। सोशल मीडिया पर लोगों का कहना है कि सलमान ने डोनाल्ड ट्रंप पर तंज कसा है। एक यूजर ने लिखा कि सलमान खान ने एक तीर से दो निशाने लगा दिए। एक तो उन्होंने फरहाना की क्लास लगाई और दूसरा डोनाल्ड ट्रंप तंज कसा। सलमान सर तुस्सी ग्रेट हो। ट्रंप ने कई विवादों के जरिए 'सुलझाने' का दावा किया है। भारत-पाक के बीच हुए विवाद को भी रोकने की बात कही थी, जिस पर भारत ने कड़ी आपत्ति जताते हुए साफ कहा था कि पाक पहल पर विवाद खत्म हुआ था। ट्रंप प्रशासन राष्ट्रपति को नोबेल शांति पुरस्कार का हकदार मानता है।

शशिकला पर सीबीआई का आरोप

नोटबंदी में कारखाना खरीदने दिए 450 करोड़ रुपए के पुराने नोट

बेंगलूरु, जेएनएन। तमिलनाडु की दिवंगत सीएम जे जयललिता की करीबी सहयोगी वीके शशिकला पर गंभीर आरोप लगे हैं। उन्होंने 2016 में नोटबंदी के दौरान चीनी कारखाना खरीदने के लिए 450 करोड़ रुपए के पुराने नोट दिए थे। सीबीआई की ओर से दर्ज प्राथमिकी में इसका उल्लेख है। सीबीआई ने मद्रास हाईकोर्ट के निर्देश पर पद्मादेवी शुगर्स लि. (पीएसएल) पर इंडियन ओवरसीज बैंक को 120 करोड़ रुपए का नुकसान पहुंचाने का मामला दर्ज किया था। इस खाते को 2020 में धोखाधड़ी में इस्तेमाल घोषित किया गया था। प्राथमिकी में शशिकला का नाम आरोपी के तौर पर नहीं है। इसके मुताबिक पीएसएल (जिसे पहले एसवी शुगर मिल्स के नाम से जाना जाता था) की चीनी मिल को बैंक ने गिरवी के तौर पर लिया था। इसे आयकर विभाग ने बेनामी संपत्ति लेनदेन अधिनियम के तहत जब्त कर लिया था। आरोप है कि 2017 में शशिकला के खिलाफ एक मामले के सिलसिले में आयकर विभाग की तलाशी में दस्तावेज जब्त किए गए थे।

उम्मीद — सभी ट्रायल में कैंसर के टीके की सफलता का दावा

रूस ने बनाई लाइलाज कैंसर की वैक्सीन

मॉस्को, जेएनएन। दुनिया में लाइलाज बीमारियों में गिनी जाने वाली कैंसर पीड़ितों के लिए राहत की खबर है। रूस ने कैंसर के खिलाफ लड़ाई में एक नई सफलता हासिल की है। वहां की फेडरल मेडिकल एंड बायोलॉजिकल एजेंसी (एफएमबीए) ने कैंसर की वैक्सीन तैयार की है। एमएफबीडी प्रमुख वेरोनिका स्क्वोर्त्सोवा ने कहा कि रूसी एंटरोमिक्स कैंसर वैक्सीन अब इस्तेमाल के लिए तैयार है। एमआरएनए-बेस्ड इस वैक्सीन ने सभी प्रीक्लिनिकल टेस्ट को सफलतापूर्वक पार कर लिया है, जिससे इसकी सुरक्षा और प्रभावशीलता साबित हो गई है। इस टीके का प्रारंभिक लक्ष्य कोलोरेक्टल कैंसर (कोलन कैंसर) होगा।

वैज्ञानिकों को अब अप्रूवल का इंतजार

स्कवोर्त्सोवा ने कहा, 'यह शोध कई वर्षों तक चला जिसमें से पिछले तीन साल सिर्फ मैंडेटरी प्रीक्लिनिकल स्टडीज को ही समर्पित थे। वैक्सीन अब इस्तेमाल के लिए तैयार है। हम आधिकारिक स्वीकृति की प्रतीक्षा कर रहे हैं।' उन्होंने कहा, प्रीक्लिनिकल ट्रायल्स टीके की सुरक्षा, बार-बार इस्तेमाल के बावजूद इसकी प्रभावशीलता की पुष्टि करते हैं। शोधकर्ताओं ने इस दौरान ट्यूमर के आकार में कमी और ट्यूमर के विकास में कमी देखी। इसके अलावा अध्ययनों ने टीके के कारण मरीज की जीवित रहने की दर में वृद्धि का भी संकेत दिया।

वैक्सीन ने पार किए सभी ट्रायल्स

रिपोर्ट के अनुसार, रूस के कैंसर वैक्सीन ने शानदार प्रदर्शन किया है और एफएमबीए की प्रमुख वेरोनिका स्कवोर्त्सोवा ने ईस्टर्न इकोनॉमिक फोरम में इसकी घोषणा की है।

कई और कैंसर के टीकों पर भी काम जारी

इस टीके का शुरुआती टार्गेट कोलोरेक्टल कैंसर होगा। इसके अलावा ग्लियोब्लास्टोमा (ब्रेन कैंसर) और विशिष्ट प्रकार के मेलेनोमा जिनमें ऑक्यूलर मेलेनोमा (एक प्रकार का आंख का कैंसर) के लिए टीके विकसित करने में उम्मीद बांधने वाली प्रगति हुई है जो वर्तमान में अपनी एंडवांस स्टेज पर हैं। 10वां ईस्टर्न इकोनॉमिक फोरम 3 से 6 सितंबर को व्लादिवोस्तोक में 'द फार इस्टः कॉ-आरेशन फॉर पीस एंड प्रॉस्टपेरिटी' विषय पर आयोजित किया गया था। इसमें 75 से अधिक देशों के 8,400 से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया था।

दैनिक जागरण वर्गीकृत

ESSARJEE संपदा PHASE - 4
Bhopal By-Pass Road, Khajurikalan Square, Near Proposed ISBT Khajurikalan, Bhopal
Well Connected With Raisen Road.
BLOCK-A
RERA REG. No. P-BPL-22-3367
FLATS & SHOPS AVAILABLE
FLATS STARTING AT 25 Lakh*
ALSO AVAILABLE
DUPLEX ₹ 40 LAKH* ONWARDS
SINGLEX ₹ 30 LAKH* ONWARDS
PLOT ₹ 3000/-Sqft.*
RERA REGISTERED PROJECT P-BPL-17-445 P-BPL-17-938
Call : 9691927000
ESSARJEE CONSTRUCTIONS PVT. LTD.
BUILDERS, DEVELOPERS AND COLONISERS
Corporate Office : "Essarjee House", Z-10, Zone-1, M.P. Nagar, Bhopal-11
Contact No. : 0755-2558221, 2559665

जागरण क्लासीफाइड डबल धमाका
हमारा वादा, कम में ज्यादा
एक के साथ एक फ्री स्कीम
रनिंग क्लासीफाइड के साथ
भोपाल संस्करण ₹300/- संपूर्ण म.प्र. संस्करण ₹500/-
विज्ञापन बुकिंग हेतु संपर्क करें 9826433122 9826065324
डिस्प्ले क्लासीफाइड ₹50/- per sqcm.
Email : advtbhopaljagran@gmail.com

अण्डा
BHOPAL EGG RATE 525/-
Rate Suggested by RS Agro P.I.P.L. and Associated Poultry farmers.

सलाह
पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी भी विज्ञापन पर कार्रवाई करने से पूर्व आवश्यक/ सम्पूर्ण जानकारी कर लेवें। यह समाचार पत्र विज्ञापनदाता द्वारा किये गये किसी भी प्रकार के दावे/प्रस्तुतीकरण के लिए जिम्मेदार नहीं है।
-व्यवस्थापक

कृषि अधिकारियों ने देखी मूंगफली और सोयाबीन की फसल

जागरण, खजुराहो। कृषि विभाग की टीम ने राजनगर विकासखंड के ग्राम नयागांव, नंदलालपुरा और रिछाई में खेतों का दौरा किया। नए उपसंचालक कृषि डॉ. रवीश सिंह और कृषि विज्ञान केंद्र के डॉ. राजीव सिंह ने नेशनल मिशन ऑन एडिबल ऑयल के तहत लगाई गई तिलहन और दलहन की फसलों का निरीक्षण किया। टीम ने मूंगफली की के-1812 और सोयाबीन की आरवीएसएम 2011-35 प्रजाति का अवलोकन किया।

ट्रेन से गिरा दिव्यांग, लहूलुहान हालत में अस्पताल में भर्ती

जागरण, ग्वालियर। जिले में बड़ा हादसा हो गया। चलती ट्रेन से एक दिव्यांग गिरकर घायल हो गया। उसे गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दरअसल निवाड़ी निवासी दिव्यांग पप्पू राठौर चलती ट्रेन से अचानक गिरकर लहूलुहान हो गया। वह आगरा से झांसी की ओर जाने वाली ट्रेन मंगला एक्सप्रेस में सवार था। हादसे के बाद रेलवे कर्मचारी और राहगीरों ने रेलवे ट्रैक से किनारे किया।

"ट्वीट ऑफ द डे"

संजय यादव
सांसद राजद

तेजस्वी यादव ही बिहार के लिए असली विकल्प हैं, क्योंकि वे नई सोच, रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे मुद्दों पर काम कर रहे हैं। हमारी पार्टी और हमारे नेता तेजस्वी यादव महिलाओं के सम्मान, उन्नति और आर्थिक प्रगति के लिए लगातार प्रयासरत हैं। इसी कड़ी में हम डंके की चोट पर इस योजना का फॉर्म भरवाएंगे। उन्होंने कहा कि महिलाओं की स्थिति सुधारना और उन्हें मजबूत बनाना राजद के एजेंडे में सबसे ऊपर है।

दीवाली से पहले ट्रेनें फुल, पुणे-बैंगलुरू से भोपाल आने के लिए नहीं मिल रहा टिकट

भोपाल से लखनऊ, पटना और दिल्ली जाने वाली ट्रेनों में नो रूम की स्थिति, 15 से 18 अक्टूबर तक रिग्रेट की स्थिति

कार्यालय संवाददाता, भोपाल। गणेश चतुर्थी के बाद अब नवरात्रि का पर्व आ रहा है। उसके बाद दशहरा और दीवाली का त्योहार आएगा। दीवाली आने में अभी डेढ़ महीने का समय है, लेकिन ट्रेनों में नो रूम की स्थिति बनने लगी है। अक्टूबर के महीने में ट्रेनें सबसे ज्यादा फुल हो रही हैं। हालत यह है कि 15 अक्टूबर से 18 अक्टूबर तक भोपाल आने वाली ज्यादातर ट्रेनों में एक भी सीट नहीं है। इसमें सबसे परेशानी उन लोगों को हो रही है, जो भोपाल के रहवासी हैं और पुणे, बैंग्लुरू, चैन्नई जैसे शहरों में नौकरी करते हैं। दीवाली पर इन्हें घर आने में समस्या का सामना करना पड़ रहा है। इसके विपरीत जो लोग भोपाल में रहकर काम कर रहे हैं और वह लखनऊ, पटना, गोरखपुर के निवासी हैं। उन्हें भी ट्रेनों में टिकट नहीं मिल रहे। रेलवे सूत्रों के अनुसार, त्योहार के समय घर लौटने वाली भारी भीड़ के कारण टिकट की मांग दिनोंदिन बढ़ रही है। यही वजह है कि यात्री अभी से कन्फर्म टिकट पाने के लिए परेशान हैं। कई लोग मजबूरी में निजी बसों, टैक्सी और अन्य साधनों का सहारा लेने की तैयारी कर रहे हैं। वहीं, रेलवे ने अभी तक अतिरिक्त ट्रेनों की घोषणा नहीं की है, जिससे यात्रियों की चिंता और बढ़ गई है।

यह है स्थिति

- भोपाल से गोरखपुर जाने वाली ट्रेनें (15 से 18 अक्टूबर तक पूरी तरह भरी)
- 15024 यशवंतपुर-गोरखपुर एक्सप्रेस - रिग्रेट
- 15066 पनवेल-गोरखपुर एक्सप्रेस - रिग्रेट
- 07075 हैदराबाद-गोरखपुर स्पेशल - रिग्रेट
- 22538 कुशीनगर एक्सप्रेस - रिग्रेट
- 20103 एलटीटी-आजमगढ़ सुपरफास्ट एक्सप्रेस - रिग्रेट
- 19489 अहमदाबाद-गोरखपुर एक्सप्रेस - रिग्रेट
- 12522 राप्तीसागर एक्सप्रेस - रिग्रेट
- भोपाल से पटना जाने वाली ट्रेनें (15 से 18 अक्टूबर तक पूरी तरह भरी)
- 19483 अहमदाबाद-बरौनी एक्सप्रेस - रिग्रेट
- 19313 इंदौर-पटना एक्सप्रेस - रिग्रेट
- 19435 अहमदाबाद-आसनसोल साप्ताहिक एक्सप्रेस - रिग्रेट
- 01665 रानी कमलापति-अगरतला स्पेशल - रिग्रेट

गढ़ क्या बोले यात्री

1. अशोक गार्डन निवासी मुकेश छाबड़ा ने बताया कि मेरा भाई पुणे में रहता है, एक सॉफ्टवेयर कंपनी में काम करता है। मेरी उससे फोन पर बात हुई है, उसने बताया कि 15 से लेकर 20 अक्टूबर तक किसी भी ट्रेन में टिकट नहीं मिल रहा। रेलवे अगर स्पेशल ट्रेनें नहीं चलाएगा तो हमें मजबूरी में महंगे दामों पर बस पकड़नी पड़ेगी।
2. कोलार निवासी संजय उपाध्याय ने बताया कि मुझे दिवाली पर गोरखपुर जाना है, टिकट नहीं मिल रहा। सोच रहा हूं निजी टैक्सी बुक करूं, लेकिन उसका किराया बहुत ज्यादा है। पूरा परिवार गांव जाने की तैयारी में है। बच्चों और बुजुर्गों के साथ बस से सफर करना मुश्किल होता है, त्यौहार के दौरान रेलवे को स्पेशल ट्रेनें चलानी चाहिए।

निजी बस और टैक्सी की डिमांड

त्योहारों के सीजन में ट्रेनों में टिकट का मिलना मुश्किल होता है। वैसे ही निजी बस आपरेटर और टैक्सी संचालकों के भाव बढ़ जाते हैं। रक्षाबंधन के समय निजी बस और टैक्सी चालकों द्वारा यात्रियों से किराए के नाम पर लूट देखी गई थी। फिर एक बार यात्री इस लूट का शिकार होने वाले हैं।

अतिरिक्त ट्रेनें एक मात्र उपाए

रेलवे सलाहकार समिति पश्चिम मध्य रेलवे के सदस्य निरंजन वाधवानी का कहना है कि दीपावली के दौरान कन्फर्म टिकट मिलना लगभग नामुमकिन हो जाता है। दो महीने पहले से ही यूपी-बिहार की ट्रेनों में सीट नहीं मिल रही है। रेलवे को त्यौहार की समय अतिरिक्त ट्रेनें चलानी चाहिए। मजबूरी में निजी बसों और टैक्सियों का सहारा लेंगे।

20 तक चलेगी आरकेएमपी से पितृपक्ष स्पेशल ट्रेन

कार्यालय संवाददाता, भोपाल। श्राद्धपक्ष में गया जाने वाले यात्रियों की भीड़ को देखते हुए रेलवे ने पितृपक्ष स्पेशल ट्रेन में कोचों की संख्या बढ़ा दी है। अब रानी कमलापति-गया-रानी कमलापति स्पेशल ट्रेन में दो अतिरिक्त कोच (एक एसी 3 टियर और एक स्लीपर) जोड़े गए हैं। इसके साथ ही इस ट्रेन की कुल कोच संरचना बढ़कर 24 हो गई है। यात्रियों को यह सुविधा 7 से 20 सितंबर 2025 तक उपलब्ध होगी। भोपाल मंडल के सीनियर डीसीएम सौरभ कटारिया ने बताया कि यात्रियों की सुविधा को देखते हुए यह व्यवस्था की गई है। उन्होंने यात्रियों से अपील की है कि यात्रा से पहले गाड़ियों की समय-सारिणी एवं ठहराव की जानकारी के लिए रेल मदद 139 का उपयोग करें। जानकारी अनुसार रानी कमलापति-गया पितृपक्ष स्पेशल 12 और 17 सितंबर को रानी कमलापति स्टेशन से दोपहर 1:20 बजे रवाना होगी और अगले दिन सुबह 9:30 बजे गया पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 01662 गया-रानी कमलापति पितृपक्ष स्पेशल ट्रेन 10, 15 और 20 सितंबर गया से दोपहर 2:15 बजे चलेगी और अगले दिन सुबह 10:45 बजे रानी कमलापति पहुंचेगी। रास्ते में यह ट्रेन भोपाल, विदिशा, गंजबासौदा, बीना, सागर, दमोह, कटनी, मैहर, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, मिर्जापुर, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, भभुआ रोड, सासाराम, देहरी ऑन सोन और अनुग्रह नारायण रोड स्टेशन पर हॉल्ट लेगी।

'दवा से ठीक न हुए तो यीशु की शरण में होंगे ठीक'

नर्सिंग के छात्र धर्मपरिवर्तन का बना रहे दबाव, 4 गिरफ्तार

जागरण, रतलाम। जिले में इलाज और प्रार्थना के बहाने जनजातीय समुदाय के लोगों पर ईसाई धर्म अपनाने का दबाव बनाए जाने का मामला सामने आया है। यहां लोगों से कहा जाता था कि दवा से ठीक न हो तो प्रभु यीशु की प्रार्थना करो और ईसाई बन जाओ। पुलिस ने इस मामले में चार लोगों पर केस दर्ज किया है, जिनमें से चारों को गिरफ्तार कर लिया गया है। दरअसल शुक्रवार को रतलाम के औद्योगिक क्षेत्र स्थित टैंकर रोड पर एक झोपड़ी में प्रार्थना और इलाज के नाम पर जनजातीय महिलाओं और बच्चों को इकट्ठा किया गया था। सूचना मिलने पर हिंदू संगठनों के लोग वहां पहुंचे, तो उन्हें वहां बाइबल और क्रॉस मिले। कई लोगों की आंखों पर कपड़ा बांधकर, सिर पर हाथ रखकर सामूहिक प्रार्थना करवाई जा रही थी। इनमें 18 साल से कम के लोग भी थे। जानकारी के अनुसार, विरियाखेड़ी निवासी कैलाश निनामा, जो कि अनुसूचित जनजाति से हैं और मजदूरी करते हैं, उन्होंने पुलिस को बताया कि 4-5 महीने पहले बीमार होने पर वे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज गए थे। वहां उनकी मुलाकात जगदीश निनामा से हुई। जगदीश ने कहा कि अगर दवाइयों से फायदा न हो, तो प्रभु यीशु की प्रार्थना से राहत मिलेगी। बाद में जगदीश ने कैलाश को बताया कि हर शुक्रवार को उसके भाई विक्रम के घर पर प्रार्थना होती है और वहां आकर वह भी ठीक हो सकते हैं। शुक्रवार को कैलाश विक्रम के घर शिवनगर पहुंचे, जहां पहले प्रार्थना हुई, फिर प्रसाद दिया गया। इसके बाद कैलाश ने बताया कि वहां मौजूद लोगों में शामिल जगदीश, विक्रम, मांगीलाल और अन्य ने उन पर ईसाई धर्म अपनाने का दबाव बनाया। कहा गया कि प्रार्थना से कई लोगों की बीमारियां ठीक हुई हैं।

संक्षिप्त खबरें

तीन गायों को कुचला लोगों ने लगाया जाम

जागरण, सारंगपुर। शहर में आगरा-मुंबई राष्ट्रीय राजमार्ग पर रविवार तड़के करीब साढ़े चार बजे तीन गायों को वाहन ने कुचल दिया। गायों की मौत से गुस्साए ग्रामीणों ने चक्काजाम कर दिया। करीब डेढ़ घंटे चले चक्काजाम की वजह से पांच किलोमीटर तक हजारों वाहनों की कतार लग गई और वाहन चालक परेशान होते रहे। दरअसल गोपालपुरा बायपास स्थित कशीस होटल के पास हुई इस घटना के बाद एहसानपुरा, गोपालपुरा और निहाल गांव के ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए। ग्रामीणों ने सुबह 8 बजे से हाईवे पर चक्का जाम कर दिया। इससे इंदौर-गुना मार्ग पूरी तरह बाधित हो गया। जाम में करीब 2 हजार वाहन और 10 हजार लोग फंसे हुए हैं। प्रदर्शनकारियों में सुनील लववंशी, जगदीश लववंशी, प्रकाश लववंशी समेत कई हिंदू संगठनों के सदस्य शामिल हैं। ग्रामीणों का कहना है कि हाईवे पर मवेशियों की लगातार हो रही मौतों को रोकने के लिए प्रशासन कोई कार्रवाई नहीं कर रहा है। उन्होंने जिम्मेदार अधिकारियों के मौके पर आने और समाधान की मांग की। सारंगपुर पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया।

क्यूआर कोड से फरियाद करेंगे पुलिसकर्मी

जागरण, शहडोल। आम जनता ही नहीं अब जिले के पुलिसकर्मियों की समस्याओं का भी त्वरित समाधान होगा। दरअसल शहडोल पुलिस अधीक्षक रामजी श्रीवास्तव ने एक और सराहनीय कदम उठाते हुए करीब 950 पुलिसकर्मियों के लिए खास क्यूआर कोड व्यवस्था लागू की है। इसके जरिए आरक्षक से लेकर थाना प्रभारी स्तर तक के पुलिसकर्मी अपनी समस्याएं गुप्त रूप से दर्ज करा सकेंगे। शहडोल पुलिस अधीक्षक श्रीवास्तव ने पुलिसकर्मियों की फरियाद सुनने एक अनूठी और गुप्त व्यवस्था शुरू की है। अब जिले के 950 पुलिसकर्मी, आरक्षक से लेकर थाना प्रभारी तक अपनी समस्याएं सीधे एक क्यूआर कोड के जरिए दर्ज करा सकेंगे। चाहे मामला वेतन का हो, भत्ते का हो, ड्यूटी का हो या किसी और समस्या का, सब कुछ ऑनलाइन दर्ज होगा।

बीआरटी से निकलकर पनपथा बफर क्षेत्र में पहुंचे तीन जंगली हाथी

उमरिया के तीन गांवों में मचाया उत्पात और फसलें उजाड़ी, दहशत में लोग

जागरण, उमरिया। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व से निकलकर तीन जंगली हाथी पनपथा बफर क्षेत्र के छतवा, पटपरहा और भमरहा गांव तक पहुंच गए हैं। इन हाथियों के अचानक आबादी वाले क्षेत्रों में आने से ग्रामीणों में दहशत है और वे परेशानी महसूस कर रहे हैं। हाथियों के गांव के नजदीक पहुंचने से लोगों में भगदड़ जैसे हालात है।

पटपरहा गांव के किसान ने बताया कि हाथियों ने उनके खेत में लगी धान की फसल को बुरी तरह रौंद दिया।

रातभर की मेहनत और पूरे सीजन की उम्मीद हाथियों के पैरों तले कुचल गई। नंदकुमार के अनुसार हाथी उनके घर के पास तक आ गए थे, जिससे पूरे परिवार ने घर छोड़कर सुरक्षित जगह शरण ली।

मौके पर पहुंची बीटीआर की टीम

सूचना मिलते ही बीटीआर की टीम मौके पर पहुंची और ग्रामीणों के साथ मिलकर हाथियों को जंगल की ओर खदेड़ा। टीम ने हाथियों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए निगरानी बढ़ा दी है। वन अधिकारियों ने बताया कि लगातार हाथियों की आवाजाही बफर और कोर क्षेत्र के बीच बनी हुई है।

टीआई अनूप उइके की विभागीय जांच एसीपी हबीबगंज को सौंपी

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। राजधानी में लव जिहाद और ड्रग्स के मामले में चर्चित शारिक अहमद उर्फ मछली का नाम एफआईआर से हटाकर चालान पेश करने वाले टीआई अनूप उइके की विभागीय जांच शुरू हो गई है। यह जांच एसीपी हबीबगंज उमेश तिवारी को डीसीपी जोन-वन शशांक ने सौंपी है। अनूप वर्ष 2016 में अशोका गार्डन थाने में टीआई थे। तत्कालीन थाना प्रभारी ने शारिक मछली का नाम हटाकर चालान पेश किया। जिस पर कोर्ट ने नोटिस दिया है। नोटिस आने पर टीआई की जांच शुरू कर दी गई है। उनकी भूमिका की जांच की जाएगी। एसीपी यह जांच तय समय सीमा में पूरी कर रिपोर्ट अफसरों को सौंपेंगे। जानकारी के अनुसार एक अक्टूबर 2016 को अशोक गार्डन निवासी राजेश तिवारी की शिकायत पर एफआईआर दर्ज की गई थी। राजेश का आरोप था कि 30 सितंबर को रात करीब साढ़े 8 बजे पुल बोगदा से लौटते समय उनकी कार को एक्टिवा सवार रिजवान और शोएब ने टक्कर मारी थी। दूसरी एक्टिवा पर शारिक मछली और उसका अन्य साथी सवार था। चारों ने उनसे मारपीट कर चाकू से हमला कर दिया था। वारदात के बाद वे भाग निकले थे। तत्कालीन थाना प्रभारी अनूप उइके ने जांच में रिजवान और शोएब को आरोपी बनाया।

झांकी के पास गदर मचा रहा था बदमाश, पकड़ाया

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। टीलाजमालपुरा पुलिस ने एक बदमाश को छुरी के साथ गिरफ्तार किया है। वह विसर्जन के लिए झांकी के पास शराब पीकर गदर मचा रहा था। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और उसे दबोच लिया। टीलाजमालपुरा थाना प्रभारी डीपी सिंह ने बताया कि शनिवार-रविवार की रात सूचना मिली थी कि पांडे वाली गली में लगी गणेश झांकी के पास एक बदमाश गदर मचा रहा था। सूचना पर पेट्रोलिंग पार्टी मौके पर पहुंची। आरोपी की पहचान भरत उर्फ गोलू पवार उर्फ सोनू (28) निवासी सूबेदार कॉलोनी के रूप में हुई। उसकी कमर में छुरी मिली, जिसे पुलिस ने जब्त कर उसे गिरफ्तार कर लिया।

ईद मिलादुन्नबी के जुलूस में शामिल एसडीओपी ने लहराया इस्लामिक झंडा, मचा हड़कंप

वीडियो वायरल, डीआईजी ने वीडियो में दिखाई दे रहे अधिकारियों को लगाई जमकर फटकार

जागरण, छतरपुर। जिले में ईद मिलादुन्नबी के मौके पर निकाले गए जुलूस में कुछ ऐसा हो गया, जिससे पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। दरअसल शुक्रवार के दिन मुस्लिम समुदाय द्वारा ईद मिलादुन्नबी के मौके पर एक विशाल जुलूस का आयोजन किया गया था। शहर के डाकखाने चौराहे पर पुलिस के कुछ अधिकारी, जिसमें एसडीओपी नवीन दुबे और छतरपुर ट्रैफिक प्रभारी बृहस्पति साकेत घोड़े पर सवार होकर हाथों मे इस्लामिक झंडे लिए दिखाई दिए।

इसी बीच पीछे से मुस्लिम समुदाय के लोगों ने नारा-ए-तकबीर के नारे लगाने शुरू कर दिए। जैसे ही नारे लगे, एसडीओपी नवीन दुबे और बृहस्पति साकेत ने भी न सिर्फ नारे लगाए बल्कि झंडे भी लहराए। वीडियो जैसे ही सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया।

कारण बताओ नोटिस जारी

मामले में एसपी अगम जैन से बात की गई तो उन्होंने बताया की वीडियो सामने आने के बाद से वीडियो में दिखाई दे रहे पुलिस अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। जवाब आने के बाद आगे की कार्यवाही होगी।

पुलिस के आला अधिकारियों के उड़े होश

वीडियो सामने आने के बाद पुलिस के आला अधिकारी भी सकते में हैं। वीडियो सामने आने के बाद से डीआईजी ललित शाक्यवार ने वीडियो में दिखाई दे रहे अधिकारियों को न सिर्फ जमकर फटकार लगाई। बल्कि जानकारी इस बात की भी आ रही रही है कि पुलिस के जो अधिकारी वीडियो में दिखाई दे रहे हैं, उनके लिए एक जांच टीम भी बनाई गई है।

सावन-भादो माह में 1.25 करोड़ से ज्यादा भक्तों ने किए दर्शन

महाकाल मंदिर को 39 दिन में मिला सबसे ज्यादा 30 करोड़ का दान

जागरण, उज्जैन। विश्वप्रसिद्ध बाबा महाकाल मंदिर में सावन-भादौ माह में 1.25 करोड़ से ज्यादा भक्तों ने दर्शन किए हैं, वहीं दान का नया रिकॉर्ड बना है। महाकाल मंदिर में 39 दिनों में 30 करोड़ का दान आया है इससे पहले 2023 में 23 करोड़ का दान आया था, लेकिन यह अब तक सावन-भादौ माह का सबसे ज्यादा दान का रिकॉर्ड है।

मंदिर समिति की तरफ से दी गई जानकारी के मुताबिक इस बार सावन-भादौ माह में कुल 1.25 करोड़ भक्तों ने दर्शन किए हैं, इस हिसाब से देखा जाए तो हर दिन

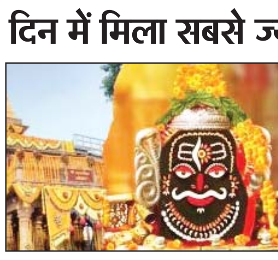

औसतन 3 लाख 20 हजार से ज्यादा लोग बाबा महाकाल के दर्शनों के लिए पहुंचे। वहीं 2023 में कुल 99 लाख भक्त आए थे, जबकि 2024 में यह संख्या 90 लाख पहुंच गई थी, जबकि 2025 में अब तक की सबसे ज्यादा 1.25 करोड़ भक्तों के दर्शन करने की बात सामने आई है।

90 हजार से एक लाख भक्त प्रतिदिन पहुंच रहे उज्जैन

बाबा महाकाल के भक्त लगातार दान करने में आगे होते जा रहे हैं। मंदिर समिति की तरफ से दी गई जानकारी के आंकड़ों के हिसाब से पिछले 7 सालों में बाबा महाकाल मंदिर में 1 अरब से ज्यादा का दान आया है। बीते 5 सालों में सबसे ज्यादा इजाफा हुआ है, क्योंकि 2018 से 2021 के बीच में हर दिन मंदिर में 40 से 50 हजार भक्त ही आते थे, लेकिन अब यह संख्या 90 हजार से 1 लाख के बीच पहुंच गई है।

बाबा महाकाल लोक बनने के बाद बढ़े भक्त

2018 से 2021 के बीच 40 करोड़ 69 लाख 49 हजार रुपए का दान आया था, जबकि 2019 से 2025 के बीच ही मंदिर के दान में इजाफा हुआ था, जहां 1 अरब 70 करोड़ 25 लाख 6 हजार 484 रुपए का दान आया है। खास बात यह है कि दान की यह राशि केवल दान और भेंट पेटियों से निकली जानकारी के हिसाब से है। बता दें कि मंदिर समिति को टिकट, प्रसादी, सेवाओं के जरिए अलग-अलग दान आता है, जिसकी राशि अलग होती है, जिसमें शीघ्र दर्शन टिकट, दर्शन टिकट जैसी सुविधाएं अलग से शामिल हैं। पिछले कुछ सालों में बाबा महाकाल मंदिर में भक्तों की संख्या तेजी से बढ़ी है, जिससे उज्जैन शहर एक बड़ा धार्मिक पर्यटन केंद्र बनकर सामने आया है, जिससे उज्जैन शहर की आय में तेजी से बढ़ोत्तरी हुई है।

मुद्रक एवं प्रकाशक **राजीव मोहन गुप्त** द्वारा जागरण पब्लिकेशन्स प्रा. लि. हेतु 'दैनिक जागरण प्रेस' 33, जागरण भवन, प्रेस काम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल, मध्यप्रदेश -462011 (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. 1573/57, पंजीयन संख्या 7 म.प्र., **संस्थापक : स्व. गुरुदेव गुप्त,** संपादक : **राजीव मोहन गुप्त,** स्थानीय संपादक : **हरिमोहन गुप्त** फोन : **कार्या.** : 0755-6723200 **E-mail :** modemdj@gmail.com।